



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 27, 1986 (आश्विन 5, 1908)
No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 27, 1986 (ASVINA 5, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

विधिक, निकाशों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

बैंकिंग परिचालन और विकास विभाग

“दि आर्कोड”, विश्व व्यापार केन्द्र

बम्बई-400 005, दिनांक 20 फरवरी 1986

शुद्धि-पत्र

दिनांक 28 दिसम्बर 1985 के भारत के राजपत्र के भाग-III, खंड 4 के पृष्ठ 2329 पर प्रकाशित दिनांक 25 अक्टूबर 1985 की अधिसूचना डी बी ओ डी सं० आर० ई० टी० बी० सी० 131/सी० 96 (आर० ई० टी० बी० सी० 85 की पंक्ति 8 में “बनाय” शब्द को “बनाये” पढ़ा जाये तथा “में” शब्द को पढ़ा नहीं जाये। साथ ही पंक्ति 12 में (i) के स्थान पर (ii) पढ़ा जाये।

बी० एस० जोशी,
उप मुख्य अधिकारी

स्टेट बैंक आफ पटियाला

ग्रामचलित कार्यालय

भटिंडा, दिनांक 9 सितम्बर 1986

सं० जेड ओ०/बी० टी० आई०/65/101—हमारे बैंक के उन अधिकारियों से संबंधित सूचना जो जुलाई एवं अगस्त 1986 की अवधि के दौरान इस आंचल में स्थानान्तरित हुए तथा जिन्होंने अपने नाम के साथ घटाई तिथियों को कार्य-ग्रहण किया।

1. श्री एम० पी० गर्ग, अधिकारी श्रेणी-I, प्रबंधक रामा शाखा का स्थानान्तरण क्षेत्रीय कार्यालय-I, भटिंडा में हुआ। एवं उन्होंने वहां पर 1-7-86 को कार्यग्रहण किया।
2. श्री एम० एल० जिनंदन, अधिकारी श्रेणी-I, शाखा प्रबंधक, भटिंडा एम० एम० सी० का स्थानान्तरण क्षेत्रीय कार्यालय-II, भटिंडा में हुआ, तथा वहां पर उन्होंने 4-7-86 को कार्य ग्रहण किया।

3. श्री आर० सी० अरोड़ा, सहायक लेखापाल, समराला का स्थानान्तरण आंचलिक कार्यालय में हुआ तथा उन्होंने 28-7-86 को कार्यग्रहण किया।
4. श्री डी० के० बांसल, सहायक लेखापाल का स्थानान्तरण एम० एस० सी० भटिंडा शाखा से रामपुराफुल शाखा में हुआ तथा उन्होंने वहाँ पर 7-8-86 को कार्यग्रहण किया।
5. श्री आर० सी० शर्मा, सहायक लेखापाल, सिधवांबेट शाखा का स्थानान्तरण गीनियाना शाखा में हुआ तथा उन्होंने वहाँ पर 11-8-86 को कार्य ग्रहण किया।
6. श्री वीर सिंह, सहायक लेखापाल, होशियारपुर शाखा का स्थानान्तरण जैतों शाखा में किया गया तथा उन्होंने वहाँ पर 5-8-86 को कार्य ग्रहण किया।
7. श्री नरिन्दर गोयल, अधिकारी श्रेणी-II का स्थानान्तरण क्षेत्रीय कार्यालय-I, भटिंडा से आंचलिक कार्यालय, भटिंडा में क्रमिक अधिकारी के रूप में हुआ तथा वहाँ उन्होंने 8-8-86 को कार्य ग्रहण किया।
8. श्री वलीप सिंह, सहायक लेखापाल, फिरोज़पुर का स्थानान्तरण जलालाबाद (पूर्व) शाखा में प्रबन्धक के तौर पर हुआ। वहाँ उन्होंने 28-8-86 को कार्यग्रहण किया।

एच० एस० कंवल,
आंचलिक प्रबंधक

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान,

कलकत्ता-700071, दिनांक 3 सितम्बर 1986

सं० 3-ई० सी० ए० (5)/3/86-87—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-ई० सी० ए० (4)/4/3/85-86 दिनांक 30-9-1985, और 3-ई० सी० ए० (4)/3/83-84 दिनांक 31-3-1984 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	16426	श्री अमित कुमार पाल, ए० सी० ए०, फाइनैन्स मैनेजर, आफिस आफ दि जनरल मैनेजर, ईस्टर्न कोलफील्ड लि०, पन्डावेस्वर एरिया, पी० ओ० पन्डावेस्वर, डिस्ट० बुरद्वान।	24-7-86

1	2	3	4
2.	50583	श्री पुरुषोत्तम चक्रवर्ती, ए० सी० ए०, होटेल सेसिल, 52/1/1, कोलेज स्ट्रीट, कलकत्ता-700 072।	21-7-86

आर० एल० चोपड़ा,
सचिव

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट)

मद्रास-600 034, दिनांक 3 सितम्बर 1986

सं० 3-एस० सी० ए० (4)/4/86-87—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1.	1284	श्री रतिलाल पी० व्यास; मैसर्स एम० के० डान्डेकर एण्ड कं०, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, 138, भ्रंगण्या नैकन स्ट्रीट, मद्रास 600 001।	1-8-86
2.	1906	श्री एम० नारायनास्वामी, 58, एसपीरन गार्डन्स, किलपौक, मद्रास 600 010।	28-6-86
3.	1962	श्री एस० राजम, 64 चैमीयर्स रोड, मद्रास 600 028।	14-3-86
4.	4874	श्री टी० आर० बाकालिंगम, 3127, ईस्ट सैकिड स्ट्रीट, पुदुकोट्टई 622 001।	9-8-86
5.	5554	श्री आर० एम० सन्नारतनम, प्लॉट नं० 473, अन्ना नगर, मदुराई 625 020।	9-7-86

आर० एल० चोपड़ा,
सचिव

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1986

सं० रा० स० वि० नि० 1-1/78 यो० एवं सम०— राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 26) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सामान्य विनियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए एतद् द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:-

1. (1) ये विनियम राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सामान्य (संशोधन) विनियम, 1986 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सामान्य विनियम, 1975 में विनियम 19 में मद (iii) के पैरा "क" के उप-पैरा (क) में जिन दो स्थानों पर "र० 1.30 प्रति कि० मी०" के शब्द एवं आंकड़े आए हैं उनके स्थान पर "र० 2/- प्रति कि० मी०" शब्दों एवं आंकड़ों को प्रतिस्थापित किया जाए।

रवि वीर गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक

भारतीय विधिज्ञ परिषद् नियम

दिनांक सितम्बर, 1986

भाग 4

सं० III-IV (71) (1)/86-अधोलिखित संशोधित नियम जो कि भारतीय विधिज्ञ परिषद् की नियमावली के भाग IV में दिये गये हैं विधि शिक्षा के लिए भारतीय विधिज्ञ परिषद् द्वारा दिनांक 15 और 16 फरवरी, 1986 की बैठक में पारित किये गये हैं।

अधिवक्ता के रूप में प्रवेश के लिए विधिक शिक्षा के स्तर और विधि में उपाधियों की मान्यता।

(अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 7 (ज), और (झ), 24 (1), (ग) (iii), और (iii)क, तथा 49 (1) (कज), (कछ), और (घ) के अधीन नियम

1. 10 जमा 2 या 11 जमा 1 की शिक्षा के पश्चात् विधि का पांच वर्षीय पाठ्यक्रम होगा जो दो भागों में होगा अर्थात् भाग I जिसमें पूर्ण विधि के अध्ययन का और दो वर्षीय ठोस कार्यक्रम होगा और भाग II में विधि के वृत्तिक प्रशिक्षण का तीन वर्षीय कार्यक्रम होगा।

2. (1) इसमें दिए गए नियमों के नियम 7, 23, 24 और 25 में यथा उपबन्धित के सिवाय, भारत के राज्यक्षेत्र में स्थित किसी विश्वविद्यालय से प्राप्त विधि की उपाधि की अधिवक्ता अधिनियम, 1961 के अधीन अधिवक्ता के रूप में नामांकन के प्रयोजनों के लिए, 1 जून, 1982 से तब तक मान्यता नहीं दी जाएगी जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं कर ली जाती हैं:—

(क) विधि में उपाधि के लिए विधि के शिक्षा पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते समय संबद्ध व्यक्ति ने केन्द्र या राज्य सरकारों के शैक्षिक प्राधिकरण द्वारा मान्यता प्राप्त 10 जमा 2 की शालेय शिक्षा उत्तीर्ण की हो या उसके पास ऐसी शैक्षिक अर्हताएं हों जिसे भारतीय विधिज्ञ परिषद् 10 जमा 2 के पाठ्यक्रमों के समतुल्य मानती हो।

(ख) विधि की उपाधि इन नियमों के अधीन सन्त्यक्तः मान्यता-प्राप्त किसी विधि महाविद्यालय से कम से कम 5 वर्ष की अवधि के लिए नियमित रूप से अध्ययन करने के पश्चात् प्राप्त की गई हो। इनमें से पहले दो वर्ष पूर्व-विधि पाठ्यक्रमों में लगाए जाएंगे जो उसके पश्चात् आरम्भ होने वाले विधि अध्ययन के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवश्यक अर्हता होगी। तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम के अंतिम छह मास में व्यावहारिक प्रशिक्षण का एक नियमित पाठ्यक्रम भी सम्मिलित है।

(ग) विधि पाठ्यक्रम भारतीय विधिज्ञ परिषद् द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध किसी महाविद्यालय द्वारा दिए गए अपेक्षित संख्या में व्याख्यातों, शिक्षकीय, विधि-सभाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण में नियमित रूप से उपस्थित होकर पूरा किया गया है।

(घ) विधि अध्ययन की पांच वर्ष की अवधि के दौरान कोई अन्य शिक्षा पाठ्यक्रम साथ-साथ किए बिना, विधि की उपाधि प्राप्त की गई है।

3. (1) विधि की शिक्षा केवल पूर्णकालिक विधि महाविद्यालयों या विश्वविद्यालय के विभागों के माध्यम से प्राप्त की जायेगी।

परन्तु जो विश्वविद्यालय, 1 जून 1982 से नए नियमों को लागू नहीं कर सकते हैं वे 1982-83 से 2 वर्ष से अधिक अवधि के लिए, भारतीय विधिज्ञ परिषद् को सूचित करके, पुरानी प्रणाली को जारी रख सकते हैं। ऐसी सूचना के पश्चात् तब विश्वविद्यालय नियम 23 की अपेक्षाओं का पालन करेंगे।

परन्तु यह भी कि ऐसे विद्यार्थी जिन्हें 1 जून, 1982 के पूर्व प्रथम वर्ष एल० एल० बी० में प्रवेश दिया गया है, यथास्थिति, अंशकालिक प्रातः सांध्यकालीन महाविद्यालयों के माध्यम से अपनी शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।

(2) किसी महाविद्यालय को उपनियम, 3 (1) के प्रयोजनों के लिए पूर्णकालिक महाविद्यालय तभी समझा जाएगा जब उस महाविद्यालय या विश्वविद्यालय विभाग का कार्य-मय प्रति सप्ताह कम से कम 30 घंटे हो जिसमें संपर्क और पुनः-व्यवहार का कार्यक्रम, शिक्षकीय, गृहकार्य, पुस्तकालय, किल निकल कार्य आदि भी सम्मिलित हैं; परन्तु यह तब जब कि कक्षा में व्याख्यान का वास्तविक समय प्रति सप्ताह कम से कम 20 घंटे हो।

4. स्नातक शिक्षा के पश्चात् वर्तमान तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम 1986-87 तक जारी रखा जा सकता है किन्तु 1987-88 के सत्र के लिए सभी विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की जाएगी कि वे पांच वर्षीय पाठ्यक्रम प्रस्थापित करें। 1987-88 वर्ष के दौरान जिन विद्यार्थियों को तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा वे अधिवक्ता के रूप में नामांकन के लिए पात्र होंगे।

5. विधि शिक्षा के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश, सामान्यतः उनके योग्यता क्रम के आधार पर दिया जाता है। किसी भी विद्यार्थी को तब तक प्रवेश नहीं दिया जाएगा जब तक कि उसने अन्य बातों के साथ प्रवेश के लिए अर्हक परीक्षा में कुल 45 प्रतिशत अंक प्राप्त नहीं किए हैं।

परन्तु असूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों के मामले में अर्हक परीक्षा में 5 प्रतिशत अंकों की छूट दी जा सकती है।

परन्तु या भी कि शारंगिक निःशक्तता/विकलांगता की दशा में, सम्बद्ध प्राधिवक्ता के समाधान-प्रद रूप में, चिकित्सा अधिगारी से निःशक्तता प्रमाणित प्रस्तुत किए जाने पर, अर्हक परीक्षा में 5 प्रतिशत तक के अंकों की छूट दी जा सकती है।

स्पष्टीकरण: शारीरिक निष्कतता से अभिप्रेत है और उसमें सम्मिलित है निम्नलिखित प्रवर्ग के शारीरिक रूप से निष्कत व्यक्ति :—

(अ) अंधा—अंधा वह व्यक्ति है जो निम्नलिखित दशाओं में पीड़ित है; अर्थात्—

- (1) जो पूर्णतः दृष्टिहीन है; और
- (2) जिसकी अच्छी आँख में चरम पहनने से, दृष्टि शक्ति 6/16 या 20/200 (स्नेलम) हो।

(ब) बहरा/गूंगा—

- (1) वे व्यक्ति बहरे हैं जिनकी श्रवण शक्ति जीवन के सामान्य प्रयोजनों के लिए, काम नहीं करती हो।
- (2) वे व्यक्ति गूंगे हैं जो बोल नहीं सकते।

(स) विकलांग—

वे व्यक्ति विकलांग हैं जिनके शरीर का कोई बड़ा भाग विकलांग या विकृत है और जिससे अस्थियों, मांस पेशियों और जोड़ों को सामान्य रूप से कार्य करने में अवरोध होता है।

6. विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय के कम से कम 66 प्रतिशत व्याख्यानों और शिक्षकीय, विधि सभाओं और व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में उपस्थित होना होगा।

परन्तु आपवादिक मामलों में, जिनके कारण अभिलेखबद्ध किए जाएंगे और भारतीय विधिज परिषद् को संसूचित किए जाएंगे, विधि संकायाध्यक्ष और विधि महाविद्यालयों के प्राचार्य नियम द्वारा अपेक्षित उपस्थिति में कमी को माफ कर सकेंगे। यदि विद्यार्थी, यथास्थिति, सेमेस्टर या परीक्षा के लिए व्याख्यानों में से कुल मिलाकर 66 प्रतिशत व्याख्यानों में उपस्थित हुआ है।

7. पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम के भाग II में निम्नलिखित की आवश्यकता से प्रविष्टि संबंधित विश्वविद्यालय के विवेक पर, अनुज्ञान की जाएगी :

- (1) अभ्यर्थी जिनके पास कला, विज्ञान या वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि है।
- (2) अभ्यर्थी जिन्होंने कला, विज्ञान या वाणिज्य में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम (पास या आर्नेस) उत्तीर्ण किया है और उनके स्नातक उपाधि परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक हैं या 7 बिंदु मापमान में बी ग्रेड है।
- (3) अभ्यर्थी जिन्होंने ऊपर 7 (II) से भिन्न किसी संकाय में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम किया है या किसी संकाय स्नातक पाठ्यक्रम के पश्चात् एक वर्ष का बिज पाठ्यक्रम किया है; परन्तु यह तब जब कि उन्होंने संबंधित विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा संचालित की जाने वाली परीक्षा उत्तीर्ण की हो। ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा में भाग लेने के लिए अनुज्ञान किए जाने के पूर्व अर्हक परीक्षा में कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना आवश्यक है।

परन्तु नियम 7 के अधीन प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थियों को नियम 5 के अधीन अंकों से छूट संबंधी उपबंध भी लागू होंगे।

परन्तु पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम ऐसे विवेक से प्रवेश पाने वालों के लिए पुनोपाध्य शर्त है।

8. (1) भाग I की परीक्षा का संचालन इस प्रकार किया जाना चाहिए कि वह विश्वविद्यालय की परीक्षा कहलाए। विधि पाठ्यक्रम के भाग I के उत्तीर्ण करने वाला विद्यार्थी कला स्नातक के उपाधि पूर्ण के लिए कला, समाज विज्ञान आदि में तीन वर्षीय उपाधि पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में नामांकन के लिए पात्र होगा।

(2) पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम की स्कीम के अधीन दो वर्षीय पूर्व विधि अध्ययन के लिए भारतीय विधिज परिषद् नियम (भाग 4) के नियम 12 (1) में सूचीबद्ध प्रश्नपत्र ऐसे उपांतरणों सहित विश्वविद्यालयों द्वारा अंगीकृत किए जा सकेंगे जिससे कि विद्यार्थियों के लिए कला स्नातक उपाधि को एक वर्ष में पूरा करने की दृष्टि से, भाग I उत्तीर्ण करने के पश्चात् कला स्नातक (बी ए) कार्यक्रम में प्रवेश लेना संभव हो जाए। सूचीबद्ध प्रश्नपत्रों के उपांतरण में उन व्यक्तियों के लिए विधि शिक्षा की अपेक्षाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए जो अन्य संकायों से भाग 2 पाठ्यक्रम में प्रवेश लेते हैं। (विधि की भाषा जिसके अन्तर्गत विधिज लेखन भी है, संबंधित विषय को पाठ्यक्रम के भाग-II में अंतर्गत करना होगा)।

9. शिक्षा का माध्यम सामान्यतः अंग्रेजी होगा। जहाँ शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी नहीं है या जहाँ छात्र ने वास्तव में विधि की परीक्षा के प्रश्नपत्रों के उत्तर अंग्रेजी से भिन्न भाषा में दिए हैं जहाँ उसे अपने नामांकन की एक शर्त के रूप में, राज्य विधिज परिषद् द्वारा संचालित की जाने वाली "अंग्रेजी में प्रवीणता" की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। किन्तु यह तब जब उसने विधि में अपनी शिक्षा के भाग के रूप में ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण न की हो।

स्पष्टीकरण उपर्युक्त परीक्षा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के स्नातक उपाधि धारक के स्तर की जानकारी के लिए है।

10. विश्वविद्यालय भाग II प्रवेश के लिए ऐसी रीति में अपने स्वयं के नियम बना सकते हैं जिनसे स्नाकोत्तर के साथ-साथ स्नातक व्यक्ति भी प्रवेश पाने में समर्थ हो सकें।

11. (1) विधि महाविद्यालय ऐसे स्थान पर होगा जहाँ कोई जिला न्यायालय या कोई मजिस्ट्रेट जिला न्यायालय हो या उनसे ऐसी दूरी पर होना जैसी भारतीय विधिज परिषद् अनुज्ञात करे।

(2) महाविद्यालय का प्राचार्य, सामान्यतः महाविद्यालय का पूर्णकालिक शिक्षक होगा।

(3) ग्रंथालय शिक्षकों की संख्या, शिक्षकों की कुल संख्या के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

(4) महाविद्यालय का या विश्वविद्यालय के विभाग का पुस्तकालय प्रत्येक कार्य दिवस को कम से कम 8 घंटे खुला रहेगा।

12 (1) विधि उपाधि पाठ्यक्रम के आरंभिक शिक्षण पाठ्यक्रम में निम्नलिखित 7 अनिवार्य विषय होंगे, अर्थात् :—

- | | |
|--|---------------|
| 1. सामान्य अंग्रेजी (स्नातक स्तर) | |
| भाग I और भाग II | 2 प्रश्न पत्र |
| 2. राजनीतिशास्त्र | |
| (भाग 1, भाग 2 और भाग 3) | 3 प्रश्न पत्र |
| 3. ग्रंथशास्त्र | 1 प्रश्नपत्र |
| 4. इतिहास | 1 प्रश्नपत्र |
| 5. समाजशास्त्र | 1 प्रश्नपत्र |
| 6. विधिक भाषा जिनमें विधिक लेखन भी सम्मिलित है | 1 प्रश्नपत्र |
| 7. भारत में न्यायलयों, विधानमंडलों और विधि व्यवसाय का इतिहास | प्रश्नपत्र |

टिप्पण :

भारतीय विधिज परिषद् ने विद्यार्थियों से परामर्श करके आरंभिक प्रश्नपत्रों में पाठ्यक्रमों की प्रतिम रूपरेखा तैयार की है। (साए गए पाठ्यक्रमों की रूपरेखा न नियमों के साथ परिशिष्ट "क" से "छ" के रूप में संलग्न है।

(2) विधि में तीन वर्षीय अध्ययन के लिए शिक्षण पाठ्यक्रम में निम्नलिखित 12 अनिवार्य विषय होंगे :—

- | | |
|--|--------------|
| 1. (क) संविदा के साधारण सिद्धांत | 1 प्रश्नपत्र |
| (ख) विशेष संविदा | 1 प्रश्नपत्र |
| 2. अपराध विधि | 1 प्रश्नपत्र |
| 3. कूटनीति विधि | |
| (क) हिन्दू विधि | 1 प्रश्नपत्र |
| (ख) मोहम्मदन विधि और भारतीय | |
| उत्तराधिकारी अधिनियम और | |
| भारतीय विवाह-विच्छेद अधिनियम | 1 प्रश्नपत्र |
| 4. अपराध और प्रक्रिया विधि | 2 प्रश्नपत्र |
| 5. भारत की संविधानिक विधि | 1 प्रश्नपत्र |
| 6. सम्पत्ति विधि और मुखाचार | 1 प्रश्नपत्र |
| 7. साक्ष्य | 1 प्रश्नपत्र |
| 8. विधिक सिद्धांत (विधि-शास्त्र) | 1 प्रश्नपत्र |
| 9. सिविल प्रक्रिया, परिसीमा और माध्यस्थता | 1 प्रश्नपत्र |
| 10. प्रशासनिक विधि | 1 प्रश्नपत्र |
| 11. पब्लिक अंतरराष्ट्रीय विधि | 1 प्रश्नपत्र |
| 12. व्यावहारिक प्रशिक्षण—छह मास की शिक्षा के अंतर्गत म्यालय में उपस्थित होना, वस्तावेज, न्यायलयों के नियम, भसौदा लिखने का अभ्यास, अभिवचन, क वकील के चैम्बर का कार्य और वृत्तिक मेलिकता सबधी व्याख्यानो में उपस्थित होना, आदि है। | |

विद्यार्थी को सबद्ध विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किए जाने वाले इस पाठ्यक्रम को भी उत्तीर्ण करना होगा।

(3) कम से कम 6 और विषय जो इसमें नीचे दी गई सूची से और स्थानीय रूप से संचालित ऐसे अन्य विधि संबंधी विषयों में से जो विश्व-विद्यालय अपने विकल्पानुसार विहित करे, चुने जा सकेंगे :

1. साम्या
2. कपनी विधि
3. श्रम विधि
4. कराधान
5. अंतरराष्ट्रीय संगठन
6. शोधन असमता
7. सहयोग और कारबार का सार्वजनिक नियंत्रण विधि
8. विधायी प्ररूपण
9. संक्षिप्त विधि
10. बीमा
11. नास और अन्य वैश्वमिक माध्यता
12. व्यापार चिह्न, प्रतिलिप्यधिकार और पेटेंट
13. अंतरराष्ट्रीय अर्थ-विधि
14. अपराध, विज्ञान और आपराधिक प्रशासन
15. कानूनों और विधायन के सिद्धांतों का निर्बचन
16. विधिक उपचार
17. प्रह्वेट अंतरराष्ट्रीय विधि
18. तुलनात्मक विधि
19. विधि और सामाजिक परिवर्तन
20. विधि और निर्धनता
21. भू राजस्व, भू सुधार, और ग्रामीण विकास से संबंधित विधि
22. विधि और आयोजना
24. स्थानीय स्वायत्त शासन से संबंधित विधि

13. प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए प्रति सप्ताह कम से कम 3 घंटे की व्याख्या कक्षाएं और एक घंटे की शिक्षकीय कार्य होगा।

14. परीक्षा सामान्यतः प्रत्येक वर्ष के अन्त में आयोजित होगी किन्तु विश्वविद्यालय प्रत्येक 6 मास के अन्त में परीक्षाएं आयोजित करने के लिए स्वतंत्र होगा। विश्वविद्यालय एक वर्ष या छह मास की अवधि के लिए विषयों का उपयुक्त आकटन करेगा और उसकी सूचना भारतीय विधिज्ञ परिषद् को देगा।

15. महाविद्यालय के प्राचार्य सहित विधि के पूर्णकालिक शिक्षक विधि में निष्णात (मास्टर आफ ला) की उपाधि धारक होंगे और जहां विधि निष्णात उपाधि धारक उपलब्ध नहीं हैं वहां विधि में कम से कम 5 वर्ष का शिक्षण अनुभव रखने वाले व्यक्तियों पर विचार किया जा सकेगा। विधि निष्णात (एल० एल० एम०) उपाधि धारक से निम्न अंशकालिक शिक्षक ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्होंने बार में कम से कम 5 वर्ष विधि व्यवसाय किया है।

16. विश्वविद्यालय केवल उन महाविद्यालयों को स्थापित या मान्यता प्रदान करेंगे जिनके यहां विधि की पूर्णकालिक कक्षाएं लगती हों और इन नियमों में की गई अपेक्षानुसार उनके पास अपेक्षित सुविधाएं और पुस्तकालय हों।

17. पूर्णकालिक और अंशकालिक शिक्षकों पर शिक्षण भार विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर विवाहित किए गए मान-दंडों के अनुसार होगा।

18. प्राचार्य, पूर्णकालिक और अंशकालिक शिक्षकों को दिया जाने वाला वेतन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर सिफारिश किए गए मापमान के अनुसार होगा।

अन्य सुविधाएं जैसे दैनिक भत्ता, प्रतिकरात्मक स्थानीय भत्ता, मकान किराया भत्ता, भविष्य विधि आदि सबद्ध विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर विहित किए गए मानदंडों के अनुसार होंगे।

19. किसी विश्वविद्यालय से सबद्ध कोई विधि महाविद्यालय 1 जून, 1987 से एक स्वतंत्र विधि महाविद्यालय होगा और वह किसी विश्व-विद्यालय से संलग्न नहीं रह जाएगा।

स्पष्टीकरण:—स्वतंत्र विधि महाविद्यालय से ऐसा पूर्णकालिक महा-विद्यालय अभिप्रेत है जिसमें एक नियमित अर्हित पूर्णकालिक प्राचार्य और अपेक्षित कर्मचारिवृन्द तथा इन नियमों द्वारा यथा उपबंधित सुविधाएं हैं।

20. (1) इन नियमों के वृत्त हो जाने के पश्चात आरंभ हुआ कोई भी महाविद्यालय, अधिवक्ता के रूप में नामांकन के लिए विधि अध्ययन के पाठ्यक्रम की शिक्षा तक तक नहीं देगा जब तक कि भारतीय विधिज्ञ परिषद् द्वारा उसकी संबद्धता को अनुमोदित न कर दिया गया हो।

(2) कोई भी विद्यमान विधि महाविद्यालय, अधिवक्ता के रूप में नामांकन के लिए विधि अध्ययन के पाठ्यक्रम की शिक्षा देने के लिए सक्षम नहीं होगा यदि भारतीय विधिज्ञ परिषद् ने उसकी संबद्धता को अनुमोदित कर दिया है।

21. भारतीय विधिज्ञ परिषद् किसी विश्वविद्यालय से संबद्ध या संबद्ध होने के लिए आशयित किसी विधि महाविद्यालय का निरीक्षण आयोजन के लिए नियुक्त की जाने वाली किसी समिति से करागी जब :

(क) किसी ए महाविद्यालय की संबद्धता के अनुमोदन के लिए उसे आवेदन प्राप्त होता है या

वह या सुनिश्चित करने के लिए स्वमेव विनियमन करती है कि उम्मीद द्वारा अधिकृत विधिक शिक्षा मानकों का पालन किया जाता है।

(ख) नए महाविद्यालय की संबद्धता के अनुमोदन के लिए आवेदन सचिव भारतीय विधिज्ञ परिषद् को संबोधित होता और

संबद्ध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार के माध्यम से ही उसकी सिफारिश के साथ भेजा जाएगा।

- (ग) संबंध महाविद्यालय और या विश्वविद्यालय निरीक्षण समिति और भारतीय विधि परिषद् को, जब कभी अपेक्षा की जाए, सभी जानकारी देगा और निरीक्षण करवाने में हर संभव रीति से उनके साथ सहयोग करेगा।
- (घ) निरीक्षण समिति विधि परिसर को एक विस्तृत रिपोर्ट इस बाबत अपनी स्पष्ट सिफारिश के साथ प्रस्तुत करेगी कि क्या नए महाविद्यालय की संबद्धता को अनुमोदित या अनुमोदित किया जाए या किसी विद्यमान महाविद्यालय, की संबद्धता जारी रखी जाए वापस ले ली जाए अथवा विनिर्दिष्ट की जाने वाले अवधि के भीतर कार्यान्वित किए जाने वाले सुधारों के लिए कुछ निर्देश दिए जाएं। रिपोर्ट में सिफारिशों के लिए कारण सम्मिलित किए जाएंगे।
- (ङ) यदि प्रतिकूल रिपोर्ट प्राप्त होती है तो भारतीय विधि परिषद् का सचिव उसकी एक प्रति संबंध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को उसके विचार और स्पष्टीकरण, यदि कोई हों, जानने के लिए भिजवाएगा। विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार रिपोर्ट के सम्बन्ध में ऐसे विचारों और स्पष्टीकरणों को संसूचना की प्राप्ति की तारीख से छह सप्ताह की अवधि के भीतर, भेजेगा।
- (च) भारतीय विधि परिषद् का सचिव संबंध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार की रिपोर्ट और विचार स्पष्टीकरण को भारतीय विधि परिषद् की विधिक शिक्षा समिति की अगली बैठक में, उसके समक्ष रखेगा।
- (छ) यदि विधिक शिक्षा समिति का यह समाधान हो जाता है कि विधिक शिक्षा के स्तर और या भारतीय विधि परिषद् द्वारा इन नियमों में उपबंधित संबद्धता के या संबद्धता जारी रखने के नियमों का पालन नहीं किया गया है और अध्ययन, शिक्षण और या परीक्षा के पाठ्यक्रम ऐसे नहीं हैं जिनसे विधिक शिक्षा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को सक्षम विधि व्यवसाय के लिए अपेक्षित ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त होता है तो विधिक शिक्षा समिति संबद्धता के अनुमोदन/अनुमोदन की या संबद्धता जारी रखने की सिफारिश भारतीय विधि परिषद् को करेगी।

विधिक शिक्षा समिति यह भी सिफारिश कर सकेगी कि विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर किए जाने वाले सुधारों के लिए कुछ निर्देश दिए जाएं।

- (ज) विधिक शिक्षा समिति की अनुमत्तक पदां सहित सिफारिश भारतीय विधि परिषद् के समक्ष उसके विनियमों के लिए रखी जाएगी। यदि भारतीय विधि परिषद्, विधिक शिक्षा समिति की सिफारिश से असहमत है या उसे उपेक्षित करना चाहती है तो वह इस विषय में अंतिम विनिश्चय करने के पूर्व उक्त सिफारिश को विधिक शिक्षा समिति को विचारार्थ भेज देगी।
- (झ) यदि परिषद की राय है कि महाविद्यालय की संबद्धता अनुमोदित कर दी जानी चाहिए, तो वह महाविद्यालय के प्राचार्य और विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को प्रस्तावित कार्रवाई की सूचना देगी और उनसे सूचना प्राप्ति के 30 दिन के भीतर कारण बताने के लिए कहेगी और परिषद् प्राप्त उत्तर को ध्यान में रखते हुए अंतिम आदेश करेगी।
- (डा) भारतीय विधि परिषद् का विनिश्चय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को सूचित किया जाएगा।

यह विनिश्चय उस तारीख से जिनकी वह विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को प्राप्त होता है, पश्चात्तर्फी अगले शिक्षा सत्र के आरम्भ से प्रभावी होगा।

22 (1) परिषद भारत के राजपत्र में और भारत के प्रमुख समाचार-पत्रों में अधिसूचना द्वारा उन विश्वविद्यालयों के नाम प्रकाशित करेगी जिनकी विधि उपाधियों को इन नियमों के अधीन मान्यता दी गई है और साथ ही विश्वविद्यालयों को अधीन उन विधि महाविद्यालयों की सूची भी प्रकाशित करेगी जो इन नियमों के अधीन यथा उपबंधित वृत्तिक विधि शिक्षा देने के लिए पात्र हैं और वह ऊपर, निर्दिष्ट अधिसूचना की एक प्रति विधिक शिक्षा देने वाले सभी विश्वविद्यालयों तथा राज्य विधिक परिषदों को भेजेगी।

परन्तु उपर्युक्त उप नियम (1) के प्रयोजन के लिए विद्यमान विश्व-विद्यालय विधि विभाग और विश्वविद्यालयों से संबंध महाविद्यालय, जब तक कि परिषद् द्वारा, अन्यथा विनिश्चित न किया जाए, इन नियमों के अधीन वृत्तिक (व्यावसायिक) विधि महाविद्यालय समझे जायेंगे।

(2) किसी विश्वविद्यालय की विधि की उपाधि को मान्यता न देने या मान्यता समाप्त कर देने के बारे में जानकारी भारत में विधिक शिक्षा देने वाले विश्वविद्यालयों और सभी राज्य विधिक परिषदों को भी भेजी जाएगी।

23 (1) वे विश्वविद्यालय और महाविद्यालय जिन्हें भारतीय विधिक परिषद् ने नए नियमों के अधीन व्यावसायिक संस्थाओं के रूप में मान्यता दी इन नियमों के अनुसार शिक्षा वर्ष 1982-83 से वृत्तिक विधिक शिक्षा आरम्भ करेंगे। किन्तु जो विश्वविद्यालय पश्चिर्तन करके नई स्कीम के लिए और समय चाहते हैं उन्हें विद्यमान तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को चार शिक्षा वर्ष से अधिक अवधि के लिए अनुज्ञात नहीं किया जा सकेगा। यदि ऐसा अनुज्ञात जाती है तो वे विद्यमान विधि स्नातक (एल० एम० बी०) पाठ्यक्रम के लिए स्नातकों को प्रवेश देना शिक्षा वर्ष 1986-87 तक जिसमें वह वर्ष भी सम्मिलित है, जारी रख सकेंगे।

(2) ऐसे विश्वविद्यालय जो परिवर्तन के लिए समय चाहते हैं, इन नियमों के अधीन नए पांच वर्षीय विधि पाठ्यक्रम को अपने-अपने अपने प्राथमिकी घोषणा शिक्षा वर्ष 1986-87 तक अवश्य कर दें और इस प्रयोजन के लिए उठाए गए कदमों के बारे में अपनी रिपोर्ट भारतीय विधिक परिषद् को 1 जून, 1985 से एक वर्ष के भीतर भेज दें।

24 (1) जिन विद्यार्थियों ने स्नातक पाठ्यक्रम (बी० ए०, बी० एस्० सी०, बी० काम० आदि के प्रथम वर्ष में 1983-84 में या उसके पूर्व प्रवेश लिया है वह पुराने नियमों के अधीन विधिक शिक्षा जारी रखने के लिए पात्र होंगे। पुराने नियमों के अधीन एल० एम० बी० (विधि स्नातक) पाठ्यक्रम में ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षा वर्ष 1986-87 के आरम्भ होने तक प्रवेश मिल सकता है।

(2) किन्तु वृत्तिक विधिक शिक्षा देने वाली ऐसे संस्थाओं में शिक्षा वर्ष 1987-88 से पश्चात् पुराने नियमों के अधीन एल० एम० बी०, पाठ्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः समाप्त हो जाएगा।

परन्तु ऐसे विश्वविद्यालय 1987-88 के पूर्व पुराने पाठ्यक्रम में प्रविष्टि किए गए विद्यार्थियों की निकासी के लिए एल० एम० बी० पाठ्यक्रम के पहले दूसरे और तीसरे वर्ष की परीक्षाएं ऐसे समय तक संचालित कर सकेंगे जब तक विश्वविद्यालय उचित समझे।

25 (1) यदि ऐसे राज्यों में जहां 10+2 शालेय शिक्षा प्रचलित नहीं है, अवस्थित विश्वविद्यालय नए नियमों के अधीन एल० एम० बी० पाठ्यक्रम आरम्भ करना चाहते हैं तो वे ऐसा कर सकते हैं।

(2) ऐसे राज्यों के विश्वविद्यालय पुराने नियमों के अधीन विद्यमान एल० एम० बी० पाठ्यक्रम भी शिक्षा वर्ष 1986-87 तक जिसमें वह वर्ष भी सम्मिलित है, जारी रख सकेंगे।

26 भारतीय विधि परिषद् विधिक शिक्षा के स्तर को बनाए रखने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी कर सकेगी। महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों से आया की जाती है कि वे उनका अनिवार्य रूप से पालन करेंगे।

टिप्पण :

उपयुक्त नियम, केवल वृत्तिक विधिक शिक्षा के संदर्भ में है, जिसके लिए भारतीय विधि परिषद की अधिष्ठाता अधिनियम के अधीन कानूनी जिम्मेदारी है। परिषद को आशा है कि देश के विश्वविद्यालय और महाविद्यालय विधि में उदारवादी शिक्षा देते रहेंगे और विभिन्न व्यवसाय वाले व्यक्तियों और जनता के फायदे के लिए पक्षाक्षर कार्यक्रम, यदि आवश्यक हुआ तो, का विकास करके जन जन में उसका प्रसार करते रहेंगे जिससे एक तरह तो उनके व्यावसायिक लक्ष्यों में संबद्ध हो और दूसरी ओर वे विधि के शासन और संवैधानिक सरकार की सहायता कर सकेंगे। इसका अर्थ यह होगा कि देश में न केवल प्रातःकाल या सायंकाल में सुविधाजनक घंटों में कार्यरत विद्यमान उदारवादी विधि शिक्षा केन्द्रों की बल्कि हमारे विभाजित देश के दूरस्थ स्थानों में ऐसी अनेक संस्थाओं की आवश्यकता होगी। अभी बनाए गए नियमों को वृत्तिक शिक्षा की ओर निर्देशित किया जाता है और वे अन्य महाविद्यालयों को लागू नहीं होते हैं जो देश की विश्वविद्यालय प्रणाली के ढाँचे के अन्तर काम कर सकते हैं।

अनुसूची I

(नियम 26 के अधीन जारी किए गए निदेश)

1 विधि पाठ्यक्रम के भाग I में मुख्य कार्यक्रम की शिक्षा, संबंधित विश्वविद्यालय महाविद्यालय विभागों से सम्बद्ध विधियों में शिक्षकों की सहायता से की जा सकती है।

2. किसी भी विधि महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के विधि विभाग की किसी भी कक्षा (एल एल० बी० I, II, III, IV, या V) में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या 320 से अधिक नहीं होगी और प्रत्येक ऐसी कक्षा के प्रत्येक वर्ग में छात्रों की अधिकतम संख्या 80 से अधिक नहीं होगी। दूसरे शब्दों में किसी भी विधि महाविद्यालय या विश्वविद्यालय विधि विभाग के पहले दूसरे तीसरे, चौथे और पाँचवें वर्ष में कुल मिलाकर 1600 से अधिक विद्यार्थी नामांकित नहीं होंगे।

3. विधि महाविद्यालय और विश्वविद्यालय विधि विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि :

- (क) पुस्तकालय में विहित और सिफारिश की गई पुस्तकों की कई प्रतियाँ उपलब्ध हों;
- (ख) वाचनालय में कम से कम 15 प्रतिगत विद्यार्थियों को एक ही समय में बैठने की व्यवस्था है;
- (ग) शिक्षक और विद्यार्थी का अनुपात 1 : 40 है।

4. भवन :

(1) (क) महाविद्यालय का भवन, महाविद्यालय के काम के घंटों के दौरान अग्रभू उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा।

(ख) कक्षाओं, छात्रावासों, यदि कोई हों, तो, के लिए उपलब्ध किए गए स्थान और प्राचार्य तथा छात्रावास यदि कोई हों, तो, के लिए प्रभारी शिक्षक के निवास स्थान अलग-अलग होंगे।

(2) महाविद्यालय भवनों में निम्नलिखित होंगे :

- (क) कक्षाएँ;
- (ख) छात्रों के लिए कामन रूम;
- (ग) छात्रावासों के लिए कामन रूम;
- (घ) पुस्तकालय का हाल, पुस्तकें रखने की सेलों और पढ़ने की मेजों सहित;
- (ङ) प्राचार्य और उसके कार्यालय कर्मचारियों के लिए कार्यालय;
- (च) शिक्षकों के लिए कामन रूम।

3. (क) सभी भवन पूर्णतः प्रकाशयुक्त और हवादार होंगे और उनमें पर्याप्त सफाई व्यवस्था और जल प्रदाय होगा।

(ख) सभी भवन सम्यक्तः सज्जित होंगे।

4. (क) यदि महाविद्यालय का अपना भवन नहीं है और किसी किराए के भवन में अस्थायी रूप से महाविद्यालय चलाने का विचार है तो महाविद्यालय के प्राधिकारी भवन निधि का सृजन करेंगे जिसे प्रयोग रखा जायेगा तथा वह किसी अनुसूचित बैंक या किसी जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक में जमा की जाएगी।

(ख) महाविद्यालय के नाम पर इस प्रकार किया गया निक्षेप तब के सिवाय नहीं निकाला जाएगा जब उसकी भवन के निर्मित हो चुके भाग की लागत की पूर्ति के लिए आवश्यकता हो।

(ग) भवन निर्माण उस तारीख से 5 वर्ष की अवधि के भीतर पूरा कर लिया जाएगा जिसको संबंधता का अनुमोदन संबंध विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को सूचित किया गया है।

5. पुस्तकालय :

(क) पुस्तकालय में महाविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले शिक्षा पाठ्यक्रम की अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त मात्रा में विधि रिपोर्ट पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाएँ और संदर्भ पुस्तकें होंगी।

(ख) पुस्तकालय किसी ग्रहित और प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्ष के भारसाधन में होगा।

(ग) पुस्तकालय पर न्यूनतम आरम्भिक और चालू वार्षिक खर्च निम्नलिखित होगा :

आरम्भ में	50,000.00 रु०
प्रथम वर्ष	15,000.00 रु०
द्वितीय वर्ष	15,000.00 रु०
तृतीय वर्ष	15,000.00 रु०
पश्चात्तुर्तम वर्ष	10,000.00 रु०

6. भवन, विधि, जैसा कि निवेश 4(4) में उपबंधित है, कम से कम 5 लाख रु० के लिए निम्नलिखित किस्तों में सृजित की जाएगी :—

आरम्भ में	1,00,000 रु०
प्रथम वर्ष	1,00,000 रु०
द्वितीय वर्ष	1,00,000 रु०
तृतीय वर्ष	1,00,000 रु०
चतुर्थ वर्ष	1,00,000 रु०

7. कक्षाओं, छात्रावास, यदि कोई हों, के लिए और प्राचार्य तथा छात्रावास, यदि कोई हों, के प्रभारी शिक्षक के लिए स्थान की व्यवस्था अलग से होगी।

8. प्राचार्य के लिए क्वार्टर :

छात्रावास, यदि कोई है, के प्रभारी शिक्षक के लिए क्वार्टर छात्रावास के निकट होंगे।

अन्य स्थायी शिक्षकों के लिए क्वार्टर, जब कभी विश्वविद्यालय द्वारा अपेक्षा की जाए।

9. खेल के मैदान के लिए भी व्यवस्था की जाएगी और खेलों तथा खेल-कूद के लिए महाविद्यालय के भवनों के समीप ही पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

10. प्रत्येक विश्वविद्यालय विधिक शिक्षा देने के लिए मामला पद्धति, शिक्षकीय पद्धति और अन्य आधुनिक तकनीकियों से व्याख्यान पद्धति की पूर्ति करने का प्रयास करेगा।

नई दिल्ली,

4 सितम्बर, 1986

रमाम मोहन श्रीवास्तव

सचिव
भारतीय विधि परिषद्

लेखा विवरण 1984-85
असीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, श्रीनगर
सामान्य खाते एवं सुलत पत्र 1984-85

माय एवं अय खाता 1984-85

व्यय	वास्तविक आंकड़े	माय	वास्तविक आंकड़े
रु०	रु०	रु०	रु०
1. प्रशासन— वेतन अन्य प्रभार सामान्य सेवाएं तथा विविध प्रभार]	[1,07,85,590 15,85,049 1,06,76,213	(अ) अनुदान 1. धर्मादा एवं अनुदान (म) नियोजन से माय (न) अनुदान— विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राज्य प्रशासन	रु० 8,71,302
2. शैक्षिक विभाग— (अ) संकाय— वेतन अन्य प्रभार (ब) महा विद्यालय— वेतन अन्य प्रभार (स) सामान्य शिक्षा केन्द्र— वेतन अन्य प्रभार	43,70,4867 66,47,526 49,43,872 9,73,715	2,30,46,852 5,03,52,393 59,17,587	14,78,10,000 50,000 14,78,60,000
3. परीक्षाएं— वेतन अन्य प्रभार	4,25,994 39,658	4,65,652	13,86,984 5,69,197 19,56,181
4. एम० ए० पुस्तकालय वेतन अन्य प्रभार	11,14,127 36,23,968	47,38,095	4,29,409 5,23,404 9,52,813
5. छात्रों को सुविधाएं— वेतन अन्य प्रभार	21,35,502 35,76,152	57,11,654	4,85,457 2,12,732 6,98,189
6. अधिष्ठातावृत्तियां एवं छात्रवृत्तियां 7. छात्रावास— वेतन अन्य प्रभार	11,47,213 5,87,906	17,35,119 11,73,466	28,401 1,348 39,926 41,274
8. अधिकृत वृत्तियां एवं छात्रवृत्तियां वेतन अन्य प्रभार	1,09,51,749 7,72,964	1,17,24,713	49,20,392 15,42,974

धाय एवं व्यवसाय—1934-35

व्यय	मास्तविक प्राप्ति	धाय	मास्तविक प्राप्ति
8. प्रकाशन— वेतन अन्य प्रभार	रु० 1,95,036 33,442	अनुदान खाता— 9. विद्यालय— छात्रों से प्राप्त शुल्क छात्रावास प्रकीर्ण	रु० 1,48,837 11,493 95,467
9. अन्य विभाग— वेतन अन्य प्रभार	रु० 66,46,747 67,81,395		2,56,797
10. सहायक सेवार्य— वेतन अन्य प्रभार	रु० 15,94,639 53,51,625	योग—मुख्य विभाग	15,91,28,323
11. प्रकीर्ण— अवकाश वेतन अन्य प्रभार	रु० 41,35,490 65,22,941		
12. विद्यालय— वेतन अन्य प्रभार	रु० 53,63,166 4,24,623	10. मायुर्विज्ञान महाविद्यालय चिकित्सालय— प्रकीर्ण प्राप्ति	2,61,861
13. सचिव्य निधि एवं निवृत्ति वेतन			
14. मायुर्विज्ञान महाविद्यालय चिकित्सालय— (i) वेतन (ii) अन्य प्रभार	रु० 74,73,491 21,77,053		
बोनस	रु० 96,50,544		
व्यय से धाय की अधिकता	रु० 15,61,44,114		
महाबोनस—मुख्य व्यवसाय अनुदान खाता	रु० 3,24,6070		
महाबोनस—मुख्य व्यवसाय अनुदान खाता	रु० 15,93,90,184	महाबोनस—मुख्य व्यवसाय अनुदान खाता	15,93,90,184
रु० (सं०) अलग व्यवसाय (नकदी) सहायक विभाग अधिकारी	रु० (सं०) अलग व्यवसाय (नकदी) उप विभाग अधिकारी अधिकार युक्त विभाग अधिकारी, सचिव	रु० (सं०) अलग व्यवसाय (नकदी) विभाग अधिकारी अधिकार युक्त विभाग अधिकारी, सचिव	

ह०	ह०	ह०
उच्च शिक्षा एवं शोध विकास—	(ब) विकास	अनुदान खाता
(i) पंचम संयोजित योजनाएं— शैक्षिक विभाग वैतन एवं भत्ते अन्य प्रभार	36,26,091 21,48,718	7,97,604 29,63,501 (--) 4,09,888
(ii) विशेष विकास पंचम एवं छठी योजनाएँ— वैतन एवं भत्ते अन्य प्रभार छात्रवृत्ति एवं अधिछात्रवृत्तियाँ	97,283 6,13,981	6,76,286 36,63,382
(iii) सतत: तृतीय योजनागत विकास योजनाएँ— वैतन एवं भत्ते अन्य प्रभार	1,56,365 43,255	
(iv) प्रकीर्ण योजनाएँ— शिक्षकों को वित्तीय सहायता विवार गोष्ठी परिसंवाद तथा सम्मेलन शिक्षकों को यात्रा अनुदान अनिश्चित अनुदान अन्य योजनाएं	12,335 99,364 61,095 1,67,540 6,64,858	
योग—विकास अनुदान खाता	10,05,192 76,90,885	योग—विकास अनुदान खाता 76,90,885
ह० (सौहृदय्य अनुदान) सहायक वित्त अधिकारी खाता 1984-85		ह० (एस० डी० क० अनुदान) उप-वित्त अधिकारी अन्वीकृत मुस्लिम विश्वविद्यालय, मस्जिद

विवरण	वर्ष 1985	वर्ष 1986	वर्ष 1987
सामान्य बाता—			
स्वास्थ्य सहायता निधि—			
अलीपुर मस्जिद विश्वविद्यालय अभियान 1920 के			
निधि 40 को धारा 7 के अन्तर्गत लगाए गए का पूंजीगत मूल्य			
स्वास्थ्य सहायता निधि—			
हस्तांतरित अवशेषों तथा दान का पूंजीगत मूल्य			
विशेष बचत सहायता निधि—			
दान प्राप्ति का पूंजीगत मूल्य			
बचत सहायता निधि—			
दान प्राप्ति का पूंजीगत मूल्य एवं अनुदान			
न्याय निधि—			
दान का पूंजीगत मूल्य			
निधि को अविनियोजित भाग का अवशेष			
प्रकीर्ण व्यय—			
अवमूल्यन निधि			
सर्वन निधि			
अध्यात्मिक महाविद्यालय निधि			
महिला महाविद्यालय निधि			
प्रकीर्ण आरक्षण एवं प्राकलन शेष—			
उत्त कर्मचारियों का विद्युत् निवृत्त वेतन का विकल्प किया है			
उनकी भविष्य निधि की राशि पर विश्वविद्यालय भवन			
राष्ट्रीय सेवा योजना			
छात्र सेवा निधि			
अन्तर्निधि अभिन्न			
कर्मचारियों के वेतनमान के पूर्तीकरण हेतु अनुदान			
अतिवार्य बचत योजना			
अतिवार्य सामूहिक बचत योजना			
इतिहास की पुस्तकों के प्रकाशन हेतु अनुदान निधि			
निलम्बित प्राप्तियां			
अनुदान अनुदान बाता—			
आय की व्यय से अधिकता 1984-85 तक			

विकास अनुदान खाता--

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग हेतु वित्त अनुदान--

बचत	10,80,18,118
पुस्तकें	1,28,94,777
उपकरण	7,84,43,796
उपस्कर	50,63,288
भारतीय दैर्घ्यिक अनुदान परिसर	7,87,222
आई० सी० सी० एल० आर० इत्यादि	7,86,437
इस्मूल भवित्तियों में स्नातकोत्तर शैक्षणिक हेतु	
भारत सरकार का अनुदान	2,30,818

उत्तर प्रदेश सरकार--

विश्वविद्यालय में उपकरण खरीद हेतु अनुदान	4,467
सोवियत केन्द्र यूनिट	33,528
निलम्बित प्राप्ति (विवरण नं० 4 के अनुसार)	6,55,378
निलम्बित बाते	1,93,469
अंतर निधि अभिषम	

निष्प्रेष खाते--

सरकार तथा अन्य एजेंसियों द्वारा अनुदान का पुंजीकृत मूल्य--

फोर्ट काउन्टेशन्	21,94,321
कुर्बान सरकार	1,00,000
इराक के गणतंत्र द्वारा अनुदान	1,13,000
बाह्र मजदूर अनुदान	2,57,018

लीबिया सरकार--

यूनिवर्सल स्कूल के निर्माण हेतु अनुदान	20,000
100 कमरों के निर्माण हेतु अनुदान	6,19,798
हाथी सऊद अरबदुल अजीब अल बाबौन (स्कूल के निर्माण हेतु अनुदान)	10,37,624

लेब सावेल् कमाल और लेब हरीन

अली अल हरीबी

श० हसन कमाब

श्री सलाहउद्दीन परवेज

कोटों के सदस्य

मुस्ताज बारदोला वक्फ

नीमामा छात्रवृत्ति

एन आई एच मलेरिया योजना द्वारा एआई विश्वविद्यालय के

सहयोग से

जम्मु काश्मीर शासन द्वारा अनुदान

निष्प्रेष खाता--

खाता हेतु अनुदान	21,867
प्रकीर्ण विरुद्ध प्रवेश	1,22,815
अनु तथा अभिषम (भारत सरकार के अनुसार)	19,55,471

भविष्य निधि खाता--

गृह निर्माण हेतु अभिषम

आनुविज्ञान महाविद्यालय निधि--

भारत निधि अभिषम	1,93,563
आनुविज्ञान अध्ययन हेतु अभिषम	7,040

स्वर्ण जयन्ती निधि--

आय से व्यय की प्रतिकृता

अन्तिम रिकॉर्ड अभिषम--

सामान्य खाता

ए० एम० यू० विकास अनुदान खाता--

स्टेट बैंक आफ इंडिया (अलीगढ़)

ए० एम० यू० निष्प्रेष खाता--

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

सिंडिकेट बैंक

मु० यू० शाखा (अलीगढ़)

इ० एम० भविष्य निधि खाता--

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

ए० एम० यू० शाखा (अलीगढ़)

बंकर

इलाहाबाद बैंक (ए० एम० यू०, अलीगढ़)

62,82,320

9,24,203

[illegible]

एम० एम० यू०, रिपोर्टिंग विधि हेतु प्राप्त गृह विभाग अधिसूचना-- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्राप्ति करणियों का पूँजीकृत मूल्य आम से व्यय की प्रतिकृति	36,04,388 4,87,324 -----	मेडल वैड पेडोसियम इन्स्टीट्यूट-- सिरीस वैड बाबा, मकीगढ़ अमरवर्त बाबा इलाहाबाद बैंक-- प्रतिम रिकवरी प्रमाण	10,522 11,09,624 -----
आवृत्ति बाता-- सर्वों का पूँजीकृत मूल्य	9,43,761 1,65,863 -----	महाबोस महाबोस	52,11,54,108 -----
ह० (सं० प्रत्यक्ष प्रभाव वकील) प्रत्यक्ष वित्त प्रधिकारी	ह० (एम० प्रतीक प्रहस) उप-वित्त प्रधिकारी मकीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मकीगढ़	ह० (एम० एम० बोली) वित्त प्रधिकारी मकीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मकीगढ़	

लेखा परीक्षा प्रमाण-पत्र

अति 31 मार्च 85 को समाप्त होने वाले वर्ष के प्रतीक मुस्लिम विश्वविद्यालय, मकीगढ़ के लेखाओं और प्रमुख सब की जांच कर दी है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना और सटीकता प्राप्त कर लिये हैं और प्रमुख लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई कमिफिकेटों के अन्तर्गत अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूँ कि मेरी राय में और मेरी सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिए गए सटीकताओं और संयोजन की बहिनों के लिए और उल्लेख के अनुसार, मैंने और मुझ पर उपस्थित कर से संवार किए गए हैं और मकीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, मकीगढ़ के कार्रवाई का सभी और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

स्थान : ह०/ (विष्णु कुमार वर्मा)
इलाहाबाद महालेखाकार (लेखा परीक्षा)--प्रमुख
दिनांक : 21 जनवरी 1986
मकीगढ़
इलाहाबाद

वित्त वर्ष '87'—द्वितीय वर्ष का आकलन
प्रकीर्ण निधि तथा निधिगतियों का वित्त वर्ष 31 मार्च 1986

बातों का वर्णन	विवरण	वर्ष	पुस्तकें	उपकरण तथा बाह्य	उपकरण	सूक्ष्म तथा यंत्र	अन्तरनिहित अर्थित प्रकीर्ण अर्थित अर्थित	रोकड़ अर्थ	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
I. इ० एम० इ० आगत्य बाता--										
स्वायत्त निधि	30,00,000	--	--	--	--	--	--	--	--	30,00,000
स्वायत्त निधि	18,86,122	1,12,878	--	--	--	--	--	--	--	30,00,000
विशेष व. आरक्षित निधि	30,531	10,08,296	--	--	--	--	--	--	21,53,136	41,53,136
वत आरक्षित निधि	15,424	3,61,180	--	--	--	--	--	--	5,225	10,39,052
न्याय निधि	7,59,912	1,50,802	--	--	--	--	--	--	--	8,76,554
अभ्युत्थन निधि	1,40,102	--	--	--	--	--	--	--	--	3,76,554
प्रवत निधि	--	1,28,245,534	--	--	--	--	--	--	58,014	9,68,728
अभियुक्ति मन्त्रिवालय निधि	--	9,42,845	--	--	--	--	--	--	4,28,207	5,68,309
महिला मन्त्रिवालय निधि	--	23,560	--	--	--	--	--	--	--	1,23,25,594
बालू ध्वज निधि	81,69,942	--	--	--	--	--	--	79,907	42,88,816	2,22,48,794
अनुरक्षण अनुदान बाता	97,10,129	--	--	--	--	--	--	--	--	9,42,845
योग--आगत्य निधि	2,37,12,162	1,49,22,045	--	--	--	--	--	79,907	69,33,398	4,56,47,512
II. इ० वि० विकास अनुदान,										
बाता	--	10,32,32,966	1,26,49,346	7,42,28,709	49,97,709	--	14,47,888	92,80,826	13,14,469	20,70,53,039
III. इ० वि० विशेष बाता--										
कोई फायदेन बाता	--	20,19,168	39,956	1,14,113	21,005	--	--	--	79	21,94,321
विधिया अनुदान द्वारा स्कूल निर्माण	--	3,21,922	--	--	--	--	--	--	2,97,876	6,19,798
स्कूल निर्माण	--	--	--	--	--	--	--	--	20,000	20,000
बम्बू कमीर सरकार का अनुदान	--	--	--	--	--	--	--	--	--	6,96,820
अनुरक्षण अनुदान	--	6,86,880	--	--	1,385	--	--	--	20,976	1,00,000
अनुरक्षण स्कूल	--	72,475	--	10,000	--	--	--	--	2,26,352	10,37,624
बाहू सऊर द्वारा अनुदान	--	8,11,272	--	5,214	--	--	--	--	3,948	2,57,018
वपसल अनुदान द्वारा अनुदान	2,53,976	--	--	--	--	--	--	--	2,670	1,13,000
अनुरक्षण निधि	--	10,57,633	1,10,380	--	--	--	--	--	--	--
विशेष व. बाता (अनुरक्षण निधि)	1,50,000	--	--	--	--	--	--	--	7,23,615	37,86,668

मुम्ताज गार्डोला बरफ	25,000	--	--	--	--	--	4,971	1,54,971
बैब सावेइरमाल डूरेन	--	--	--	--	--	--	--	3,991
बनी भल हरीषी	8,08,395	--	--	--	--	--	3,991	25,000
बा० हुमान हुमान	--	--	--	--	--	19,469	1,89,576	10,17,440
श्री सलाहजरीन परखेव	1,03,388	--	--	--	--	--	--	1,03,388
एस० एस० हाल केन्टीन	55,444	--	--	--	--	--	--	55,444
बी० भूमा छल बलि	8,330	--	--	--	--	--	--	8,830
प्रकीर्ण प्रलेख	2,00,386	94,382	--	--	19,55,471	1,24,713	7,67,235	31,42,187
योग	39,09,933	50,63,672	1,50,286	1,29,327	22,340	19,55,471	22,61,289	1,33,36,500
iv. मु० वि० आयुर्विज्ञान निधि	--	59,12,830	--	--	--	1,93,563	13,391	61,26,824
v. डा० वली मोहम्मद बरफ	2,20,987	--	--	--	--	--	--	71,118
vi. भारतीय स्टेट बैंक (चेयर इन अर्थशास्त्र विभाग)	5,40,000	--	--	--	--	--	85,253	6,25,253
vii. ब्रेव जद इन्स्टीट्यूट आफ़ पेद्रोलियम टेक्नोलॉजी	22,40,599	6,74,623	--	--	--	--	10,532	29,25,754
viii. स्वर्ण जयन्ती निधि	35,793	84,461	--	--	--	--	10,532	29,25,754
ix. ब्रविष्य निधि	3,02,88,977	--	--	--	--	--	4,347	1,28,492
x. बीबी फालिम सन्धान	--	52,089	--	--	83,22,576	9,24,208	32,972	3,95,35,756
xi. मु० वि० विकास हेतु अनुदान	1,62,206	--	--	--	--	--	541	85,061
xii. ए० एम० यू० रिवोल्यूशन निधि	11,21,305	--	--	--	--	--	--	32
xiii. (गृह निर्माण हेतु भवित्ति)	--	--	--	--	--	--	--	2,16,422
योग	6,19,962	12,99,43,632	1,27,99,632	7,43,58,036	49,20,049	19,55,471	1,57,65,399	32,11,54,108

ड० म्हायत वित्त अधिकारी
बर्लीन स्थित निम्नलिखित बरफ

तुलन पत्र का आलेखक 'व'
प्रकीर्ण निधियों और विनियोजनों का विवरण
31 मार्च 1985

खातों का शीर्षक	घन	घन	घन	घन	घन
	₹०	₹०	₹०	₹०	₹०
दायित्व—					
स्वायी सन्धान निधि		30,00,000	पुस्तकें		15,877
स्वायी आरक्षित निधि—			तिब्बिया कालिख में 50 शय्याओं हेतु बाड़ें निर्माण—		
एच० ई० एच० निजाम द्वारा दान	10,05,831		देवाधाना तिब्बिया महाविद्यालय		50,000
बेलस के प्रिन्स का विज्ञान विद्यालय हेतु अनुदान खाता	2,78,578		उत्तर प्रदेश सरकार		50,000
सर सैय्यद अहमद खां स्मारक निधि	1,39,027		श्रीलंका—		
एम० ए० ओ० महाविद्यालय की पूंजी	55,333		कलादीर्घा हेतु नियोजित परियोजना		1,37,753
हस्तांतरित—			नसीरउद्दीन खां निवासी शाहजहाँपुर द्वारा वक्फ किए गए		2,400
चल आरक्षित निधि	4,51,147		घर की लागत		1,600
चालू व्यय खाता	870,084		आचिनलेक स्मारक निधि		99,754
अनुरक्षण अनुदान खाता	21,53,136		पॉलिटेक्निक खाता		1,50,415
		41,53,136	प्रकीर्ण प्राप्तियां		50,451
					10,39,052
वैशेष चल आरक्षित निधि—			चल आरक्षित निधि—		
भूतपूर्व शाही देसीय राज्यों से अनुदान			पूँजी निधि		3,51,754
(i) विज्ञान महाविद्यालय		2,48,479	निम्न हेतु दान—		
(ii) विमान चालन क्लब		50,000	सू०वि० इतिहास संकलन		300
शाहजहाँपुर राज्य अनुदान—			अमर खुरो निधि		434
मानान्य भवन हेतु		65,000	कानूनी मसूदी निधि		3,436
महमूदाबाद राज्य द्वारा मानान्य भवनों		38,000	मानान्य प्रयोजन		7,000
		4,01,479	भूमि प्रतिकर		13,600
			न्यास निधि—		
सन्धान निधि—			प्रथक विवरण खाता (आ.नं. 4 का खाता)		3,76,554
शाहजहाँपुर वक्फ	1,500		आयुर्विज्ञान निधि—		9,68,728
फरलेहक वक्फ	4,500		अनुदान—		
बदायूँ वक्फ	550		राज्यों से		16,05,000
			व्यक्तियों से		22,99,649
			महमूदिया सऊदी अरब संग्राह		10,00,000
			बम्बई के हसी मिल्ती		39,680
			इंग्लैंड की ई० जी० एवरेस्ट		13,723
			आय एवं व्यय लेखा		11,68,772
					61,26,284
निष्पन्न सम्पत्ति कय हेतु					
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान पूँजीकृत अनुदान					
अफिमर मुहंमदीन द्वारा कलादीर्घा		1,89,000			
मानान्य भवन		21,376			
		500			

अवली मोहम्मद वक्फ अलल ओलाद पूंजीकृत मूल्य	3,02,105	भविय निधि खाता	30,28,977
स्वर्ण जयन्ती निधि		परमानन्द इस्लामिक सो लडेरीटी निधि	1,62,206
निम्न हेतु—		भारतीय स्टेट बैंक का सन्धान अर्थशास्त्र में चेयर की स्थापना हेतु	
सर सैयद हाउस पुनर्निर्माण	59,117	ए० एम० यू० रिवोलुविंग निधि	5,40,000
सर सैयद एकादमी का संस्थापन	62	बी० अम्मा छावृत्ति	11,21,305
जयन्ती छ त्र वृत्तियां	18,934	एस० एस० हाल कैप्टीन	8,830
विद्यालयों का संस्थापन	50,379	श्री हसन कमाज दान	55,444
		सलाउद्दीन परवेज दान	8,08,395
		श्रीब जैद इन्स्टीट्यूट आफ पेट्रोलियम	1,03,388
		योग—विनियोग	22,40,599
पूँजीकृत मूल्य—	1,28,492		6,19,31,962
(i) श्रीब जैद द्वारा पेट्रोलियम एण्ड टैक्नोलोजी इन्स्टीट्यूट की स्थापना हेतु अनुदान	29,25,754		
(ii) स्वायी इस्लामिक सोल्लिरेटी निधि	2,16,422	सामान्य खाता—	
ए० एम० यू० प्रायण विकास हेतु अनुदान	85,061	स्वायी आरक्षित निधि	1,13,878
(iii) बीबी फातिमा सन्धान (सेफुल्लवक्फ बोर्ड द्वारा प्राप्त)	6,25,253	विशेष चल आरक्षित निधि	10,03,296
(iv) भारतीय स्टेट बैंक द्वारा अर्थशास्त्र विभाग में चेयर की स्थापना		चल आरक्षित निधि	3,61,130
(v) ए० एम० यू० रिवोलुविंग निधि		न्यास निधि	1,50,802
		भवन निधि	1,26,25,534
		बर्धियविक महाविद्यालय निधि	9,43,845
		महिला महाविद्यालय	23,560
			1,49,22,045
			10,32,33,966
II परिसंपत्त		विकास अनुदान खाता—	
(क) विनियोग—		निकोप खाता—	
राज्य प्रतिभूतियां	30,00,000	कोई फाउण्डेशन अनुदान	20,19,168
स्वायी सन्धान	17,45,321	जम्मू कश्मीर शासन अनुदान	6,86,820
स्वायी आरक्षित निधि	30,531	कुवेत सरकार अनुदान	72,475
विशेष चल आरक्षित निधि	81,216	कुवेत स्कूल	8,11,272
न्यास निधि	2,000	सामान्य प्रकीर्ण	94,382
निकोप खाता	2,00,386	लीबिया इतावास	3,21,922
		अनुदान मोलाना मोहम्मद अली जोहर हाल	10,57,633
		आधुनिक महाविद्यालय	50,63,672
		स्वर्ण जयन्ती निधि	59,12,830
		श्रीब जैद पेट्रोलियम आफ इन्स्टीट्यूट	84,461
		बीबी फातिमा सन्धान	9,74,623
			52,089
		महा योग भवन	12,99,43,686
(ख) सावधि निक्षेप खाता			
स्वायी रक्षित निधि—	1,40,801		
स्वायी रक्षित निधि	15,424		
विशेष चल आरक्षित निधि	6,78,696		
न्यास निधि	97,10,129		
चल व्यय खाता	1,38,102		
अवमूल्यन निधि	81,69,942		
अनुदान अनुदान निक्षेप खाता	2,53,070		
ग्राह सऊद अनुदान	20,05,420		
उपकुलपति खाता	1,50,000		
सिटीकेट बैंक	2,20,987		
डा० वली मोहम्मद वक्फ अलल ओलाद	25,000		
मुसताज यारउदोला वक्फ	35,793		
स्वर्ण जयन्ती निधि			

खातों का शीर्षक	रु०	रु०	खातों का शीर्षक	घन	घन
पुस्तकें—					
विकास भूदान खाता		रु०	फोर्ड फाउण्डेशन अनुदान	.	21,005
मु० वि० निक्षेप अनुदान खाता	.	1,26,49,346	कुवैत सरकार द्वारा अनुदान	.	1,335
फोर्ड फाउण्डेशन अनुदान	.	39,956	योग	.	49,20,049
ईरान राज्य के शात द्वारा अनुदान	.	1,10,330			
योग	.	1,27,99,632	उपस्कर—		
	.		विकास अनुदान खाता (गाड़ियों सहित)	.	7,42,28,709
	.		मु० वि० निक्षेप खाता—	.	
	.		फोर्ड फाउण्डेशन अनुदान	.	1,14,113
	.		कुवैत सरकार द्वारा अनुदान	.	5,214
	.		जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा अनुदान	.	10,000
	.		योग	.	7,43,58,036
उपस्कर—		48,97,709			
विकास अनुदान खाता	.				
मु० वि० निक्षेप खाता	.				

(ह० सं० फजल अब्बास नकवी)
सहायक वित्त अधिकारी
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़

बैंक समाधान विवरण 31 मार्च 1985

सामान्य खाता	विकास अनुदान खाता	ए० एम० यू० जमा निधि	ए० एम० यू० भविष्य निधि	आयुर्विज्ञान महा-विद्यालय खाता	
	रु०	रु०	रु०	रु०	
खातों के अनुसार अवशेष	+ 69,33,398	+ 13,14,649	+ 22,56,318	+ 1,80,968	+ 13,391
कटौती—					
पारगमन में प्रेषित धन	—2,26,430	—53,47,831	—9,23,401	—7,00,145	+
बैंक द्वारा अनुद्धि अवर्गीकृत विकसन	—2,62,104	—24,588	—2,38,081	—30,760	+
योग—	+ 64,44,864	—40,57,770	+ 10,94,836	—5,49,937	+ 13,391
जमा—					
बिना भुगतानों के धनादेश	+ 1,50,24,451	+ 83,14,052	+ 5,56,830	+ 5,22,493	—
बैंक द्वारा अनुद्धि अवर्गीकृत आकसन	+ 31,301	+ 1,948	+ 77,304	+ 30,795	—
बैंक विवरण के अनुसार अवशेष	+ 2,15,00,616	+ 42,58,230	+ 17,28,970	+ 3,351	+ 31,391

रु० (एस० फंडल अम्मास तकसी)
सहायक वित्त अधिकारी
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के लेखाओं (वर्ष 1984-85) पर
महालेखाकार उत्तर प्रदेश की लेखा परीक्षा रिपोर्ट
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पर वर्ष 1984-85 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट :

1. प्रस्तावना—

विश्वविद्यालय मुख्यतः वर्ष 1984-85 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू० जी० सी०) द्वारा वित्त पोषित था।

इसको विशिष्ट योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू० जी० सी०) से भी कुल 349.63 लाख रुपये प्राप्त हुए। उत्तर प्रदेश सरकार से भी 0.50 लाख रुपये का एक अनुदान प्राप्त हुआ था। स्थायी सन्धान एवं निवेश भवन तथा भूमि व शैक्षिक एवं छात्रावास प्राप्ति तथा विविध प्राप्ति से राजस्व प्राप्ति का कुल योग 115.29 लाख रहा। वर्ष 1984-85 में प्राप्ति एवं व्यय का विस्तृत विवरण वर्ष 1983-84 के हदन्तर्गत आंकड़ों के साथ नीचे प्रस्तुत है।

	1983-84 (लाख रुपये में)	1984-85 (लाख रुपये में)
प्राप्तियां—		
प्राप्त अनुदान—		
(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	1301.00	1478.10
(ii) राज्य सरकार	2.62	0.50
	1303.62	1478.60
2. विविध विशिष्ट योजनाओं के लिये भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान—		
(i) छावर्ती	45.48	40.28
(ii) अनावर्ती	187.87	309.35
	233.35	349.63

	1983-84 (लाख रुपये में)	1984-85 (लाख रुपये में)
3. निम्न से प्राप्त		
(i) सन्धान एवं निवेश	2.70	8.71
(ii) भवन एवं भूमि	7.39	6.98
4. शैक्षणिक प्राप्तियां	26.68	27.36
5. छात्रावास प्राप्तियां	9.21	4.29
6. मेडिकल कॉलेज की प्राप्तियां	1.83	2.62
7. विविध प्राप्तियां	48.80	65.33
	96.61	115.29
8. प्राप्तियों के ऊपर व्यय की अधिकता—		
(i) पूंजी	8.15	24.15
(ii) विकास	10.17	36.63
(iii) रख-रखाव	—	—
	18.32	60.78
योग—	1651.90	2004.30
1. व्यय:—		
पूंजी		
(i) भवन	119.58	124.56
(ii) उपकरण	63.79	185.7
(iii) पुस्तकें	10.28	22.29
(iv) उपस्कर	2.37	0.87
	196.02	338.50
2. राजस्व व्यय		
(वेतन तथा भत्ते एवं सामान्य से वार्य)	740.06	848.70
3. शैक्षिक व्यय	143.28	152.86
4. छात्रावास	93.13	117.24
5. मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय	87.87	96.50
6. शिक्षा वृत्ति एवं छात्रवृत्ति	16.64	11.73
7. विकास अनुदान	55.65	76.91
8. विविध व्यय	280.69	288.61
9. भविष्य निधि एवं पेंशन का अंशदान	38.23	45.79
	1455.55	1638.34
10. व्यय के ऊपर प्राप्तियों की अधिकता		
(i) पूंजी	—	—
(ii) विकास	—	—
(iii) रख-रखाव	0.33	32.46
	0.33	32.46
योग—	1651.90	2004.30

2—लेखा :—

(1) असमायोजित अग्रिम

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की आकस्मिक धन्य, वैयक्तिक अग्रिम आदि का वहन करने एवं आपूर्ति कर्तव्यों को आपूर्ति करने के लिए वर्ष 1961-से 1984-85 की अवधि में अग्रिम किये गये 413 मामलों कुल रुपये 390.20 लाख के अग्रिमों का समायोजन प्रदर्शित था। काल क्रम से (सितम्बर 1985) विभाजन निम्नवत था :—

अवधि (वर्षों में)	मामलों (प्रकरण की संख्या)	धन राशि (लाख रुपयों में)
10 से 23	960	24.10
4 से 9	1348	60.87
1 से 3	626	72.13
एक वर्ष तक	1196	233.10
योग	4130	390.20

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय लेखा कार्यालय/भवन विभाग में (सितम्बर 1985) 11.05 लाख रुपए के समायोजन लेखों का पता नहीं चल पाया था।

विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि अनुस्मारक भेजे गए थे तथा विभाग के संबंधित अधिकारी/अध्यक्ष के उपदान, भविष्य निधि आदि को रोक लिया गया था।

(11) वसूलियां—

(क) 31 मार्च 1985 को तुलन पत्र के वेतनारी पक्ष में जमा एवं नामे के मदों से संबंधित 7.21 लाख रुपये का शुद्ध जमा अवशेष प्रदर्शित किया गया था। जैसा कि नीचे उल्लिखित है। कतिपय बकाया मदों में प्रतिकूल इति शेष अंकित किया।

31 मार्च 1985 को इति शेष

	नामे	जमा
आयकर	0.06	—
व्यवसाय कर	—	0.38
जीवन बीमा निगम	0.50	—
भविष्य निधि	—	1.53
स्थोहार अग्रिम	0.34	—
बाढ़ अग्रिम	0.02	—
उप कुलपति निधि	0.16	—
छात्रावास शुल्क	—	6.53
देय वेतन	1.96	—
असीमक मुस्लिम विश्वविद्यालय मिल्क्यायिता तथा कल्याण समिति—	—	1.12
वेतन भोगी सहकारी समिति	0.37	—
शिक्षण कर्मचारी संघ	—	0.25
शिक्षणोत्तर कर्मचारी संघ	—	0.12
पोस्ट पाठम योजना	—	0.50
अन्य	—	0.39

विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि वर्ष 1985-86 की अवधि में अवशेषों का संबंधित लेखा शीर्षों को अन्तर्गत किया जायेगा।

(iii) वसूले गये अग्रिमों का असमायोजन।

विश्वविद्यालय के राजस्व लेखों में जमा करने के स्थान पर, 3.02 लाख रुपये जो (19.55 के कुल योग में सम्मिलित हैं) की अग्रिम वसूलियों की तुलन पत्र में 'अनुप्राप्त एवं अग्रिम' शीर्ष के अन्तर्गत दिखाया गया था।

विश्वविद्यालय (सितम्बर 1985) ऐसा करने पर सहमत हो गया।

(iv) मूल्य ह्रास निधि का अनियमित रख रखाव।

विश्वविद्यालय द्वारा मूल्य ह्रास निधि के अनियमित रख-रखाव के विषय में वर्ष 1983-84 के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया था। विश्वविद्यालय ने वर्ष 1984-85 में (क) 2.00 लाख रुपये अनुदान से अन्तर्गत किया और (ख) बिक्री आय तथा निवेशों पर व्याज के लिए 0.33 लाख रुपये निधि में जमा किया। 31 मार्च 1985 तक 5.68 लाख रुपये का अवशेष छोड़कर सरम्मत/प्रतिस्थापनों पर निधि में से 0.05 लाख मात्र व्यय किया गया।

यद्यपि विश्वविद्यालय को परिसम्पत्तियों की मरम्मत एवं प्रतिस्थापन के लिए राजस्व एवं पूर्जागत व्यय वहन करने के लिये प्रावर्ती एवं अनावर्ती अनुदान प्राप्त होता था परन्तु विश्वविद्यालय की स्थायी एवं अन्य परिसम्पत्तियों पर कोई मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाता था अतः निधि के रखने का कोई औचित्य नहीं था।

विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि चूंकि उसके पास यंत्रों आदि के प्रतिस्थापन पर व्यय को वहन करने के लिए योजना एवं योजनाएँ कोई अन्य अनुदान नहीं था अतः मूल्य ह्रास निधि के रखने की प्रथा को बालू रखा गया था।

संचित भवशेष

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय लेखा संहिता की धारा 22 में परिकल्पित है कि विश्वविद्यालय से संबंधित समस्त धन अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निधि लेखा के अन्तर्गत बैंक में रखा जाय। तथापि विश्वविद्यालय साथ ही साथ 'मुस्लिम विश्वविद्यालय निधि लेखा' के अन्तर्गत एक अन्य निधि का परिचालन कर रहा था जिसमें वर्ष 1981-82 से 1984-85 की अवधि में निम्नलिखित स्थिति प्रदर्शित थी।

वर्ष	आदिशेष	प्राप्तियाँ (लाख रुपये में)	वितरण	अन्तिमशेष
1981-82	23.44	25.00	9.00	39.44
1982-83	39.44	12.00	8.00	43.44
1983-84	43.44	—	4.01	39.02
1984-85	39.02	10.00	—	49.02

31 मार्च 1985 को इस निधि में 49.02 लाख रुपये का संचित भवशेष उपलब्ध था जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को लौटाया जाना था। यह अनुदान अनुदान लेख से बाहर रखा गया था। विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि मुस्लिम विश्वविद्यालय निधि लेखा से अग्रिम शीर्ष लेखा अण्ड की सुविधा एवं विश्वविद्यालय के कार्य कलापों की सुचारु रूप से चलाने की दृष्टि से खोला गया था और यह कि दायित्वों का वहन करने हेतु निधि का उद्देश्य अन्तरिम व्यवस्था के रूप में कार्य के लिये था। इस प्रकार का तर्क उचित नहीं था क्योंकि विश्वविद्यालय के पास ऐसे प्राकृतिक व्ययों का वहन करने के लिए केवल अनुदान अनुदान लेख में मार्च 1985 के अन्त के 32.46 लाख रुपये प्रतिरिक्त (सरप्लस) थे।

3. (क) भारत सरकार अनुदानों का उपयोग

विश्वविद्यालय पीलीटेकनिक में प्रशिक्षण एवं उत्पादन केन्द्र की स्थापना हेतु वर्ष 1977-78 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 6.50 लाख रुपये के अनुदान के विरुद्ध वर्ष 1977-78 एवं 1978-79 की अवधि में यंत्रों के क्रय एवं अन्य विविध उद्देश्यों पर 5.84 लाख रुपये व्यय किये गये थे। केन्द्र (अक्टूबर 1981) से बिना लाभ-हानि के आधार पर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया, किन्तु विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (सितम्बर 1985) को 0.66 लाख रुपये का अव्ययित भवशेष नहीं लौटाया।

विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि अव्ययित भवशेष, कार्यकारिणी परिषद से अनुमोदन प्राप्त होने पर केन्द्र के लिए यंत्रों की प्राप्ति आवश्यकताओं की पूरा करने के लिए व्यय किया जायेगा जिसके समक्ष प्रकरण 1978 से अर्पणित पड़ा हुआ था।

(ख) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार के अग्रयुक्त अनुदानों का न लौटाया जाना

(i) तृतीय वेतन आयोग द्वारा कर्मचारियों को संशोधित वेतनमान के फलस्वरूप बकायों के भुगतान के लिए 1973-74 की अवधि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान के विरुद्ध 2.37 लाख रुपये का अव्ययित भवशेष बिना लौटाये पड़ा रहा। विश्वविद्यालय ने (सितम्बर 1985) बताया कि इसका स्थापन करने के बावजूद कि वेतन निर्धारण का कोई मामला अर्पणित नहीं है, धनराशि लौटा दी जायेगी।

(ii) वर्ष 1976-77 की अवधि में मेडिकल कालेज में पोस्ट पार्टम कार्यक्रम के अन्तर्गत सबल देखभाल इकाई योजना के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 0.34 लाख रुपये का अनुदान दिया गया था जो (सितम्बर 1985) अग्रयुक्त पड़ा रहा जिसे विश्वविद्यालय द्वारा नहीं लौटाया गया था।

4. छात्र वृत्ति लेखों के अन्तर्गत व्यय के ऊपर प्राप्ति की अधिकता

31 मार्च 1985 को विश्वविद्यालय के पास केन्द्र राज्य सरकारों एवं यू० जी० सी० तथा निजी एजेंसियों से प्राप्त धन के विरुद्ध 1975-76 से 1984-85 के मध्य (वर्षानुसार विभाजन प्राप्ति नहीं) छात्रवृत्ति भुगतान हेतु संचित भवशेष 11.10 लाख रुपये था। विश्वविद्यालय ने बताया (सितम्बर 1985) कि सामान्यतः धन वर्ष के विस्तृत अन्त में मिलता है। अतः उसका उपयोग अगले वर्ष में हो पाता है। लेकिन अग्रयुक्त धनराशि तब तक वापस नहीं की जाती जब तक धन देने वाली एजेंसी उसकी मांग नहीं करती। यह भी बताया गया कि मामले की संवीक्षा की जायेगी और पिछले कुछ वर्षों से पड़े अग्रयुक्त धनराशि वापस की जायेगी। विश्वविद्यालय ने यह नहीं बताया कि धन देने वाली एजेंसियों को अग्रयुक्त धन की वापसी के दावे के लिए उन्हें सूचित किया गया था।

5. बैंक समाधान

31 मार्च 1985 को विश्वविद्यालय की रोकड़ बही में दिखाये गये रोकड़ तथा बैंक खाते में दिखाये गये रोकड़ में 168.05 लाख रुपये का शुद्ध अन्तर था। 71.98 लाख रुपये का कुल जमा तथा 244.18 लाख रुपये का कुल नाभे (डेबिट्स) जो विश्वविद्यालय की रोकड़ बही में प्रदर्शित नहीं है, बैंक के खाते में नहीं दिखाये गये हैं, जबकि 1.41 लाख रुपये का जमा तथा 5.56 लाख का नाभे (डेबिट्स) जो बैंक खाते में प्रदर्शित है, विश्वविद्यालय की रोकड़ बही में नहीं दिखाया गया है। इस अन्तर का समायोजन विश्लेषण नीचे दिया गया है।

प्रान्त का विवरण	अवधि					योग
	10 वर्ष के ऊपर	6 से 10 वर्षों के	4 से 5 वर्षों के	1 से 3 वर्षों के	1 वर्ष से कम अवधि के	
(लाख रुपयों में)						
(1) बैंक पास बुक में जमा परन्तु विश्वविद्यालय की रोकड़ वही में नहीं दिखाया गया।	0.04	4.20	0.29	0.53	0.13	(+) 1.41
(2) विश्वविद्यालय की रोकड़ वही में जमा परन्तु बैंक पास बुक में नहीं दिखाया गया।	0.21	0.42	0.39	0.70	70.26	(—) 71.98
(3) विश्वविद्यालय की रोकड़ वही में नामे (डेबिट्स) परन्तु बैंक पास बुक में नहीं दिखाया गया।	0.82	2.42	2.40	2.83	335.71	(+) 244.18
(4) बैंक पास बुक में नामे (डेबिट्स) परन्तु विश्वविद्यालय रोकड़ वही में नहीं दिखाया गया।	2.26	1.71	1.14	0.32	0.13	(—) 5.56
शुद्ध अन्तरः—	(—) 1.61	(+) 0.71		(+) 1.16	(+) 2.34	(+) 165.43
						(+) 168.05

विश्वविद्यालय ने जनवरी 1986 में बताया कि अन्तर अक्ष (30 नवम्बर 1985) घटकर रु० 4.40 लाख रह गया है।

6. आय की व्यावर्तन (आवृत्त)

कार्यकारणी परिषद ने अनुमोदित किया (अप्रैल 1976) कि वर्ष 1975-76 तथा उसके प्रागे से विश्वविद्यालय प्रवेश की सम्पूर्ण आय (प्रार्थना-पत्र शुल्क, प्रतियोगिता प्रवेश परीक्षा शुल्क) कुलपति निधि की व्यावर्तित कर दी जाये तथा पर्याप्त धन निवेशित किया जाय जिससे वर्षानुवर्ष धनराशि में वृद्धि से निधि में निवेश (66 प्रतिशत), कर्मचारियों को ऋण (4 प्रतिशत) अस्तित्वमय विद्यार्थियों की प्राथमिक रोजगार (20 प्रतिशत) तथा अन्य विविध उद्देश्य (10 प्रतिशत) दिया गया था।

प्रवेश से प्राप्त आय विश्वविद्यालय की राजस्व प्राप्ति के प्रकार की थी जतः यू० जी० सी० द्वारा देय अनुरक्षण अनुदान के शुद्ध घाटे को कम करने के लिये इसे विश्वविद्यालय की आय दिखाना चाहिये था।

वर्ष 1980-81 से 1984-85 की अवधि में ही विश्वविद्यालय ने 25.59 लाख रुपये प्रवेश शुल्क से प्रत्यावर्तित कर कुलपति निधि में जमा किया। विश्वविद्यालय द्वारा लघु/दीर्घ अवधि की जमा में निवेश मार्च 1985 के अन्त में 20.05 लाख रुपये तक था।

विश्वविद्यालय ने बताया (सितम्बर 1985) तक कुलपति निधि में अन्तरण की गई धनराशि अभ्याथियों द्वारा व्यावसायिक पाठ्य-क्रमों जैसे इंजीनियरिंग शिक्षा एम० बी० ए० इत्यादि में प्रवेश से प्राप्त आय से सम्बन्धित थी जिसे प्रवेश की श्रेणी में नहीं लिया जा सकता तथा बजट वित्त समिति जो सरकार एव यू० जी० सी० के प्रतिनिधियों से गठित की गई थी, को प्रस्तुत किया गया था। निधि की राशि उन विभाधियों को सुख सुविधा प्रदान करने में प्रयुक्त की गई थी जिसे यू० जी० सी० द्वारा प्रवृत्त अनुदान से साधारणतया नहीं किया जा सकता।

विश्वविद्यालय के राजस्व की धनराशि में से यू० जी० सी० भारत सरकार के स्पष्ट अनुमोदन के बिना अन्य निधि में अन्तरण अनियमित था।

7. अनुरक्षण अनुदान का दुरुपयोग

विश्वविद्यालय के पांच हाल के निवासी, विद्यार्थियों को खाद्य सामग्री, खेल के सामान इत्यादि की आपूर्ति के वर्ष 1968-69 से 1980-81 के मध्य के ठेकेदारों के बिल सामग्रियों से देय बसूली न होने के कारण बिना भुगतान के पड़े थे। तीन ठेकेदारों ने अपने बिल का भुगतान ब्याज (धनराशि की जानकारी नहीं हो सकी) सहित (धनराशि 79,533 रुपये न्यायालय की कुर्की आदेश पर जनवरी 1981 में (4,823 रुपये) अप्रैल 1982 (58,253 रुपये) और जनवरी 1983 (16,457 रुपये) प्राप्त किया। व्यर्थ अनुरक्षण अनुदान को पारित (बाजेंड) किया गया था। अप्रैल/मई 1983 में दो हानों के अध्ययनों ने यह सूचित किया कि विद्यार्थियों से बसूली नहीं हो सकी क्योंकि उनके व्यक्तिगत खाते अधूरे थे। तीन अन्य हालों की स्थिति की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई (सितम्बर 1985) अन्तर सरकार के परामर्श पर (अप्रैल 1984) विश्वविद्यालय की वित्त समिति ने एक संकल्प पारित कर (नवम्बर 1984) वर्ष 1984-85 के अनुरक्षण अनुदान के 8.06 लाख रुपये के पुनर्रचित बजट प्राक्कसन को अनुमोदित कर दिया जिसके विरुद्ध 5.85 लाख रुपये (5.35 लाख रुपये खाद्य सामग्री लेखा तथा 0.50 लाख रुपये खेल एवं हाल की अन्य सुविधाओं के लेने) का भुगतान 1984-85 में किया गया जो अधिकांशतः 1968-69 से 1980-81 की अवधि के थे। वित्त समिति के कार्यवाही की कार्यकारणी समिति द्वारा 26 अक्टूबर 1985 की अनुमोदित कर दिया गया था।

इस प्रकार 6.65 लाख रुपये जो सामग्रियों से बसूल करके ठेकेदारों इत्यादि को भुगतान करना चाहिये था विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त अनुरक्षण अनुदान की ओरित किया गया। विश्वविद्यालय ने बताया (सितम्बर 1985) कि यह अवधि लगातार मूल्यों में वृद्धि, अर्थात् एवं विभाधियों को समस्याओं का था और संबंधित विद्यार्थियों से पाठानों की बसूली के लिए परीक्षाओं के नियंत्रक को उपाधियों को रोक लेने के लिए सूचित किया गया है (10 दिसम्बर 1985 तक रुपये 0.45 लाख बसूल किया जा चुका था)।

8. शिक्षा वृत्ति पर अधिक व्यय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जुलाई, 1977 में प्रति छात्र 525 रुपये प्रति माह की दर से 80 कनिष्ठ अनुसंधान शिक्षा वृत्ति इस शर्त पर आवंटित किया कि किसी भी एक समय पर इस शिक्षा वृत्ति की संख्या वर्ष में 80 से अधिक न हो। इस आवंटित धनराशि से यदि अधिक व्यय किया गया तो उसे विश्वविद्यालय द्वारा अपने साधनों से वहन करना होगा। विश्वविद्यालय ने नवम्बर, 1977 में यू० जी० सी० से शिक्षा वृत्ति की सीमा को हटाने का निवेदन किया जिसे नहीं स्वीकार किया गया। लेकिन प्रारम्भ में यू० जी० सी० ने विश्वविद्यालय को गलती से यह सूचित किया था फरवरी, 1978 कि 1977-78 में आवंटित शिक्षा वृत्ति की संख्या 100 थी। तदुपरान्त अगस्त, 1978 में यू० जी० सी० से विश्वविद्यालय को सूचित किया कि वर्ष 1978-79 की आवंटित शिक्षा वृत्ति 80 थी। अप्रैल, 1983 में विश्वविद्यालय के जनवरी, 1983 के पत्र के संदर्भ में स्पष्ट किया कि फरवरी, 1978 में 100 शिक्षा वृत्तियों के आवंटन की सूचना असावधानी के कारण दी गई थी इसकी सही संख्या 80 है जिसकी नवम्बर, 1982 में भी पुष्टि की गई। यू० जी० सी० द्वारा स्पष्टीकरण प्राप्त करने पर भी विश्वविद्यालय 1977-78 से 1983-84 के मध्य 80 प्रति वर्ष की शिक्षा वृत्ति से अधिक देने पर दृढ़ रहा (देय 560 बिया गया 816) जिसके फलस्वरूप 19.21 लाख रुपये अतिरिक्त व्यय हुआ वास्तविक 73.59 लाख रुपये में से 54.38 लाख रुपये यू० जी० सी० से प्राप्त आय को बढ़ा कर वर्ष 1984-85 में शिक्षा वृत्तियों की संख्या बढ़ाकर 69 कर दी गई। अधिक व्यय किये गये धन का वहन आंशिक रूप से एकत्रित विकास अनुदान लेखा (17.84 लाख रुपये तथा आंशिक रूप से विश्वविद्यालय की स्वतः आय (1.37 लाख रुपये) से किया गया न कि यू० जी० सी० के पत्र में की गई शर्त के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण रूप से वहन करना था।

विश्वविद्यालय ने बताया (जनवरी, 1986) कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने अधिक व्यय को अपनी विधि अनुरक्षण अनुदान से ही पूरा करने की स्वीकृति दे दी थी (नवम्बर, 1985)।

9. निष्क्रिय उपकरण

विश्वविद्यालय ने फरवरी 1980 तथा अगस्त 1984 के मध्य 4.94 लाख रुपयों के उपकरण (2.65 लाख रुपये तिब्बिया कालेज, 1.20 लाख रुपये ज्यड० एच० कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालोजी तथा 1.09 लाख रुपये एम० ए० लाइब्रेरी) कब्ध किये। यह उपकरण सितम्बर 1985-86 तक कुछ वृत्तियों अथवा स्थानाभाव के कारण संस्थापित नहीं किये जा सके थे। इसका विवरण निम्नांकित था :—

उपकरण	क्रय का वर्ष	मूल्य (लाख रुपयों में)	कारण
1. एटामिक एक्जामेशन स्पेक्ट्रोमीटर	फरवरी 1980	1.13	उपकरण में संस्थापित नहीं किया जा सका। इसके अतिरिक्त इसका माइक्रोप्रोसेसर चालू हालत में नहीं था।
2. आटोएनालाइजर	अप्रैल 1980	0.44	आपूर्ति कर्ता के भारतीय प्रतिनिधि द्वारा इसकी वृत्तियों को दूर न करने के कारण स्थापित नहीं हो सका।
3. डाइरेक्ट करेन्ट रिफ़ाडिंग फोटोग्राफ	मार्च 1984	1.08	संस्थापना के समय ही उसमें वृत्तियों के कारण उपकरण सही चित्रण नहीं दे रहा था।
4. 75 के० वी० ए० 60 के वीजल जनेरेटिंग सेट	अगस्त 1984	1.20	वीजल जनेरेटिंग सेट के कुछ हिस्से टूटे हुए थे जिनको फर्म न तो मरम्मत की और न अवला सेट के स्थापित करने का कमरा भी नहीं बना था (सितम्बर 1985)।
5. 100 के० डस्कटू० 125 के० वी० ए० वीजल जनेरेटिंग सेट	नवम्बर 1984	1.09	स्थान एवं धन की कमी के कारण स्थापित नहीं हुआ (सितम्बर 1985)।

10. अक्रीत पत्रिकाओं का भण्डार

विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा 1948 से "वी ज्योग्राफर" नामक शीर्षक से एक पत्रिका का समुल्य प्रकाशन प्रारम्भ किया गया था। प्रत्येक द्विवार्षिक संस्करण की 500 प्रतियां मुद्रित होती थी। प्रत्येक खंड की अतिरिक्त 25 आफसेट प्रतियां लेख देने वालों आदि वितरण के लिए मुद्रित होती थी। 1948 से 1974 तक प्रत्येक प्रति का मूल्य विश्वविद्यालय द्वारा 9 रुपये तथा 1975 से 1980 के मध्य 10 रुपये और उसके बाद 20 रुपये निर्धारित किया गया था। प्रत्येक प्रति की वास्तविक लागत ज्ञात नहीं थी।

वर्ष 1948 और 1983 के मध्य मुद्रित 19,944 प्रतियों में से (बिक्री मूल्य 1.74 लाख रुपये) 5590 प्रतियां (28 प्रतिशत) बिक्री (प्राप्त बिक्री धन 0.56 लाख रुपये) जबकि 14,352 प्रतियां बिना बिके भंडार में पड़ी रही (बिक्री मूल्य 1.18 लाख रुपये) (प्रतिशत) वर्ष 1984 एवं 1985 की पत्रिकाएं अभी तक मुद्रण में थी (सितम्बर 1985)।

विश्वविद्यालय ने बताया (सितम्बर 1985) कि प्रत्येक संस्करण की 500 प्रतियों का वार्षिक मुद्रण हुआ था इसमें से 60 प्रतियां स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरित की गई थी लगभग 50 प्रतियां इस विषय के विशिष्ट व्यक्तियों की सम्मानार्थ/आदान प्रदान के रूप में दी गई तथा 150 से 180 प्रतियों की बिक्री की गई थी और लगभग 200 प्रतियां (40 प्रतिशत) भंडार में थी। फिर भी यदि प्रतियों के मुद्रण की संख्या कम कर दी जाय तो भी लागत मूल्य में अन्तर नाम मात्र आयेगा।

11. विश्वविद्यालय छात्रे खाने के लेखे को न सम्मिलित करना

विश्वविद्यालय के वर्ष 1984-85 के लेखे में विश्वविद्यालय छात्रे खाने के वार्षिक लेखे को सम्मिलित नहीं किया गया था। फलस्वरूप इसकी आर्थिक स्थिति सुनिश्चित नहीं की जा सकी। इस अनियमितता का वर्ष 1983-84 के लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भी उल्लेख किया गया था।

विश्वविद्यालय ने बताया (जनवरी 1986) कि यह 1985-86 के वार्षिक लेखे में सम्मिलित किया जायेगा।

स्थान :- इलाहाबाद

दिनांक : 21 जनवरी 1986

4-259GI/86

ह० (विष्णु सहाय वर्मा)

महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम,

उत्तर प्रदेश

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS &
DEVELOPMENT

"THE ARCADE", WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400 005, the 20th February 1986

CORRIGENDUM

In the Notification DBOD. No. Ret. 131/C. 96 (Ret.)-85 dated the 25th October 1985 published on page 2333 in Part III Section 4 of the Gazette of India dated the 28th December 1985 the line 15 may be read as under :—

"in item (i) above and maintained as on 31st October".

In the Notification DBOD. No. Ret. 132/C. 236(G) Spl.-85 dated the 26th October 1985 published on the same page of the above Gazette, the line 13 may be read as under :—

"and valued in accordance with Sub-section (2A) of Section".

B. S. JOSHI
Deputy Chief Officer

STATE BANK OF PATIALA

Bathinda, the 9th September 1986

No. 20/BTI/65/101.—Notice in respect of officers of our Bank who were transferred to this Zone and joined their respective places of postings as mentioned against each for the period of July and August 1986 :—

1. Sh. M. P. Garg, Officer, JMGS-I, Manager Raman branch was transferred to and posted at Region-I, Bathinda and he joined thereat on 9-7-1986.
2. Sh. M. L. Jindal, JMGS-I, Manager, MSC Bathinda branch was transferred to and posted at Region-II, Bathinda and he joined thereat on 4-7-1986.
3. Sh. R. C. Arora, JMGS-I, Asstt. Acctt. Samrala branch was transferred to and posted at Zonal Office, Bathinda and he joined thereat on 28-7-1986.
4. Sh. D. K. Bansal, JMGS-I, Asstt. Acctt. MSC Bathinda branch was transferred to and posted at Rampuraphul branch and joined thereat on 7-8-1986.
5. Sh. R. C. Sharma, JMGS-I, Asstt. Acctt. Sidhwan Bet branch was transferred to and posted at Goniana branch and joined thereat on 11-8-1986.
6. Sh. Vir Singh, JMGS-I, Asstt. Acctt. Hoshiarpur was transferred to and posted at Jaitu branch and he joined thereat on 5-8-1986.
7. Sh. Narinder Goel, MMGS-II, officer, Region-I, Bathinda was transferred to and posted at Zonal Office, Bathinda as Personnel Officer, and he joined thereat on 8-8-86.
8. Sh. Dalip Singh JMGS-I, Asstt. Acctt. Ferozepur branch was transferred to and posted at Jalalabad East branch as Manager and he joined thereat on 28-8-1986.

H. S. KANWAL
Zonal Manager

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700071, the 3rd September 1986

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3 ECA (5) (3) 86-87—With reference to this Institute's Notification No./Nos. 3 ECA (4)/4/3/85-86 dated 30-9-1985, and

3 ECA/4/3/83-84 dated 31-3-1984 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members the name/s of the following members's with effect from the date/s mentioned against their name/s :—

Sl. No.	Membership Number	Name & Address	Date
1	2	3	4
1.	16426	Shri Amit Kumar Pal, A.C.A., Finance Manager, Office of the General Manager, Eastern Coalfields Ltd., Pandaveswar Area, P. O. Pandaveswar, Dt. Burdwan.	24-7-86
2.	50583	Shri Purusottam Chakraborti, A.C.A., Hotel Cecil, 52/1/1, College Street, Calcutta-700 072	21-7-86

R. L. CHOPRA
Secretary

Madras-600 034, the 3rd September 1986

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA. (4)/4/86-87—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) Sub-Section 1 of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949 the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	M. No	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	1284	Shri Ratilal P. Vyas M/s. M. K. Dandekar & Co. Chartered Accountants 138, Angappa Naicken Street 2nd Floor Madras -600 001	1-8-86
2.	1906	Shri M. Narayanaswamy 58, Aspiran Gardens Kilpauk Madras-600 010	28-6-86
3.	1962	Shri S. Rajam 64, Chamiers Road Madras-600 028	14-3-86
4.	4874	Shri TR. Chockalingam 3127, East Second Street Pudukkottai-622 001	9-8-86
5.	5554	Shri RM. Sabaratnam Plot No. 473 Anna Nagar Madurai-625 020	9-7-86

R. L. CHOPRA
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta-700 016, the 11th September 1986

(COST ACCOUNTANTS)

No. 18-CWA(I)/86.—In pursuance of Sub-section (5) of Section 18 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Annual Report of the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India and the audited accounts of the said Institute for the year ended March 31, 1986 are hereby published for general information.

D. C. BHATTACHARYYA
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA

ANNUAL REPORT 1985-86

(Issued under Section 18(5) of The Cost and Works Accountants Act, 1959)

The Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has pleasure in presenting herewith the Annual Report and the Audited Accounts of the Institute for the year ended 31st March 1986 in terms of Section 18(5) of the Cost and Works Accountants Act, 1959.

President and Vice-President

The Council at its meeting held on 22nd July 1985 unanimously elected Shri P. S. Nadkarni, BSc. FICWA, as President of the Institute to hold office for one year commencing from 22nd July 1985. At the same meeting Shri D. K. Jain, B. Com., FICWA was also elected Vice-President of the Institute for the same term.

Council

The ninth Council elected in 1983 will be completing its term on 21st July 1986. The Central Government vide their letter No. 13/1/83-IGC, dated 24-1-86 nominated Shri C. R. Sundararajan, Jt. Secretary, Deptt. of Company Affairs in place of Shri L. D. Venkataraman for the remaining period of the term of the Council.

During the year, the Council met 3 times.

Committees of the Council

At the meeting of the Council held on 22nd July 1985 the Committees of the Council were reconstituted as follows :

Executive Committee

Shri P. S. Nadkarni, President—*Ex-officio*, Chairman
Shri D. K. Jain, Vice-President
Shri R. L. Bhatia
Shri Amitava Bhattacharyya
Shri A. V. S. Rao

Disciplinary Committee

Shri P. S. Nadkarni, President—*Ex-officio*, Chairman
Shri D. K. Jain, Vice-President
Shri L. D. Venkataraman (upto 23-1-86)
Shri C. R. Sundararajan (from 24-1-86)

Examination Committee

Shri D. K. Jain, Vice-President—*Ex-officio*, Chairman
Shri Sankar Dutta
Shri F. D. Parkhi

Training and Educational Facilities Committee

Shri F. D. Parkhi, Chairman
Shri Shyamal Banerjee
Shri Sankar Dutta
Shri L. D. Venkataraman (upto 23-1-86)
Dr. R. A. Singh

Professional Development & Ethics Committee

Shri Shyamal Banerjee, Chairman
Shri R. L. Bhatia
Shri V. Kalyanaraman
Shri S. M. Patankar
Shri A. V. Ramana Rao

Research & Publications Committee

Shri Sankar Dutta, Chairman
Shri Amitava Bhattacharyya
Shri A. V. Ramana Rao
Shri A. V. S. Rao
Dr. R. A. Singh

Journal Committee

Shri S. Ramanathan, Chairman
Shri Shyamal Banerjee
Shri N. K. Bose
Shri S. M. Patankar

Committee on International Matters

Shri N. K. Bose, Chairman
Shri Amitava Bhattacharyya
Shri V. Kalyanaraman
Shri S. Ramanathan
Shri N. T. Srinivasan

Co-Ordination Committee

Shri P. S. Nadkarni, President Chairman
Shri D. K. Jain, Vice-President
Shri Shyamal Banerjee
Shri R. L. Bhatia
Shri Amitava Bhattacharyya
Shri N. K. Bose
Shri V. Kalyanaraman

Programme Committee

Shri A. V. Ramana Rao, Chairman
Shri P. D. Parkhi
Shri S. Ramanathan
Shri N. T. Srinivasan

Standard Board

Shri A. V. S. Rao, Chairman
Shri R. L. Bhatia
Shri V. Kalyanaraman
Shri A. V. Ramana Rao

The Committees met several times during the year as shown below :

Executive Committee	7
Disciplinary Committee	3
Examination Committee	5
Training & Educational Facilities Committee	2
Professional Development Committee	2
Research & Publications Committee	3
Journal Committee	6
Committee on International Matters	4
Programme Committee	3

Membership

New admission to Membership of the Institute during the year was 492. The names of 22 members removed earlier were restored to the Register of Members. Advancement to Fellowship during the year was 70.

Statistical data showing the changes in the composition of Membership are given in Annexure II.

The other relevant statistics as on 31st March 1986 are :

Members holding Certificate of Practice	805
Grad CWAs	944
Qualified persons awaiting admission as Grad CWAs or Membership	779

Registered Students

The total number admitted as Registered Students during the year was 11,066 as against 7583 in the previous year. The number of registered students at the end of the year, however stood at 1,46,672 as against 1,56,012 in the previous year.

Examinations

The Examinations of the Institute were as usual held in the months of June and December 1985. The total number of centres within India, as on date, are 45 which includes 2 new Centres at Agartala in the Eastern India Region and at Salem in the Southern India Region.

The Institute have also been holding Examinations in Overseas Centres under the kind control of respective High Commissions of India since December 1984. At present there are altogether 4 Examination Centres at Nairobi, Dar-es-salaam, Dubai and Tripoli. The Examinations both under Old alternatively Current and Revised Syllabi have been operative since December 1984 term of Examination.

The Management Accountancy Examination has now been conducted in December term only in all the usual centres of Examination.

The number of students who had been declared successful in the Intermediate and Final (both old and Revised syllabi), and Preliminary Examinations in the last June and December 1985 is given hereunder :

Examination	June 1985	December 1985	Total
Intermediate-Old Syllabus	846	1059	1905
Revised Syllabus	52	154	206
Final-Old Syllabus	249	213	462
Revised Syllabus	62	153	215
Preliminary	2443	3785	6228

In the Management Accountancy Examination no one has passed in Part I Examination in December 1985 Term.

More detailed results are shown in Annexure III to this Report. The list of persons who have won prizes and Merit Certificates in the above two terms is also appended in Annexure IV.

Coaching

Enrolments during the year as compared with the enrolments of previous year are indicated below :

	POSTAL		ORAL	
	1985-86	1984-85	1985-86	1984-85
Intermediate	5912	6479	10478	16369
Final	1641	1593	113	621
TOTAL	7553	8072	10591	16990

There was shortfall in postal and oral enrolments during 1985-86 in comparison to 1984-85. This was mainly due to lower intake of students during the past two years.

The revised syllabus shall be compulsorily implemented from July '86. During the year a good number of students had opted for appearing in the examinations under revised syllabus. Facilities for postal coaching such as, supply of study notes, test papers and suggested answers under the revised syllabus continued to be provided to the students during the year through the respective Regional Councils.

The publication of suggested answers to questions set at the Institute's examinations (Inter and Final) has continued to meet the demand of students.

A number of steps were adopted during the year to ensure quality of students committed to the profession and to improve coaching facilities.

(a) The provision of Regulation 25(2) of Cost & Works Accountants Regulations 1959 had been invoked with effect from 1.1.85 in respect of students who had not appeared at least in one group of the examination within 3 years from the date of registration. Fresh registration on this count will however continue to remain within the provision of Regulation 25(1) of the said Regulations.

(b) Revalidation of coaching completion certificates beyond 3 years from the date of issue of the same, either in postal or oral, for appearing at the Institute's examination has been introduced with effect from 1-4-1986.

Practical Training Scheme for Students

The training scheme continued throughout the year. The number of empanelled students was 1034 and over 50 organisations had contacted the Institute for imparting practical training to the students in Cost and Management Accounting field.

Students' Complaints Settlement Wing

There have been less number of complaints from students and all student complaints are responded to at the earliest with the prompt attention of the officer in charge of the wing.

Orientation to computer Programming

In view of the need for providing adequate orientation to the students of the Institute to computer programming in the context of the progressive computerisation of the different sectors of the Industry, Trade and Commerce, the Council agreed in principle, to the recommendation of the Training and Educational Facilities Committee to instal one major computer at the Institute's headquarters and four mini-computers or micro processors in the offices of the four Regional Councils. It is envisaged that when the computers are installed and proper infra-structure is available the said facilities would be available not only for providing training to the students but also orientation to the members of the Institute who may like to avail of this opportunity of refreshing their expertise in the context of new challenges to the profession. Meanwhile the Institute has been organising short-term programmes for the members of the Institute with computer orientation as indicated in the section of this Report relating to 'Continuing Education Programmes'.

Research

Research Bulletin for January 1986 was released.

Efforts continued to expedite preparation of Glossary of Management Accounting Terms in Hindi.

Journal

During the year the Journal of the Institute, 'The Management Accountant' continued its efforts to supply to the members and students of the Institute knowledge and information relevant to the profession and the professional education. In this endeavour valuable assistance was received from eminent contributors, foreign and national. Attention was also paid to improve the quality of printing. As a first step in this direction, printing of the journal was changed over to photo offset process from January 1986 issue which was well received by members and students as well. The Registrar of Newspapers Government of India, has been requested for grant of quota for release of appropriate newsprint.

During the period under review the total circulation of the Journal was 20,000 copies per month approximately.

Disciplinary Cases

In the report of the last year a reference was made to the disciplinary cases relating to Section 21 of the Act. The reports of the Disciplinary Committee relating to these three cases were considered by the Council during the year under review and the Council gave its findings. While in the first case the council found the member concerned guilty of professional misconduct under Clause (1) of Part III of the First Schedule of the Act and reprimanded him, in the second case the Council found that the charges against the member concerned under Clauses (4), (6) and (11) of Part I of the First Schedule and Clause (1) of Part II of the Second Schedule were not proved. In the third case the Respondent Member was found guilty of professional misconduct under clause (7) of part I of the Second Schedule to the Act and the Council decided that the case be forwarded to the concerned High Court under Section 21(5) of the Act. A conspectus of two

cases was published in the Institute's Journal, 'The Management Accountant.'

There has been no reference to any fresh case to the Disciplinary Committee during the year.

Cost Audit

With continuous efforts made by the Institute, Cost Accounting Record Rules, under Section 209(1)(d) of the Companies Act, 1956 has been prescribed by the Government in Bearing Industry, with effect from July 1, 1985. Three more industries are in the process of being covered, namely Formulations (Drug), Malted Milk Food, and Group Cost Accounting Record Rules for Chemical Industry—the last two having been cleared by the Informal Advisory Committee. 34 Industries have been covered so far under Cost Audit.

Professional Development

During the year Cost Audits have been ordered in 458 Companies, as compared to 431 in the previous year; the number of Industries covered being 25, with the exception of Automobile Battery, Nylon and Dry Cell Batteries. The largest number covered was in Cotton Textiles numbering 190 in total. The month-wise details of Cost Audit ordered under section 233(B), with industrywise break up, is given in Annexure I. As indicated in this statement there were 9 industries without cost audit.

The Revised Edition of Cost Audit Booklet on Jute Goods, Paper, Tyres & Tubes and Sugar have been published and those relating to Electric Fans and Electric Motors are under publication. Several other revised manuscripts are awaited from the experts in the respective fields. The "Guidelines on Cost Audit", for which a high demand exists, has been reprinted.

The Government of West Bengal approached the Institute to carry out a Cost Study of Internal Distribution of Food-grains in West Bengal under the Public Distribution System. The report has been submitted to the Government.

On a request made by the Institute, Registrar of High Court of Calcutta, Original Side, has agreed to enlist Members in Practice as Valuers, Assessors etc. and a panel of interested professionals has already been formed.

On the request of the Bureau of Public Enterprises, Govt. of India the Institute undertook a study project on the management of Working Capital in the Public Sector Undertakings in India.

A representation has been made to Government to implement the Recommendations of Sachar Committee in the impending amendment to Companies Act, 1956.

The Employment Service is continuing to provide valuable assistance to members and the success rate has been good.

During the year 3 more Universities viz., Bombay University, Osmania University and Bangalore University extended recognition to the Membership of the Institute as equivalent to a Master's Degree for the purpose of Registration for Ph.D. in the respective Universities.

Continuing Education Programme

For the benefit of members in particular and of others in general continuing education programme was pursued by the Programme Directorate of the Institute and the Regional Councils and Chapters in various parts of the country. The details of such programmes are indicated in Annexure V.

The Programme activities of the Institute have recorded substantial growth during the year. Among other programmes three were organised in collaboration with Department of Personnel and Administrative Reforms and Bureau of Public Enterprise, Govt. of India, one each with the Institute of Chartered Accountants of India and the Institute of Company Secretaries of India.

An International Programme was organised as maiden attempt at Bangkok, Kuala Lumpur and Singapore where Indian participants at joint programme sessions interacted with Executives of respective countries. The exchange of knowledge and sharing the views with reference to cross-country practices made the programme interesting and useful.

As a part of Human Resources Development activity, ICWAI made an effort to impart inhouse training to its officers for the first time. Accordingly "Office Management and Productivity", Programme was organised for the officers of the Institute in two groups which was well received.

Modular Based Computer Programmes for Students and Members were developed and requests for such programmes have already been received from Organisations and individuals.

28th National Convention of Cost and Management Accountants

The 28th National Convention of Cost and Management Accountants organised by Eastern India Regional Council was held during 21st-23rd February 1986 in Calcutta. The Convention was attended by a large number of delegates all over the country and other distinct countries. The Convention was inaugurated by Swami Lokeshwarananda, President, Ramkrishna Mission while the valedictory address on the concluding day was delivered by Sri M. Arunachalam, Union Minister of State for Industries.

The theme of the National Conference was "NATIONAL ECONOMY INTO THE 21ST CENTURY : INNOVATION, INFORMATION MANAGEMENT AND THE MANAGEMENT ACCOUNTANT". This was divided into three TECHNICAL SESSIONS namely; "National Economic Profile—the Transform into the 21st Century", "Innovation and Creativity as Parameters of growth" and "Information Management and the Management Accountant".

In addition to, a Preview Session prior to commencement of the TECHNICAL SESSION was held. The preview session was chaired by Dr. A. K. Ghosh, Ex-economic Adviser to Govt. of India and the TECHNICAL SESSION was chaired by Sarvaswari P. C. Sen, Chairman and Managing Director, Burn Standard, A. N. Mukhopadhyay, Member of Audit Board and Ex officio Director of Commercial Audit and Mr. Joseph L. Brunet, Chairman, Financial Management Accounting Committee (FMAC) of International Federation of Accountants (IFAC).

Sri Harijibha Banerjee, Chairman, Conference Committee in his welcome address stressed the growth of cost and management accountancy as an indispensable discipline in the management process of planning and control and micro and macro levels. He also emphasized the need for compulsory and continuous cost audit in industries and urged on creation of Cost Accountants service at state level.

Sri P. S. Madkarni, President of the Institute emphasized the need of Zero Based Budgeting, Computer applications and updating the ICWAI syllabus with computer bias.

Shri N. K. Bose, Past President of the Institute, praised the achievements of Indian Cost Accountants in the national and

international fields and described the Institute's role in and interaction with international accounting bodies.

Mr. Joseph Brumit, Chairman, Financial & Management Accounting Committee of IFAC, mentioned in his address that Accountancy has transcended the barrier of mere book-keeping and become an essential part of management decision support system. He also said that the emerging role of accountants has become the sue and interpretation of accounting data for management decision making.

Swami Lokeshwaranandaji in his inaugural address emphasised the role of Cost Accountants vis-a-vis industrial sickness. Quoting Mr. Brumit he envisaged the emerging role of Cost Accountants as interpretation of accounting data for management decision making which includes forecasting and diagnosis of industrial health and sickness. He hoped that more trained managers will come up from the Cost Accountants to build the national economy with a sense of delication. In the context he focussed the need for training and human resource development.

In his valedictory address, Sri M. Arunachalam, Union Minister of State for Industry held computers as aid to accountants' for better management, better MIS and for ensuring proper access to appropriate information. He highlighted the role of cost accountants in the operation of price mechanism to ensure uninterrupted flow of service of right quality and quantity at right price thereby ensuring both efficiency and economic justice. He also highlighted the role of cost accountants vis-a-vis long term fiscal policy of the Government and called upon them for detection, diagnosis and management of industrial sickness.

He spoke on continuous and compulsory cost audit of industries and also Government proposal of bringing more industries within the ambit of statutory cost accounting record rules and cost audit.

The various sessions of the Convention were benefited by the contributions made by distinguished scholars and professionals. The National Convention was followed by Regional Council's meet and Practising Members' meet. The other highlights of the Convention were social and cultural events which were warm and enjoyable.

Prize Distribution Ceremony

The Prize Distribution Ceremony was held on 21st February, 1986, Calcutta along with the 28th National Convention of Cost and Management Accountants. The prizes and Merit Certificates in respect of the Examinations held in December 1984 and June 1985 were distributed by the guest-in-chief, Dr. Nema Sadhan Bose, Vice-Chancellor, Vishwa Bharati University, Shri P. S. Nadkarni, President of this Institute and Shri D. K. Jain, Vice-President and Chairman of the Examination Committee, were also present.

Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA)

Two Meetings of the Executive Committee of the Confederation of Asian and Pacific Accountants (CAPA) were held during the year 1985-86.

On May 28-29, 1985, the Executive Committee of CAPA met at Toronto (Canada) and on November 16, 1985, the meeting was held at Adelaide, Australia. India was represented in the meeting held at Toronto by the then President of ICWAI, Shri R. L. Bhatia. Shri P. S. Nadkarni, President of the Institute attended the meeting of Adelaide as the Indian representative. Shri N. K. Bose, a former President and Present Council Member of the Institute was the Chairman of the Toronto EXCOM meeting being the then President of CAPA. Shri Bose very successfully completed his 18 months' tenure of Presidentship of CAPA on 31st May 1985. Dr. John O Miller of Australia took over the office of the Presidentship of CAPA from Shri Bose effective from 1st June 1985. Shri Bose attended the EXCOM meeting held at Adelaide as Adviser (Ex-officio) to the CAPA Executive Committee.

As invitees, Shri N. K. Bose and Sri P. S. Nadkarni attended the Australian Accountants Centenary Congress in Adelaide on November 17-20, 1985 jointly organised by the Australian Society of Accountants and the Institute of

Chartered Accountants to commemorate the 100th anniversary of the Accountancy Profession in Australia.

Dr. John O Miller, President of CAPA visited India on November 26-28, 1985. He met the Presidents, Vice-Presidents and the Secretaries of the ICAI, ICSI and ICWAI at the office of the NIRC of ICWAI followed by a meeting with the members of the NIRC of ICWAI and ICAI on 27th November. In the same evening he addressed a meeting of the general members of the ICWAI and ICAI. Dr. Miller highlighted the developments taking place in the sphere of the profession in his country and the member-countries of CAPA as well. He was accompanied by Shri P. S. Nadkarni and Sri N. K. Bose in meeting a number of Senior Officers of the Government of India in New Delhi.

International Federation of Accountants (IFAC)

The Institute is actively involved in diverse activities of IFAC. Shri V. Kalyanaraman, a Past President and present council member of the Institute has been continuing to represent India in the Financial and Management Accounting Committee of IFAC. During the year 1985-86 Shri Kalyanaraman attended all the three meetings of the said Committee held at Paris on April 17-18, 1985, at Sydney on November 11-12, 1985 and at Hongkong on March 4-5, 1986.

In the IFAC-FMAC Meeting held in Hongkong in March 1986, a Special Committee on "Social Responsibility" was constituted with India as the Chairman and Philippines, U.K. and Pakistan as Members.

Shri N. K. Bose as president of CAPA attended the council meeting of IFAC held at Bergen (Norway) on May 23-24, 1985.

International Accounting Standards

The definitive standards and Exposure Drafts issued by the International Accounting Standards Committee circulated to the Members during the year 1985-86 are indicated in Annexure No. VI.

Mr. D. H. Cairns, Secretary General of the International Accounting Standards Committee visited New Delhi in November 1985. A meeting of the representatives of the ICWAI and ICAI with Mr. Cairns was organised on 6th November at the office of the ICAI to discuss matters relating to accounting Standards.

South Asian Federation of Accountants (SAFA)

First meeting of the Assembly of the South Asian Federation of Accountants (SAFA) was held at Karachi on May 13-14, 1985, Shri P. S. Nadkarni, the then Vice-President represented the ICWAI in the Meeting.

First Conference and the Second Meeting of the Assembly of SAFA were held in Colombo (Sri Lanka) on December 4-7, 1985. Shri S. N. Ghose, former Secretary of the Institute presented a paper entitled "Professional Ethics for Accountants in South Asia" in the Conference on behalf of the Institute.

As per the decision of the SAFA Assembly meeting held at Karachi in May 1985 Shri D. K. Jain, Vice-President of the Institute with Shri A. C. Chakraborty the immediate Past President of the ICAI visited Nepal on 24th and 25th November 1985 to explore the possibilities of forming Institute/Association of Accountants in those countries.

Basavaraju Memorial

Mr. Joseph Brumit, Chairman of the Financial Management Accounting Committee of IFAC delivered the Basavaraju Memorial Lecture at Hyderabad on 25th February 1986. The theme was "International Management Accounting—Challenges and Opportunities."

Regional Councils

The four Regional Councils continued to be active in organising Seminars, Conferences, continuing Educational Programmes, Discussion Groups and Oral Coaching classes for Registered students. As a part of the decentralised arrangement, registration of students and conduct of Correspondence courses have also been organised by the Regional Councils.

Chapters

During in the year no new Chapter of Cost Accountants was constituted. The total number of Chapters remained the same at 49 with their regional distribution as under :

Western Region	11
Southern Region	14
Eastern Region	13
Northern Region	11

The Chapter activities have been published in the Institute's Journal from time to time.

Overseas Centre

Overseas Centres in Tanzania and Zambia continued to be active by their useful activities and maintained close liaison with the local authorities.

Accounts

The audited accounts of the Institute for the year 1985-86 are annexed to the report. During the year the Institute obtained certificate from Commissioner of Income Tax Calcutta granting exemption to the Institute under Section 80G of the Income Tax Act 1961.

Administration and Staff Relations

The Institute functioned in an atmosphere of cordiality of relationship between the management and the staff.

Condolences

The Council of the Institute condoled the deaths of one of its illustrious Past President, Mr. M. R. S. Iyenger and past Vice-President, Shri V. C. Rangadurai.

General

The year 1985-86 was a difficult one from the financial point of view due to substantial reduction in the revenue income of the Institute due to reduction in volume of registration and enrolment of students. It was necessary to curtail expenditure to the maximum possible extent. Attention had also to be paid to explore the possibilities of augmenting the resources of income of the Institute to meet the needs of the students and members of the Institute.

By order of the Council

P. S. NADKARNI

President

D. C. BHATTACHARYYA

Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS
OF INDIA

ANNEXURE I

No. of Cost Audits Ordered by the Company Law Board during the year 1985-86

Sl. No.	Type of Industry	Total
1.	Cycle	5
2.	Cement	24
3.	Automobile Battery	—
4.	Tyre and Tube	11
5.	Tractor	3
6.	Motor Vehicles	6
7.	Room Air-Conditioner	1
8.	Refrigerator	1
9.	Electric Lamp	6
10.	Electric Fan	1
11.	Caustic Soda	7
12.	Aluminium	4
13.	Vanapati	19
14.	Bulk Drugs	25
15.	Infant Milk Foods	5
16.	Industrial Alcohol	8
17.	Sugar	66
18.	Paper	36
19.	Cotton Textiles	190
20.	Nylon	—
21.	Soda Ash	3
22.	Dyes	8
23.	Electric Motor	2
24.	Jute	16
25.	Rayon	2
26.	Dry Cell Battery	—
27.	Sulphuric Acid	8
28.	Polyester	1
29.	Steel Tubes & Pipes	—
30.	Electrical Cables & Conductors	—
31.	Ball & Roller Bearings	—
32.	Engineering	—
33.	Malted Milk Food	—
34.	Chemical	—
TOTAL		458

MEMBERSHIP STATISTICS 1985-86

	Western Region			Southern Region			Eastern Region			Northern Region			Members residing outside India			Total	Grand Total
	Asso- ciates	Fellows	Total	Asso- ciates	Fellows	Total	Asso- ciates	Fellows	Total	Asso- ciates	Fellows	Total	Asso- ciates	Fellows	Total	Asso- ciates	Fellows
As per last Report	1337	184	1521	1210	250	1460	1483	194	1677	783	155	938	353	69	422	5166	6018
Admission to Associateship during the year 1985-86																	
U/S 4(1) (ii)	+121		+121	+108		+108	+169		+169	+77		+77	+8		+8	+483	+483
U/S 4(1)(iv)	—		—	+1		+1	—		—	—		—	+7		+7	+8	+8
U/S 4(1)(v)	+1		+1	—		—	—		—	—		—	—		—	+1	+1
Restoration	+3	+1	+4	+6	—	+6	+5	—	+5	+3	+1	+4	+3	—	+3	+20	+22
	1462	185	1647	1325	250	1575	1657	194	1851	863	156	1019	371	69	440	5678	6532
Advancement to Fellowship	—13	+13	—	—21	+21	—	—16	+16	—	—16	+16	—	—4	+4	—	—70	+70
	1449	198	1647	1304	271	1575	1641	210	1851	847	172	1019	367	73	440	5608	6532
Less Removal :																	
U/S 20(1)(a)	—4	—2	—6	—4	—3	—7	—5	—2	—7	—5	—	—5	—	—	—	—18	—25
U/S 20(1)(b)	—4	—	—4	—1	—	—1	—1	—1	—2	—	—	—	—1	—	—1	—7	—8
U/S 20(1)(c)	—20	—2	—22	15		—	—42		—43	—14	—1	—15	—7	—	—7	—88	—94
	1421	194	1615	1284	266	1550	1603	206	1809	828	171	999	359	73	432	5495	6405
Changes from one Region to another during the year 1985-86	+46	+6	+52	+63	+11	+74	+42	+2	+44	+60	+5	+65	+31	+3	+34	+242	+269
	—61	—3	—64	—44	—1	—45	—58	—7	—65	—35	—9	—44	—44	—7	—57	—242	—26
Total as on 31st March 1986	1406	197	1603	1303	276	1579	1587	201	1788	853	167	1020	346	69	415	5495	6405
No. of Members holding Certificate of Practice as on 31st March 1986	187	101	288	110	93	203	117	79	196	60	45	105	9	4	13	483	805

ANNEXURE III

EXAMINATION STATISTICS

GROUP(S)	APPEARED	PASSED
JUNE 1985		
Intermediate Examination (Old Syllabus)		
Gr. I Completing	1048	446
Gr. II Completing	656	141
Gr. III Completing	262	15
Grs. I & II Completing	388	177
Gr. I		56
Gr. II		18
Grs. I & III Completing	354	33
Gr. I		51
Gr. III		38
Grs. II & III	425	31
Gr. II		39
Gr. III		30
Gr. I Only	1913	300
Gr. II Only	3415	301
Gr. III Only	3257	305
Grs. I & II Only	506	8
Gr. I		44
Gr. II		11
Grs. I & III Only	497	6
Gr. I		52
Gr. III		8
Grs. II & III Only	1419	26
Gr. II		94
Gr. III		49
Grs. I, II & III	394	3
Gr. I		28
Gr. II		14
Gr. III		10
Grs. I & II		4
Grs. I & III		1
Grs. II & III		2
JUNE 1985		
Intermediate Examination (Revised Syllabus)		
Gr. I Completing	41	6
Gr. II Completing	22	12
Grs. I & II Completing	232	34
Gr. I		11
Gr. II		28
Gr. I Only	1101	88
Gr. II Only	504	62
JUNE 1985		
Final Examination (old Syllabus)		
Gr. I Completing	252	96
Gr. II @	129	93
Gr. III Completing	178	45
Grs. I & II Completing	57	12
Gr. I		6
Gr. II		21
Grs. I & III Completing	140	70
Gr. I		39
Gr. III		1
Grs. II & III	124	3
Gr. II		69
Gr. III		1
Gr. I Only	316	62

GROUP(S)	APPEARED	PASSED
Gr. II Only	265	137
Gr. III Only	702	23
Grs. I & II Only	70	6
Gr. I		6
Gr. II		25
Grs. I & III Only	240	1
Gr. I		41
Gr. III		2
Grs. II & III Only	300	4
Gr. II		157
Gr. III		—
Grs. I, II & III	154	1
Gr. I		13
Gr. II		48
Gr. III		1
Grs. I & II		18
Grs. I & III		—
Grs. II & III		2
JUNE 1985		
Final Examination (Revised Syllabus)		
Gr. I Completing	29	15
Gr. II Completing	27	17
Grs. I & II Completing	335	30
Gr. I		74
Gr. II		15
Gr. I Only	315	60
Gr. II Only	219	22
JUNE 1985		
Preliminary Examination REGIONS		
Eastern	1128	619
Western	1041	725
Northern	980	593
Southern	1119	506
Total	4268	2443

DECEMBER 1985Intermediate Examination
(Old Syllabus)

Gr. I Completing	925	349
Gr. II Completing	747	311
Gr. III Completing	403	242
Grs. I & II Completing	256	32
Gr. I		36
Gr. II		57
Grs. I & III Completing	387	56
Gr. I		52
Gr. III		78
Grs. II & III	473	56
Gr. II		89
Gr. III		61
Gr. I Only	1351	220
Gr. II Only	2807	660
Gr. III Only	2311	414
Grs. I & II Only	438	18
Gr. I		38
Gr. II		46
Grs. I & III Only	423	10
Gr. I		39

GROU (S)	APPEARED	PASSED
Gr. III		18
Grs. II & III Only	1118	55
Gr. II		217
Gr. III		65
Grs. I, II & III	402	13
Gr. I		24
Gr. II		34
Gr. III		11
Grs. I & II		7
Gts. I & III		4
Grs. II & III		4

DECEMBER 1985**Intermediate Examination
(Revised Syllabus)**

Gr. I Completing	98	36
Gr. II Completing	95	71
Gss. I & II Completing	344	47
Gr. I	—	30
Gr. II	—	55
Gr. I Only	2155	248
Gr. II Only	1366	245

DECEMBER 1985**Final Examination****(Old Syllabus)**

Gr. I Completing	178	32
Gr. II Completing	39	116
Gr. III Completing	301	118
Grs. I & II Completing	19	3
Gr. I	—	5
Gr. II	—	3
Grs. I & III Completing	214	33
Gr. I	—	55
Gr. III	—	16
Grs. II & III	95	7
Gr. II	—	16
Gr. III	—	5
Gr. I Only	271	50
Gr. II Only	90	14
Grs. III Only	591	60
Grs. I & II Only	31	4

GROUP(S)	APPEARED	PASSED
Gr. I	—	2
Gr. II	—	1
Grs. I & III Only	183	7
Gr. I	—	29
Gr. III	—	3
Grs. II & III Only	96	4
Gr. II	—	20
Gr. III	—	3
Grs. I, II & III	96	4
G. I	—	13
Gr. II	—	10
Gr. III	—	7
Grs. I & II	—	4
Grs. I & III	—	—
Grs. II & III	—	—
Gr. I Completing	60	34
Gr. II	122	59
Grs. I & II	577	60
Gr. I	—	56
Gr. II	—	62
Gr. I Only	453	49
Gr. II Only	394	63

DECEMBER 1985**Preliminary Examination****Regions**

Eastern	1989	922
Western	2204	1410
Northern	1084	497
Southern	1940	956
Total	7217	3785

DECEMBER 1985**Management Accountancy
Examination (Part I)**

Gr. I. (Completing)	1	Nil
Gr. II	1	Nil
Gr. I Only	5	1
Gr. II Only	1	Nil
Grs. I & II Only	5	Gr. I—Nil Gr. II—1

EXAMINATION PRIZES—1985

December 1984

G. BASU FOUNDATION PRIZE

Final Examination :

(Best candidate of Dec. 84 & June 85)

June 1985

Pasanta Kr. Chanera

December 1985

G. D. MUNDHRA MEMORIAL**GOLD MEDAL**

For highest marks in the subject— Advanced Accountancy of Final Examination

Amit Kumar Basu

S. K. Dhamija

J. N. BOSE MEMORIAL**GOLD MEDAL**

For highest total marks in Costing Group of Final Examination

P. Venkatesh

S. Swaminathan

V. SRINIVASAN MEMORIAL**GOLD MEDAL**

For highest total marks in Group-II of Final Examination Ramanujam Sukumar I. V. R. Nambiar

SUBHAS ADHYA MEMORIAL CASH PRIZE

For highest marks in the subject Cost Audit and Management Audit of Final Examination. Ravindra Vaman Bhide Shanti Ekambaram

N. SARKAR MEMORIAL**CASH PRIZE**

For highest marks in the subject Financial Management of Final Examination R. Venkiteswaran Shanti Ekambaram

K. RAMACHANDRAN MEMORIAL**CASH PRIZE**

(For securing highest total marks without exemption in Final Examination) Y. Kumar P. Dhileepan
June 1985 December 1985

U. N. SUR MEMORIAL**CASH PRIZE**

For securing highest and second highest total marks in intermediate Examination taking all the subjects together Dilip Kr. Madhogaria C. S. Krishnan
P. Suresh S. Rajan

B. C. CHAKRABORTY MEMORIAL**CASH PRIZE**

(Highest Marks in Economics—Best Candidate of Dec. '84 & June '85) R. Ramesh

INSTITUTES GENERAL PROFICIENCY PRIZE—SILVER MEDAL

For securing highest total marks without exemption :

Final	Y. Kumar	P. Dhileepan
Intermediate	D. K. Madhogaria	C. S. Krishnan

INSTITUTES CASH PRIZES

For having passed the examination taking all the subjects together (Awarded to the first three candidates)

Final	Y. Kumar	P. Dhileepan
	J. K. Monga	T. Kumar
	K. Ravi Kumar	Rajiv Manpuria
Intermediate	D. K. Madhogaria	C. S. Krishnan
	P. Suresh	P. K. Agrawal
	K. B. Mazumdar	S. Rajan

INSTITUTES BOOK PRIZE

For highest marks in Costing Group of Intermediate Examination P. Chinnaraj S. S. Biradar

BIKRAMJIT MAJUMDAR**MEMORIAL PRIZE**

For highest marks in Group -II Intermediate Examination K. R. Vasanth N. P. Sinth

SMT. RAJAMMA AND SHRI M. R.**SREENIVASA IYENGAR PRIZE**

For highest marks in 'Principles and Practice of Management' of Final Examination K. L. Swami P. Balakrishnan

FINAL (Contd.)

June 1985

December 1985

MERIT CERTIFICATES

For passing all the three Groups at one sitting without exemption :

FINAL

(Both Old & Revised Syllabus)

Y. Kumar
J. K. Monga
K. Ravikumar
V. Venkatesh
V. R. Ramachandran
G. V. Nageswara Rao
K. Ramesh
A. K. Prasad
J. S. Bhaskar
J. V. Anant
Arvind Singh
R. Ramesh Chari

P. Dhileepan
T. Kumar
R. Manpurai
V. Awati
B. K. Sankar
G. Naganathan
S. Ravindran
M. C. Srikanth
S. Ekambaram
S. R. Subramanian
R. Prakash
D. D. John
K. M. Balkrishna
C. K. Swami
K. Padmasri
S. Krishnan
N. Jain
S. S. Bhatla
A. K. Tulsian
S. Chaki
S. Srinivasan

S. Maheswari

INTERMEDIATE

(Both Old and Revised Syllabus)

D.K. Madhogaria
P. Suresh
K. B. Mazumdar

C. S. Krishnan
S. Rajan
P. K. Agrawal
P. V. Kannan
S. Mukhopadhyay
S. C. Kothari
A. K. Gupta
P. Manoharan
S. Sunderam
S. Srikanth
R. Krishnan
K. R. Ravishanker
S. Selvam
H. M. Namjoshi

*Revised Syllabus :

Introduced from December 1984 examination.

ANNEXURE V.

PROGRAMMES CONDUCTED BY PROGRAMME DIRECTORATE OF THE INSTITUTE AND REGIONAL COUNCIL AND CHAPTERS

PROGRAMME DIRECTORATE

	Date	Place	Jointly with	TOPIC
1985	May	Calcutta	Central Exise	Cost and Management Accounting
	June	New Delhi	DPAR, Govt. of India	Project Cost Accounting and Control
	June	Darjeeling	—	Internal Auditing—Tools and Techniques
	July	Thailand, Malaysia & Singapore	—	Financial Management and Management Accounting
	August	Calcutta	Balmer Lawrie	Cost and Financial Accounting
	August	New Delhi	BPE	Cost Control and Cost Reduction
	August	Gurgaon, Haryana	MDI	Management of Capital Expenditure
	September	Neyveli	NLC	Cost Information for Control
	December	Darjeeling	RCC	Computer Based Management Accounting
	December	Ranchi	HEC	Budgetary Control
1986	February	Calcutta	—	Cost Audit
	February	Calcutta	IAAI	Financial Accounting and Control,
	February	Calcutta	—	National Convention
	February	Calcutta	—	Office Management and Productivity
	February to March	Calcutta	ICAI	New Dimensions in Financial Management and Management Accounting
	March	New Delhi	BPE	Effect of Pricing Policies in Functioning of Public Enterprises
	March	Goa	IIMM	Integrated Materials Management

WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

	Date	Place	Event	Topic
1985	April	Bombay	Seminar	Cost and Financial Management in Construction industry
	April	Bombay	Lecture	Cost Accountant and Computers
	June	Bombay	Seminar	Cost Accounting and Cost Audit in Engineering Industry
	Septemeber	Bombay	Training Programme	Workshop on Working Capital Facilities
	October	Bombay	Seminar	Sales Tax
	October & Nombember	Bombay	Training Programme	Auditing and Control Techniques for Computerised Accounting
1986	February	Korba	Regional Cost Conference	India in 21st Century—Challenges for Management Accountants

Ahmedabad Chapter of Cost Accountants

1985	December		7th Study Circle Meeting	New Textile Policy
	February		8th Study Circle Meeting	Leasing—a developing Field
	March		Budget	A talk on budget

Nagpur Chapter of Cost Accountants

1986	January		Lecture	Morals in Management and their application
	March		Seminar	Role of Cost Accountants in VII Plan

Nasik-Oghar Chapter of Cost Accountants

1985	June		Seminar	Games Managers Play
1986	February		Workshop	Good Supervision
	March		Workshop	MODVAT

Pune Chapter of Cost Accountants

1985	May		Seminary	Tax Planning not Tax Evasion
	August		Lecture	Registration of Company and matters incidental thereto
	August		Lecture	Control of Black Money
1986	March		Lecture	Union Budget—1986-87
	March		Lecture	Recent Developments on Capital issues

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

1985	August	Madras	Workshop	The State of the Art of Budgeting in U. S. Firms : Some implications of Management Accountants in India
	September	Trichy	Training Programme	Finance for Non-finance Executives
	September	Neyveli	Training Programme	Cost Information for Control
	October	Madras	Training Programme	Costing and Financial Management
1986	January	Cochin	Regional Cost Conference	Effectiveness of Cost Accounts and Audit
	February	Hyderabad	Basvaraju Memorial Lecture	International Management Accounting—Challenges and Opportunities

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

1985	April	Calcutta	Training Programme	For International Airport Authority of India
	April	Calcutta	Mambers Meet	Fund Management
	May	Patna	Training Programme	Commercial Accountancy

	Date	Place	Event	Topic
	June	Calcutta	Members' Meet	Working Capital Management in Public Sector Undertakings
	July	Calcutta	Do.	Role of Accountants in Economic Development
	August	Calcutta	Do.	Computer Science and Executive Selection Procedures
	September	Calcutta	Do.	Management Science and COIS in Banking System
	October	Calcutta	Do.	Quantitative Techniques a Decision Making Tool
	November	Calcutta	Do.	Role of Management Accountants in the area of Indirect Taxation
	November	Gauhati	Training Programme	Financial Management
	December	Calcutta	Members' Meet	Financial Modelling using IFPS
1986	January	Calcutta	Members' Meet	Indirect Taxation
	February	Do.	Do.	Proposed Change in Indirect Taxes Laws and Long Term Fiscal Policies
	March	Do.	Do.	Company Law and the Management Accountant
	February	Calcutta	28th National Convention	National Economy into the 21st Century—Innovation, Information Management and the Management Accountant

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

1985	April	Udaipur	Regional Cost Conference	Industrial Growth
	May	New Delhi	Training Programme	Cost Accounting (Central Excise Officers)
	June	Srinagar	M.D.P.	Forecasting and Profitability under Uncertainty
	July	New Delhi	Training Programme	Cost Accounting (National Small Industries Corpn.)
	July	New Delhi	Do.	Cost Accounting (Central Excise Superintendents and Inspectors)
	August-September	New Delhi	Do.	Cost Accounting and Management Accounting (International Airport Authority of India Grade I Assistants)
	September	New Delhi	Members' Meet	Agricultural Price Policy
	October	New Delhi	Training Programme	Cost Accounting and Financial Accounting (Customs and Central Excise Grade 'A' Probationers)
	Oct-Nov	New Delhi	Do.	Accounts (National Co-op. Dev. Corpn. First Level Officers)
	December	New Delhi	Members' Meet	Why Managers Succeed or Fail
1986	January	New Delhi	Do.	Profession of Cost Accounting with Special Relevance to Statutory Cost Audit
	February	New Delhi	Do.	Perspective of Capital Market
	March	New Delhi	Do.	Union Budget and Fiscal Policy

Jaipur Chapter of Cost Accountants

1985	April	Jaipur	Lecture	Project Monitoring
	April	Jaipur	Lecture	Working Capital Management
	April	Jaipur	Training Programme	For Supervisory Staff Floor Level and Middle Level Executives of Public Sector Undertakings

Faridabad Chapter of Cost Accountants

1986	February	Faridabad	Seminar	Zero Base Budgeting
------	----------	-----------	---------	---------------------

ANNEXURE VI

DEFINITIVE STATEMENTS & EXPOSURE DRAFTS ISSUED BY INTERNATIONAL ACCOUNTING BODIES
PUBLISHED IN "THE MANAGEMENT ACCOUNTANT" DURING APRIL 1985 TO MARCH 1986

Definitive Statements

IFAC : IAG 20

The effects of an EDP environment on the
Study and Evaluation of the Accounting
System and Related Internal Controls

IFAC : MAP Study 1

Control of Computer Application

Exposure Drafts

IASC : ED 27

Accounting and Reporting by Retirement Benefit Plans

AUDITOR'S REPORT

ACCOUNTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1986

I have audited the attached Balance Sheet of the Institute of Cost and Works Accountants of India as at 31st March 1986 and the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of my audit.

The Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by the Report are in agreement with the books of Accounts.

In my opinion, the accounts are maintained in conformity with the requirements of the Cost and Works Accountants Act and Regulations, 1959.

In my opinion, and to the best of my information and according to the explanations given to me, the statements of accounts read together with Notes thereon give a true and fair view

(i) in the case of the Balance Sheet of the state of affairs as on 31st March 1986 and

(ii) in the case of the Income and Expenditure Account of the surplus for the year ended on that date.

Dated 21st July 1986
10, Old Post Office Street
Calcutta

AMALENDU CHATTERJEE, F.C.A.
Chartered Accountant
Auditor

BALANCE SHEET

AS AT 31ST MARCH 1986

PARTICULARS	Note	This Year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
INSTITUTE FUNDS :			
General Fund	(1)	1,56,23,086	1,34,99,57
Research Fund	(2)	3,30,936	3,30,936
Gratuity Fund	(3)	10,59,439	9,60,685
Employees' Benevolent Fund	(4)	15,398	—
		<u>1,70,28,859</u>	<u>1,47,91,195</u>
REPRESENTED BY :			
Fixed Assets	(5)	73,66,668	61,41,388
Investments	(6)	54,98,005	46,74,910
Current Assets	(7)	34,01,935	
Less : Current Liabilities	(8)	<u>11,18,094</u>	<u>16,83,398</u>
Loans and Advances	(9)	18,80,345	22,91,499
		<u>1,70,28,859</u>	<u>1,47,91,195</u>

Signed in terms of my report of even date.

AMALENDU CHATTERJEE, F.C.A.
Chartered Accountant,
Auditor.

Dalcutta,
Cated 21st July, 1986

By order of the Council

P.S. NADKARNI,
President,
D. C. BHATTACHARYYA,
Secretary.

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1986

Particulars .	Note	This Year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
INCOME			
By Annual Subscription etc.	(10)	20,31,274	19,78,363
„ Examination Fees etc.	(11)	49,90,101	43,67,494
„ Tuition Fees etc.	(12)	53,52,767	53,69,128
„ Interest		5,10,791	5,06,303
„ Publications		2,44,964	1,24,365
„ Journal		1,44,735	1,60,275
„ Professional Development Programmes		4,42,766	2,10,236
		1,37,17,398	1,27,16,164
Deficit for the year		—	4,85,734
TOTAL		1,37,17,398	1,32,01,918
EXPENDITURE			
To Establishment	(13)	47,16,404	46,13,348
„ Office Expenses	(14)	17,68,898	17,25,645
„ Advertisement		27,296	45,811
„ Statutory Audit Fee		7,000	7,000
„ Internal Audit Fee		19,000	27,000
„ Travelling and Conveyance		1,44,520	1,85,253
„ Contribution to Employees' Recreation Club		5,000	3,000
„ Contribution to Employees' Co-operative Society for Silver Jubilee Celebration		—	5,000
„ Examination Charges	(16)	24,73,913	24,00,369
„ Tutor's Remuneration		3,36,588	4,09,574
„ Study Materials Consumed		5,94,640	7,11,699
„ Council and Committee Meetings etc.	(17)	4,94,746	4,63,992
„ Journal Expenses		11,29,155	12,56,941
„ Revenue Grants to Regional Councils		6,29,538	5,19,000
„ Contribution to Regional Councils and Chapters for Seminars, Conferences etc.		49,000	58,000
„ Membership Subscription to Foreign Bodies		57,468	54,982
„ Conference and Meetings—International		1,90,285	3,66,900
„ Professional Development Programmes		4,07,159	1,53,730
„ Depreciation		2,18,014	1,94,674
		1,32,68,624	1,32,01,918
Surplus for the year		4,48,774	—
TOTAL		1,37,17,398	1,32,01,918

Signed in terms of my report of even date.

AMALENDU CHATTERJEE, F.C.A.
Chartered Accountant,
Auditor.

Calcutta,
Dated 21st July, 1986

By order of the Council.

P.S. NADKARNI,
President,
D. C. BHATTACHARYYA,
Secretary.

NOTES TO ACCOUNTS
Note No. 1 : GENERAL FUND
AS AT 31ST MARCH 1986

	Rs.	This Year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
Balance as per last account	—	1,34,99,574	1,17,83,753
Less : Refund during the year	—	5,050	524
		1,34,94,524	1,17,83,229
Add : Prior Period Adjustments :			
(i) incorporation of value of Chapter's Buildings cost (as per Ex. Comm's decision on 20-6-85)	11,79,823		
(ii) Others	14,481	11,94,304	—
		1,46,88,828	1,17,83,229
Less : Prior Period Adjustments :			
(i) Reversal for Advance for Income Tax	95,248		
(ii) Sundry Debtors for Journal Advertisement written-off as approved by the Council at its meeting held on 21-7-85	21,637		
(iii) Share of contribution for 10th CAPA	59,482		
(iv) Others	4,457	1,81,824	33,203
		1,45,07,004	1,17,50,026
Add : Entrance Fee (Members)	1,53,000		95,650
Entrance Fee (Students)	5,75,300		3,79,150
Library Donation	3,750		14,757
Others	—	7,32,050	1,033
		1,52,39,054	1,22,40,616
Less : Capital Grants to Regional Councils		64,742	1,14,625
		1,51,74,312	1,21,25,991
Less : Deficit for the year		—	4,85,754
		1,51,74,312	1,16,40,237
Add : Merger of Students' Facilities Fund as per decision of Executive Committee on 20-6-85		—	18,59,337
		1,51,74,312	1,34,99,574
Add : Surplus for the year		4,48,774	—
		1,56,23,086	1,34,99,574

Note No. 2 : RESEARCH FUND
AS AT 31ST MARCH 1986

	This Year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
As per last account	3,30,936	3,30,936
	3,30,936	3,30,936

Note No. 3 : STAFF GRATUITY FUND AS AT 31ST MARCH 1986

As per last account	9,60,585	9,27,437
Add : Contribution during the year	30,000	30,000
Interest earned during the year	98,633	77,122
	10,89,318	10,34,559
Less : Paid during the year	29,879	73,874
	10,59,439	9,60,685

Note No. 4 : STAFF BENEVOLENT FUND AS AT 31ST MARCH 1986

As per last account	—	—
Add : Contribution during the year	15,324	—
Interest earned on Investment during the year	74	—
	15,398	—
Less : Paid during the year	—	—

(This has been started this year as per approval of 108th Council Meeting dt. 26-11-1983)

By order of the Council
P. S. NADKARNI,
President,
D. C. BHATTACHARYYA,
Secretary.

Signed in terms of my report of even date.
AMALENDU CHATTERJEE, F.C.A.
Chartered Accountant,
Auditor,
Calcutta,
Dated : 21st July, 1986
6—259GI/86

Note No. 5 : FIXED ASSETS AS ON 31ST MARCH 1986

Description of Assets	At Cost as on 1-4-85	Addition/ Transfer during the year	Deduction during the year	Gross Block as on 31-3-86	DEPRECIATION				Net Book value as on 31-3-86	Net Book value as on 31-3-85
					Upto 31-3-85	During the year	Deduction the year	Total		
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
LAND AND BUILDINGS :										
Head Quarters	9,80,486	7,500	—	9,87,986	3,44,218	12,594	—	3,56,812	6,31,174	6,36,268
Regional Council and Chapters	55,80,046	12,74,785	—	68,54,831	6,81,198	1,25,090	—	8,06,288	60,48,543	48,98,848
FURNITURE & FITTINGS :										
Head Quarters	8,62,934	31,276	—	8,94,210	5,94,162	30,005	—	6,24,167	2,70,043	2,68,772
LIBRARY BOOKS :										
Head Quarters	2,60,629	64,346	—	3,24,975	1,50,920	17,406	—	1,68,326	1,56,649	1,09,709
OFFICE EQUIPMENTS :										
Head Quarters	1,42,040	65,387	—	2,07,427	27,679	17,975	—	45,654	1,61,773	1,14,361
GENERATOR :										
Head Quarters	1,18,011	—	—	1,18,011	40,584	7,743	—	48,327	69,684	77,427
MOTOR CAR :										
Head Quarters	75,004	—	—	75,004	39,001	7,201	—	46,202	28,802	36,003
TOTAL	80,19,150	14,43,294	—	94,62,444	18,77,762	2,18,014	—	20,95,776	73,66,668	61,41,388

This Year
1985-86
Rs.Last Year
1984-85
Rs.

Note No. 6 : INVESTMENTS

AS AT 31ST MARCH 1986

(a) Research Fund :		
in Fixed Deposit with Banks	3,30,935	3,30,935
(b) Professional Development Fund :		
in Fixed Deposit with Banks	3,741	3,741
(c) Training and Educational Facilities Fund :		
in Fixed Deposit with Banks	40,000	40,000
(d) Staff Gratuity Fund :		
in Fixed Deposit with Banks	9,45,511	7,37,740
(e) Staff Benevolent Fund :		
in Fixed Deposit with Banks	15,324	—
(f) General Fund :		
(i) in Fixed Deposit with Banks	41,61,994	35,61,994
(ii) 5 shares of Rs. 100/- each in Jai Brindaban Premises Trust Fund—Bombay	500	500
TOTAL	54,98,005	46,74,910

Note No. 7 : CURRENT ASSETS

AS AT 31ST MARCH 1986

Publication Stock (at cost)	5,00,321	3,70,984
Paper Stock (at cost)	26,737	1,92,828
Study Material Stock (at cost)	9,13,958	14,76,156
Accrued Interest on Investment (Misc. Fund)	1,14,994	1,25,778
Accrued Interest on Investment (Staff Gratuity Fund)	35,795	28,153
Accrued interest on investment (Staff Benevolent Fund)	74	—
Outstanding interest on Building Loan to Chapters	35,559	18,933
Sundry Debtors	3,12,919	3,29,312
Outstanding Membership Fees	—	66,980
Bank Reconciliation Adjustment (Net) (Balance upto 31-3-85 pending adjustment— an amount of Rs. 10,930 has since been realised)	60,400	52,672
Cash and Bank Balances :		
Cash in hand	Rs. 7,721	
At Banks	Rs. 13,03,782	
At Post Office	Rs. 89,675	
	14,01,178	5,29,792
	34,01,935	31,91,588

		This Year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
Note No. 8 : CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS			
AS AT 31ST MARCH 1986			
Current Liabilities :			
Library Deposits		2,04,552	1,88,677
Subscriptions and Fees Received in advance from Members		20,005	24,308
Non-specific Deposits (Refundable)		3,26,938	3,14,210
Sundry Creditors :			
Head Quarters	3,30,857		7,30,489
Regional Councils	58,143	3,89,000	1,45,159
(i) E.I.R.C.	28,014		
(ii) S.I.R.C.	9,217		
(iii) W.I.R.C.	14,242		
(iv) N.I.R.C.	6,670		
Caution Money Deposit from Oral Coaching Institutions (Refundable)		70,000	66,000
Atkinson Prize Fund		1,650	6,650
Compulsory Deposit Scheme		—	1,170
Employees' Public Provident Fund		18,344	8,101
Interest on Caution Money Deposit (Oral Coaching Institutions)		25,062	17,713
Interest on Prize Fund (Net)		5,408	3,627
Research Project (I.C.S.S.R.)		2,086	2,086
Journal Advertisement Received in Advance		4,806	—
Professional Development Programme :			
Pending Settlement of Credit	41,250		
Programme account Debit	1,237	40,013	
Establishment Suspense (K.P. Koyal)		8,744	
P.F. Suspense (K.P. Koyal)		743	—
P.F. Suspense (Employer's Cont.)		743	—
		11,18,094	15,08,190
Note No. 9 : LOANS AND ADVANCELS			
AS AT 31ST MARCH 1986			
Deposits :			
	Rs.	65,100	56,687
Telex	20,000		
Electric	11,500		
Telephones	27,000		
Others	6,600		
Advance—Regional Councils' Building under Construction		8,00,000	2,94,962
Advance—Income Tax (Institute)		—	6,95,859
Advance—(Miscellaneous) :		5,83,744	8,01,255
(including Rs. 12,818 to Council Members pending adjustment)			
Building Loans to Chapters :		3,81,000	4,10,000
Prepaid Expenses :		46,323	32,736
Postage (Franking)	22,191		
Insurance	16,492		
Telex Charges (New Delhi)	7,640		
Research Project (B.P.E.)		4,178	—
Dr.	41,678		
Cr. (—)	37,500		
		18,80,345	22,91,499
Annual Subscription and Other Fees :			
By Members' Annual Subscription	—	8,64,006	5,82,512
„ Students :			
(i) Annual Subscription	1,66,553		
(ii) Registration Fee (3/5th)	8,62,950		
		10,29,503	12,85,257
„ Members Restoration Fee	—	350	200
„ Members Certificate of Practice Fee	—	41,975	38,200
„ Grad. C.W.A. Fee		76,765	72,194
„ Nomination Fee		18,875	—
		20,31,274	19,78,363

Note No. 10 - INCOME	This year 1985-86 Rs.	Last Year 1984-85 Rs.
Note No. 11 : EXAMINATION AND OTHER FEES		
By Examination Fees	47,40,774	42,12,351
„ Verification of Answer Paper Fees	64,360	22,230
„ Sundry Income	17,533	34,93 ₃
„ Sale of Preliminary Examination Forms	1,67,434	97,980
	<u>49,90,011</u>	<u>43,67,494</u>
Note No. 12 : TUITION AND OTHER FEES		
By Tuition Fees	45,35,822	43,12,094
„ Recognition Fees	400	1,200
„ Recurring Annual Fees	32,500	34,000
„ Service Fees	3,88,840	6,83,040
„ Sale of Study Notes	3,81,215	3,38,79
„ Revalidation of Coaching Completion Certificate Fee	9,974	—
„ Sales of Coaching Revalidation Forms	4,016	—
	<u>53,52,767</u>	<u>53,69,128</u>
Note No. 13 : ESTABLISHMENT		
To Salaries and Allowances	42,55,029	41,39,249
„ Employers' Contribution to Employees' Provident Fund	2,52,929	2,35,63
„ Employer's Contribution to Employees' Public Provident Fund	5,257	4,600
„ Employers' Contribution to Employees' Gratuity Fund	30,000	30,000
„ Employers' Contribution to Employees' Benevolent Fund	10,216	—
„ Medical Benefit to Employees	1,22,173	1,19,136
„ Leave Travel Allowance	40,800	84,700
	<u>47,16,404</u>	<u>46,13,348</u>
Note No. 14 : OFFICE EXPENSES		
To Stationary and Printing	4,25,587	5,10,955
„ Postages, Telephone and Telephone including Telex Expenses	5,85,585	5,75,338
„ Electricity	96,807	76,991
„ Rates and Taxes	41,607	24,792
„ Insurance	34,379	13,700
„ Legal Charges	69,710	20,281
„ Bank Charges	10,439	6,125
„ Repairs and Maintenance	1,33,490	1,99,643
„ Car Upkeep	19,589	12,441
„ Sundry Expenses	1,40,243	1,52,854
„ Election Expenses	83,023	—
„ Interest on Caution Money	9,079	7,163
„ Study Material Distribution Expenses	80,667	59,109
„ Watch and Ward Expenses	4,148	3,990
„ Generator Expenses	1,679	5,998
„ Resecarch Expenses	—	158
„ Professional Development Expenses	30,036	50,25 ₅
„ Cartage, Packig and Forwarding	2,830	5,852
	<u>17,68,898</u>	<u>17,25,645</u>

Note No. 15 : RE-IMBURSEMENT OF EXPENSES TO REGIONAL COUNCILS,,

The amount paid/re-imbursed to the Regional Councils on different accounts during the year have been included in the respective heads of expenditure in the income and Expenditure Account. However, the expenditure for the year 1985-86 are given hereunder for information :

	E.I.R.C.	S.I.R.C.	W.I.R.C.	N.I.R.C.	Total	Last Year 1984-85
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
1. Printing and Stationary	3,456	17,380	1,290	4,485	26,611	51,657
2. Postage and Telegram (Decentralisation Scheme) .	59,219	80,434	30,412	49,057	2,19,122	2,82,122
3. Postal Coaching Tutor's Remuneration	1,26,832	79,252	46,261	63,434	3,15,779	3,76,500
4. Repairs and Maintenance	24,118	2,215	18,169	—	44,502	30,027
5. Rates and Taxes	1,439	5,061	160	—	6,660	6,731
6. Cartage, Packing and Forwarding	153	435	2,068	174	2,830	5,852
7. Insurance	932	—	217	—	1,149	—
	<u>2,16,549</u>	<u>1,85,777</u>	<u>98,577</u>	<u>1,17,150</u>	<u>6,16,653</u>	<u>7,52,879</u>

Note No. 16 : EXAMINATION AND OTHER CHARGES

	This Year 1985-85	Last Year 1984-85
	Rs.	Rs.
To Examination Charges	24,65,804	23,88,521
„ Prizes	8,109	11,848
	<u>24,73,913</u>	<u>24,00,369</u>

Note No. 17 : COUNCIL & COMMITTEE MEETINGS ETC.

To Council and Committee Meetings	4,48,736	4,18,490
„ Travelling Allowance to Council Members	28,581	21,502
„ Travelling Allowance to President	17,429	24,000
	<u>4,94,746</u>	<u>4,63,992</u>

PRIZE FUND

V. Srinivasan Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	6000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	6,000	00		
„ Accrued Interest due from Bank	609	36	Add : Interest received during year	196	70		
			Add : Due from Institute as per last A/cs	47	70		
				<u>244</u>	00		
			Add : Advance from Institute during the year	755	60		
				<u>1,000</u>	00		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	609	36		
				<u>1,609</u>	36		
			Less : Cost of prizes	<u>1,000</u>	00		
						609	36
Total	<u>6,609</u>	36	Total			<u>6,609</u>	36

J.P. Bose Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	5,200	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank			5,200	00
„ Accrued Interest due from Bank	49	43	„ Interest received upto 31-3-86	2,123	34		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	49	43		
						2,172	77
			Less : Advance by Institute as per last A/cs			1,605	60
						567	17
			Add : Advance by the Institute during the year			482	26
						1,049	43
			Less : Cost of Prizes			1,000	00
							49 43
Total	5,249	43	Total			5,249	43

B.N. Ganguly Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	3,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	—		3,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	304	68	„ Interest received upto 31-3-86	98	40		
„ Amount due from Institute	1,452	40	Add : Interest accrued upto 31-3-86	304	68		
						403	08
			Add : Due from Institute as per last A/cs.			1,354	00
							1,757 08
Total	4,77	08	Total			4,757	08

G.D. Mundhra Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	6,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	—		6,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	162	73	„ Interest received upto 31-3-86	2,458	15		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	162	73		
						2,620	88
			Less : Advance by Institute as per last A/cs.			1,605	60
						1,015	28
			Add : Advance by Institute for the year			147	45
						1,162	73
			Less : Cost of Prize			1,000	00
							162 73
Total	6,162	73	Total			6,162	73

U. N. Sur Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	10,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	—		10,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	165	75	„ Interest received upto 31-3-86	1,094	45		
„ Amount due from Institute	2,486	45	Add : Interest accrued upto 31-3-86	165	75		
						1,260	20
			Add : Due from Institute as per last A/cs			2,392	00
						3,652	20
			Less : Cost of Prize			1,000	00
							2,652 20
Total	12,652	20	Total			12,652	20

N. Sarkar Memorial Prize Fund : As at 3-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	10,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank			10,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	394	52	„ Interest received upto 31-3-86	1,000	00		
„ Amount due from Institute	2,000	00	Add : Due from Institute as per last A/cs	2,000	00		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	394	52		
				3,394	52		
			Less : Cost of Prize	1,000	00		
						2,394	52
Total	12,394	52	Total			12,394	52

Subash Addy Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	5,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	—		5,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	131	09	„ Interest received upto 31-3-86	825	00		
„ Amount due from Institute	1,075	00	Add : Due from Institute as per last A/cs	750	00		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	131	09		
				1,706	09		
			Less : Cost of Prize	500	00		
						1,206	09
Total	6,026	09	Total			6,026	09

Bhikramjit Majumdar Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	5,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank	—		5,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	135	60	„ Interest received upto 31-3-86	550	00		
„ Amount due from Institute	672	20	Add : Due from Institute as per last A/cs	122	20		
			Add : Interest accrued upto 31-3-86	135	60		
						807	80
Total	5,807	80	Total			5,807	80

B.C. Chakraborty Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	6,000	00	By Balance in Fixed Deposit with Bank			6,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	162	73	„ Interest received upto 31-3-86	660	00		
„ Amount due from Institute	232	30	Add : Due from Institute as per last A/cs	172	30		
			Add : Accrued Interest upto 31-3-86	163	73		
				995	03		
			Less : Cost of Prize	600	00		
						395	03
Total	6,395	03	Total			6,395	03

Smt. Rajamma and M.R.S. Iyengar Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	5,000	00	By Amount in Fixed Deposit with Bank			5,000	00
„ Accrued Interest due from Bank	90	40	Add : Accrued Interest upto 31-3-86	90	40		
			Add : Advance by Institute	500	00		
				590	40		
			Less : Cost of Prize	500	00		
						90	40
Total	5,090	40	Total			5,090	40

K. had an Memorial Prize Fund : As at 31-3-1986

	Rs.	P.		Rs.	P.	Rs.	P.
To Balance in Fixed Deposit with Bank	6,550	00	By Amount in Fixed Deposit with Bank	—		6,550	00
„ Accrued Interest due from Bank	118	43	Add : Accrued Interest upto 31-3-86	118	43		
			Add : Advance by Institute	325	00		
					443	43	
			Less : Cost of Prize		325	00	
						118	43
Total	6,668	43	Total			6,668	43

Signed in terms of my report of even date.
Amalendu Chatterjee, F.C.A.
Chartered Accountant,
Auditor.

Calcutta,
Dated 21st July, 1986

By order of the Council.
P.S. Nadkarni,
President,
D.C. Bhattacharyya,
Secretary.

NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION

New Delhi, the 18th August 1986

No. NCDC. 1-1/78-P&C.—In exercise of the powers conferred by Section 23 of the National Cooperative Development Corporation Act, 1962 (26 of 1962), the National Cooperative Development Corporation, hereby makes the following regulations further to amend National Cooperative Development Corporation General Regulations, 1975, namely:—

- (1) These regulations may be called the National Cooperative Development Corporation General (Amendment) Regulations, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Cooperative Development Corporation General Regulations, 1975, in regulation 19, in sub-paragraph (a) of paragraph 'A' in item (iii), for the words and figures "Rs. 1.30 per Km." as both the places where they occur the words and figures "Rs. 2/- per Km." shall be substituted.

R. V. GUPTA
Managing Director
National Cooperative Development Corporation
New Delhi

APPENDIX**PHARMACY COUNCIL OF INDIA**

New Delhi, the 11th September 1986

CORRIGENDUM

Ref. No. 17-1/86-PCI/6248-67.—In partial modification of the resolution published in the Gazette of India No. 25, Part III, Section 4 of dated 21st June, 1986 (pages 1167-69), the following corrections are made:—

- On page 1167, in line 4 of para (2) of the resolution No. 586.
for "the Diploma examination for Diploma in Pharmacy in respect to vesity, Dibrugarh".
read "Diploma examination in Pharmacy held by the Dibrugarh University, Dibrugarh".
- On page 1168, resolution No. 591 against Quilon,
for "From 1985 to 1985"
read "From 1985 to 1986".

- On page 1169, in line 6 of para (1) of resolution No. 597.

for "Diploma in Pharmacy".
read "Degree in Pharmacy".

DEVINDER K. JAIN
Secretary-cum-Registrar

THE BAR COUNCIL OF INDIA RULES

Dated September 1986

Advt/III.IV(71)(i)/86.—Hereunder is given the revised Rules in Part IV of the Rules of the Bar Council of India relating to Legal Education approved at meeting of the Bar Council of India dated 15th and 16th February, 1986.

PART—IV

Standards of Legal Education and Recognition of Degrees in Law for Admission as Advocate

(Rules under section 7(h) and (i), 24(1)(c)(iii) and (iiiia), and 49(1) (af), (ag) and (d) of the Advocates Act, 1961.)

1. There shall be a five years course of law after 10+2 or 11+1 comprising of two Parts viz. Part I which will be a two year core programme of pre-law study and Part II which will be a three-year programme for professional training in law.

2. (1) Save as provided in Rules 7, 23, 24 and 25 of the rules hereunder, a degree in law obtained from any university in the territory of India shall not be recognised for purposes for enrolment as advocate under the Advocates Act, 1961 from June 1, 1982 unless the following conditions are fulfilled:

- That at the time of joining the course of instruction in law for a degree in law, the person concerned has passed an examination in 10+2 course of schooling recognised by the educational authority of the Central or the State Governments or possesses such academic qualifications which are considered equivalent to 10+2 courses by the Bar Council of India.
- The law degree has been obtained after undergoing a regular course of study in a duly recognised law college under these rules for a minimum period of five years, out of which the first two years shall be devoted to study of pre-law courses as necessary qualification for admission to three-year course of study in law to be commenced thereafter. The last six months of the three years of the law course shall include a regular course of practical training.
- That the course of study in law has been by regular attendance for the requisite number of lectures, tutorials, moot courts and practical training given by

a college affiliated to a University recognised by the Bar Council of India.

- (d) that the law degree has been obtained without undergoing any other course of instruction simultaneously during the period of five years of study in law.

3. (1) That the law education shall only be through whole-time Law Colleges or University Departments.

Provided such of the Universities which cannot implement the new rules from June 1, 1982 may continue the old system under intimation to the Bar Council of India for a term not exceeding two years from 1982-83. After such intimation the said Universities shall comply with requirement of Rule 23.

Provided further that the students who have been admitted to the 1st year LL.B. before 1st June, 1982 can continue to receive their education through part-time morning/evening colleges as the case may be.

(2) A college will be deemed to be whole-time college for the purpose of sub-rule 3(1) if the working time of the college or University department extends to at least thirty hours per week including contact and correspondence programme, tutorials, home assignments, library, clinical work, etc. with the further provision that the actual time for classroom lectures is not less than 20 hours per week.

4. The present three-year law course after graduation may continue upto 1986-87 but from the session 1987-88, all universities will be required to offer the five-year law course. Students admitted to the three-year course during 1986-87 would be eligible to be enrolled as Advocates.

5. Admission of students to the course of instruction in law shall ordinarily be on the basis of merit. No student shall be admitted to the course of instruction in law unless he has *inter alia*, obtained 45 per cent marks in the aggregate in the qualifying examination for admission.

Provided that in the case of students of Schedule Castes and Scheduled Tribes a relaxation of marks upto 5 per cent in the qualifying examination may be given.

Provided further that in case of physically/orthopaedically handicapped relaxation of marks upto 5 per cent in the qualifying examination may be given on production of a certificate of disability from the Medical Officer, to the satisfaction of the authority concerned.

Explanation : Physically handicapped means and includes the following categories of physically handicapped persons;

(A) Blind—Blind is that who is suffering from either of the following conditions:

- (i) total absence of sight, and
- (ii) visual acuity in existing 6/16 or 20/200 (snellam) in better eye with correcting lenses.

(B) Deaf/Mute—

- (i) deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purpose of life;

- (ii) mute are those who cannot speak.

(C) Orthopaedically handicapped—

“Orthopaedically handicapped are those who have a major physical defect or deformity which causes an interference with normal functioning of bones, muscles and joints.”

6. The students shall be required to put in a minimum attendance of 66 per cent of the lectures on each of the subject as also at tutorials, moot courts and practical training course.

Provided that in exceptional cases for reasons to be recorded and communicated to the Bar Council of India, the Dean of the Faculty of Law and the Principals of the Law Colleges may condone attendance short of those required by the Rule, if the student had attended 66 per cent of the lectures in the aggregate for the semester or examination as the case may be.

7—259GI/86

7. Lateral entry will be permitted to Part II of the five-year law course at the discretion of the concerned university in respect of the following:

- (i) Candidates who have a post-graduate degree in Arts, Science or Commerce.
- (ii) Candidates who have done a three-year degree course (pass or honours) in arts, science or commerce with at least 50 per cent marks in the Bachelor's Degree examination or B grade in the 7-point scale.
- (iii) Candidates who have done a three-year degree course in any faculty other than those in 7(ii) above or those who have done a bridge course of one year after a degree course in any faculty, provided they qualify in a test to be conducted by the Law Department of the university concerned. Such candidates must have obtained at least 50 per cent marks in the qualifying examination before they are allowed to participate in the test.

Provided that the relaxation of marks provided under Rule 5 shall also apply to the candidates seeking admission under Rule 7.

Provided that the introduction of the five-year law course is a condition precedent for such lateral entry.

8. (1) The Part I examination should be so conducted as to be called a university examination. A student who has passed Part I of the law course shall be eligible for enrolment in the final year of the three-year degree course in arts, social science, etc., to supplicate for the B.A. degree.

(2) Papers listed in rule 12(1) of the Bar Council of India Rules (Part IV) for the two-year pre-law study under the scheme of five-year law course may be adopted by the universities with such modifications to make it possible for students to enter the B.A. programme after passing Part I with a view to supplicating for B.A. degree in one year. Modification of the listed papers must also keep in view the requirements of legal education for those who enter Part II of the course from other faculties. (The subject relating to legal language including legal writing may have to be shifted to Part II of the course).

9. The medium of instruction shall ordinarily be English. Where the medium of instruction is not English, or where pupil has in fact answered the papers for the law examination in a language other than English, he shall as a condition of his enrolment be required to pass a written test on 'Proficiency in English' to be conducted by a State Bar Council except when he has passed such a test as a part of his course of instruction in law.

Explanation : The test above mentioned shall require the standards of a holder of Bachelor's degree of a recognised university.

10. Individual universities may frame their own rules of admission to Part II in such a manner that post-graduates as well as graduates may be able to get admission.

11. (1) A law college shall be located at a place where there is a District Court or a Circuit District Court or within such distance thereof as the Bar Council of India permits.

(2) The Principal of the College shall ordinarily be full-time teacher in the College.

(3) The strength of part-time teachers shall not be more than 50 per cent of the total strength of the teachers.

(4) The library of the college or University Department shall remain open for at least 8 hours on every working day.

12 (1) The courses of instruction for the preparatory for law degree course shall include the following 7 compulsory subjects :

- | | |
|--|----------|
| 1. General English (Graduate Standard)
Part I and Part II | 2 Papers |
| 2. Political Science (Part I, Part II and
Part III) | 3 Papers |
| 3. Economics | 1 Paper |

- | | |
|--|---------|
| 4. History | 1 Paper |
| 5. Sociology | 1 Paper |
| 6. Legal Language including Legal Writing | 1 Paper |
| 7. History of Courts Legislature and Legal Profession in India | 1 Paper |

NOTE :

The Bar Council of India in consultation with experts formulated tentative outline of the courses in the preparatory stage and recommends them to the Universities imparting professional education in law. The suggested course outlines are attached to these rules as Appendices A to G.

(2) The Courses of instruction for three years of the study in law shall include the following 12 compulsory subjects :

- | | |
|--|---------|
| 1. (a) General principles of contract | 1 Paper |
| (b) Special Contract | 1 Paper |
| 2. Torts | 1 Paper |
| 3. Family Law | |
| (a) Hindu Law | 1 Paper |
| (b) Mohammaden Law, Indian Succession Act and Indian Divorce Act | 1 Paper |
| 4. Law of Crime and Procedure | 2 Paper |
| 5. Constitutional Law of India | 1 Paper |
| 6. Property Law and Easements | 1 Paper |
| 7. Evidence | 1 Paper |
| 8. Legal Theory (Jurisprudence) | 1 Paper |
| 9. Civil Procedure, Limitation and Arbitration | 1 Paper |
| 10. Administrative Law | 1 Paper |
| 11. Public International Law | 1 Paper |
| 12. Practical Training--six months instruction which shall include court visits, documents, rules of courts, exercise in drafting, pleadings, work at Lawyer's Chamber and attendance at Professional Ethic lectures. The student shall be required to pass an examination in this course to be conducted by the University concerned. | |

(3) Not less than 6 more subjects which may be chosen from the list hereunder and from amongst such other law subjects locally relevant as may be prescribed by the Universities at their option :

1. Equity
2. Company Law
3. Labour Law
4. Taxation
5. International Organisation
6. Bankruptcy
7. Law of Cooperation and Public Control of Business
8. Legislative Drafting
9. Military Law
10. Insurance
11. Trusts and other Fiduciary Obligation
12. Trade Marks, Copy Rights and Patents
13. International Economic Law
14. Criminology and Criminal Administration
15. Interpretation of Statutes and Principles of Legislation
16. Legal Remedies
17. Private International Law

18. Comparative Law
19. Law and Social Change
20. Law and Poverty
21. Law relating to land Revenue, Land Reform and Rural Development
22. Law and Planning
23. Law relating to Local Self Government.

13. For each paper there shall be lecture classes for at least 3 hours and one hour of tutorial work per week.

14. The examination shall ordinarily be held at the end of every year. The University shall, however, be at liberty to hold examinations at the end of every 6 months. Suitable allocation of Subjects for the period of one year or six months as the case may be shall be made by the University and the same be intimated to the Bar Council of India.

15. Full-time teachers of law including the Principal of the college shall be holders of a Master's degree in law and where the holders of Master's degree in law are not available, persons with teaching experience for a minimum period of 5 years in law may be considered. Part time teachers other than one with LL.M. Degree shall have a minimum practice of 5 years at the Bar.

16. University shall establish or recognise only those colleges which have whole time classes in law and have the requisite facilities and library as required by these rules.

17. The teaching load of full-time and part-time teachers shall be according to the norms prescribed by the U.G.C. from time to time.

18. The salaries aid to the Principal, full-time and part-time teachers shall be according to the scales recommended by the U.G.C. from time to time.

Other benefits like D.A., C.T.A. (Compensatory local allowance) House Rent Allowance, Provident Fund, etc. shall be according to the norms prescribed by the University concerned from time to time.

19. A law college affiliated to a University shall by June 1, 1987 be an Independent Law College and shall cease to be a department attached to a College.

Explanation : Independent law college means a full-time college with a regular qualified full-time Principal and requisite staff and facilities as provided by these rules.

20. (1) No college started after the coming into force of these rules shall impart instruction in a course of study in law for enrolment as an advocate unless its affiliation has been approved by the Bar Council of India.

(2) An existing law college shall not be competent to impart instruction in a course of study in law for enrolment as an advocate if the continuance of its affiliation is disapproved by the Bar Council of India.

21. The Bar Council of India shall cause a law college affiliated or sought to be affiliated to a University to be inspected by a Committee to be appointed by it for the purpose, when :

- (a) An application for approval of affiliation of a new college is received by it; or
It suo moto decides in order to ensure that the standards of legal education laid down by it are being complied with.
- (b) The application for approval of affiliation of new College shall be addressed to the Secretary, Bar Council of India, and shall be sent only through the Registrar of the University concerned with his recommendation.
- (c) The College and/or the University concerned shall furnish all the information to the committee of inspection and the Bar Council of India as and when required, and shall co-operate with them in every possible manner in the conduct of inspection.

(d) The committee of inspection shall submit a detailed report to the Bar Council with a clear recommendation as to whether the affiliation of new college be approved/disapproved or that of an existing college be withdrawn/continued or that certain directions be given for improvements to be carried out within the period to be specified. The report shall incorporate the reasons for the recommendations.

(e) If an unfavourable report is received, the Secretary of the Bar Council of India shall cause a copy of the same to be sent to the Registrar of the University concerned for his comments and explanations, if any. Such comments and explanations on the Report shall be sent by the Registrar of the University within a period of six weeks from the date of the receipt of the communication.

(f) The Secretary of the Bar Council of India shall cause the Report and the comments/explanation of Registrar of the University concerned to be placed before the next meeting of the Legal Education Committee of the Bar Council of India.

(g) If the Legal Education Committee is satisfied that the standards of legal education and/or the rules for affiliation or continuance of affiliation provided for in these rules by the Bar Council of India are not complied with and/or that the courses of study, teaching and/or examination are not such as to secure to persons undergoing legal education, the knowledge and training requisite for the competent practice of law, the legal education committee shall recommend to the Bar Council of India the approval/disapproval of affiliation or continuance of affiliation as the case may be.

The legal Education Committee may also recommend that certain directions be given for improvements to be carried out within the period to be specified.

(h) This recommendation of the Legal Education Committee along with the accompanying papers shall be placed before the Bar Council of India for its decision. In case the Bar Council of India disagreed with or modifies the recommendation of the Legal Education Committee for its consideration before arriving at a final decision in the matter.

(i) If the Council is of the opinion that affiliation of a college be disapproved it shall give notice of the proposed action to the Principal of the College and Registrar of the University to show cause within 30 days of the receipt of the notice and the Council shall take into consideration the reply received before making final orders.

(j) The decision of the Bar Council of India shall be communicated to the Registrar of the University. It shall be effective from the commencement of the next academic year following the date on which it is received by the Registrar of the University.

22. (1) The Council shall publish by notification in the Gazette of India and in prominent newspapers in India, the names of Universities whose degrees in Law are recognised under these rules with a list of Law Colleges under the Universities which are eligible to impart professional Legal Education as provided for under these rules and send a copy of the notification above referred to, to all the Universities imparting Legal Education and State Bar Councils.

Provided that for the purpose of sub-rule (1) above the existing University Law Departments and Law Colleges affiliated to universities shall be deemed to be professional law colleges under these rules unless otherwise decided by the Council.

(2) Information about the non-recognition or derecognition of the degree in law of an University shall also be sent to all Universities in India imparting Legal Education and to all State Bar Councils.

23. (1) Those Universities and Colleges which are approved by the Bar Council of India as professional institutions under the new rules will commence professional legal education according to these rules from the academic year 1982-83. However, Universities wanting more time for changing over to the new Scheme may be allowed permission by the Council to run the existing three-year LL.B. Course for a period not more than four academic years. If such permission is granted they may continue to admit graduates for the existing LL.B. Course till and inclusive of the academic year 1986-87.

(2) Such Universities seeking time for the change-over must declare their intention to switch over to new Five Years Law Course under these rules latest by the academic year 1986-87 and send a report within a year from June 1, 1985 to the Bar Council of India on the steps adopted for the purpose.

24. (1) Students who have joined the first year of the graduate course (B.A., B.Sc., B. Com., etc.) in 1983-84 or earlier will be eligible to pursue legal education under the old rules. The LL.B. course under the old rules may admit such students till the beginning of the academic year 1986-87.

(2) Admission to the LL.B. Course under the old rules will, however, be totally discontinued in such institutions imparting professional legal education after the academic year 1987-88.

Provided that such Universities may conduct examinations in 1st, 2nd or 3rd year LL.B. Courses to clear off the incumbents admitted to the old course before 1987-88 till such time the Universities may deem fit.

25. (1) If Universities located in States where the 10+2 school system is not yet in vogue propose to start the LL.B. Course under the new rules they will be free to do so.

(2) Universities in such States will also be allowed to continue with the existing LL.B. Course under the old rules until and inclusive of the academic year 1986-87.

26. The Bar Council of India may issue directives from time to time, for maintenance of the standard of Legal Education. The College/University is expected to follow them as compulsory.

NOTE :

The Rules above refer to professional legal education only for which the Bar Council of India has statutory responsibility under the Advocates Act. It is the expectation of the Council that Universities and Colleges in the country will continue to impart liberal education in law and expand it to larger sections of people by developing correspondence programmes if necessary for the benefit of persons in different occupations and in public life so as to advance their occupational goals on the one hand and assist the rule of law and Constitutional Government on the other. This would mean that the country may require not only the existing centres of liberal education in law working at convenient hours in the morning or in the evening, but also several more such institutions in the remote corners of our vast country. The rules now formulated are directed towards professional legal education and not towards other colleges which may continue within the framework of the University system in the country.

SCHEDULE—I

(Directives issued under Rule 26)

1. The teaching of the core programme in Part I of the law course may be done with the help of teachers in the disciplines concerned from the respective University/College departments.

2. The maximum strength of students in any class (LL.B. I, II, III, IV or V) shall not exceed 320 in any given College or University Department of Law and the number of students in any section of each of such class shall not exceed 80. In other words no College or University Department of Law shall have on its rolls a total student strength of over 1600 students in all its 1st, 2nd, 3rd, 4th and 5th years put together.

3. Law College and University Law Departments shall ensure that:

- (a) multiple copies of prescribed and recommended readings are available in the library;
- (b) seating arrangements is provided for at least 15 per cent of the students at a time in the reading hall;
- (c) the teacher student ratio is at least 1 : 40.

4. BUILDING

- (1) (a) The building of a college shall be available for its exclusive use, during the working hours of the college.
- (b) The accommodation provided for classes, hostel, if any, and the residential quarters for the Principal and the teacher to be in-charge of the hostel, if any, will be separate.
- (2) The college buildings shall consist of the following :
 - (a) Class rooms;
 - (b) A common room for men students;
 - (c) A common room for women students;
 - (d) A library hall with book shelves and reading tables;
 - (e) Office rooms for the Principal and his office staff;
 - (f) A teachers common room.
- (3) (a) All buildings shall be well lighted and ventilated and shall have adequate sanitary arrangements and water supply.
- (b) All buildings shall be duly furnished.
- (4) (a) If the college has no building of its own and it is proposed to be housed temporarily in a hired building, the college authorities shall create the building fund which shall be set apart and deposited in a Scheduled Bank or a District Central Co-operative Bank.
- (b) Deposits so made in the name of the college shall not be withdrawn except when required for meeting the cost of the portion of the building already constructed.
- (c) The building shall be completed within a period of 5 years from the date of the approval of

affiliation is communicated to the Registrar of the University concerned.

5. LIBRARY

- (a) The Library shall be adequately equipped with law reports, books, periodicals and reference books to meet the requirements of the courses of instruction taught in the College.
- (b) The library shall be in the charge of a qualified and trained librarian.
- (c) The minimum initial and recurring annual expenditure on the library shall be as below :

Initial	Rs. 50,000.00
First Year	Rs. 15,000.00
Second Year	Rs. 15,000.00
Third Year	Rs. 15,000.00
Subsequent Years	Rs. 10,000.00 per year

6. The building fund, as provided in Directive 4(4) shall be created at least for Rs. 5 lakhs through instalments as under :

Initial	Rs. 1,00,000/-
First Year	Rs. 1,00,000/-
Second Year	Rs. 1,00,000/-
Third Year	Rs. 1,00,000/-
Fourth Year	Rs. 1,00,000/-

7. The accommodation provided for classes, hostel, if any, and the residential quarters for the Principal and the teacher to be in-charge of the hostel, if any, will be separate.

8. Quarters for the Principals;

Quarters for the teacher-in-charge of the hostel, if any, located near the hostel.

Quarters for other permanent teachers as and if required by the University.

9. Provision shall also be made for a play-ground and adequate facilities for games and sports shall be made available in the vicinity of the college buildings.

10. Every University shall endeavour to supplement the lecture method with the case method, tutorials and other modern techniques of imparting legal education.

SHYAM MOHAN SRIVASTAVA
Secretary
Bar Council of India

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNTS FOR THE YEAR 1984-85

Expenditure	Actuals for 1984-85		Income	Actuals for 1984-85	
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
(A) Maintenance			Grant Account		
1. Administration—			1. Endowments and Grants—	—	8,71,302
(i) Salaries	1,07,85,590	—	A. Income from Investments—		
(ii) Other Charges	15,85,049	—	Grants—		
(iii) Common Services and General Charges	1,06,76,213	—	University Grants Commission	14,78,10,000	14,78,60,000
		2,30,46,852	State Government	50,000	—
2. Academic Department :—			2. Fees from Students—		
A. Faculties :—			Academic	13,86,984	—
(i) Salaries	4,37,04,867	—	Examination	5,69,197	—
(ii) Other Charges	66,47,526	—	Other Fees	5,23,404	—
		5,03,52,393	3. Hostels—	4,29,409	—
B. Colleges—					29,08,9924
(i) Salaries	49,43,872	—	4. Income from Buildings—		
(ii) Other Charges	9,73,715	—	Lands and other Properties		—
		59,17,587	Buildings	4,85,457	—
C. General Education Centre—			Lands and Gardens	2,12,732	—
(i) Salaries	4,25,994	—			6,98,189
(ii) Other Charges	39,658	—	5. Publications		28,401
		4,65,652	6. Other Departments :—		
3. Examinations—			Building Department	1,348	—
(i) Salaries	11,14,127	—	Property Department	39,926	—
(ii) Other Charges	36,23,968	—			41,274
		47,38,095	7. Electricity Department —		
4. M.A. Library—			Electricity Supply Service	—	49,20,392
(i) Salaries	21,35,502	—	8. Miscellaneous—	—	15,42,974
(ii) Other Charges	35,76,152	—	9. Schools—		
		57,11,654	Fees from Students	1,49,837	—
5. Students Facilities :—			Hostels	11,493	—
(i) Salaries	11,47,213	—	Miscellaneous	95,467	—
(ii) Other Charges	5,87,906	—			2,56,797
		17,35,119	Total—M in Uni	—	15,91,28,325

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNTS FOR THE YEAR 1984-85

Expenditure	Actuals for 1984-85		Income	Actuals for 1984-85	
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
	(A) Maintenance		Grant Account :—		
6. Fellowships—		11,73,466	10. Medical College Hospital :—		
7. Hostels—			Miscellaneous Receipts	—	2,61,861
(i) Salaries	1,09,51,749	—			
(ii) Other Charges	7,72,964				
		1,17,24,713			
8. Publications—					
(i) Salaries	1,95,036	—			
(ii) Other Charges	33,442				
		2,28,478			
9. Other Departments—	66,46,747				
(ii) Other Charges	67,81,395				
		1,34,28,142			
10. Auxiliary Service :—					
(i) Salaries	15,94,639	—			
(ii) Other Charges	53,51,625				
		69,46,264			
11. Miscellaneous—					
(i) Leave Salary	41,35,480				
(ii) Other Charges	65,22,941				
		1,06,58,421			
12. Schools—					
(i) Salaries	53,63,166	—			
(ii) Other Charges	4,24,623				
		57,87,789			
13. Provident Fund & Pension :—		45,78,945			
14. Medical College Hospital—					
(i) Salaries	74,73,491				
(ii) Other Charges	21,77,053				
		96,50,544			
Grand Total		15,61,44,114			
Excess of Receipt over Expenditure	—	32,46,070			
Total—Maintenance Grant Account		15,93,90,184	Grand Total		15,93,90,185

Sd/- Fazal Abbas Naqvi
Asstt. Finance Officer (Accounts)
A.M.U. Aligarh

Sd/- (S. Shafiq Ahmad),
Dy. Finance Officer

Sd. (L.M. Joshi),
Finance Officer

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNTS FOR THE YEAR 1984—85

Expenditure	Amount	Amount	Income	Amount	Amount
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
(B) M.U. Development			Grant Account—		
I. V & VI Plan Schemes—			Grant-in-aid from UGC—		
Development of Higher Education and Research—			I. V Plan Schemes Contd. in VI Plan	—	7,97,604
Academic Departments—			II. VI Plan Schemes	—	29,63,501
Salaries & Allowances	36,26,091	—	III. Special Development Schemes outside V & VI Plan	—	(—)4,09,888
Other Charges	21,48,718	—	IV. Grant-in-aid for Miscellaneous schemes from UGC and Govt. of India.	—	7,76,286
		57,74,809	Excess of Expenditure over receipt	—	36,63,382
II. Special Development Scheme out Side V & VI Plan—					
Salaries & Allowances	97,283				
Other Charges and Scholarship & Fellowships	6,13,981	7,11,264			
III. Continued III Plan Schemes :—					
Salaries & Allowances	1,56,365	—			
Other Charges	43,255	—			
		1,99,620			
Miscellaneous Scheme :—					
Financial Assistant to Teachers	12,335	—			
Seminar/Symposium/Conferences	99,364	—			
Travel Grant to Teachers	16,095	—			
Unassigned Grant	1,67,540	—			
Other Schemes	6,64,858	10,05,192			
Total		76,90,885			76,90,885

Sd/- Asstt. Finance Officer

Sd/- Dy. Finance Officer

Sd/- Finance Officer

BALANCE SHEET AS ON OCTOBER 4, 1986 (ASVINA 13, 1908)

Liabilities	Amount Rs.	Amount Rs.	Assets	Amount Rs.	Amount Rs.
General Fund Account—			Investments—		
Permanent Endowments—			(Various Accounts)		
Capitalised value of the donations received and investment made under Section 7 of the AMU Act XL of 1920 as amended	—	30,00,000	Govt. Securities	50,59,454	—
Permanent Reserve Fund—			Fixed Deposits	5,68,72,508	6,19,31,962
Capitalised value of the donations received and transfer made	—	41,53,136	Buildings	—	12,99,43,686
Special Floating Reserve Fund—			Equipment	—	7,31,62,538
Capitalised value of the donations and Grants	—	10,39,052	Vehicles	—	11,95,498
Floating Reserve Fund—			Furniture	—	49,20,049
Capitalised value of donations etc.	—	3,76,554	Books	—	1,27,99,632
Trust Fund—			Miscellaneous Debit Balance :—		
Capitalised value of the donations etc.	9,25,708	—	General Fund—		
Un-Utilised interest of the Fund	43,020	—	Permanent Advances	49,197	—
		9,68,728	Miscellaneous balances as per Annexure to Statement No. 4	20,649	—
Miscellaneous Funds—			Suspense Account	10,061	79,907
Depreciation Fund	—	5,63,309	Development Grant Account :—		
Building Fund	1,23,25,534	—	Excess of expenditure over receipt on account of :—		
Engineering College Fund	9,43,845	—	UGC's/CSIR senior/Junior Fellowships/Scholarships of Girls Polytechnic	23,45,643	—
Women's College Fund	23,560	—	Govt. of India's scheme in Unani Medicine at A.K. Tibbiya College	42,558	—
		1,32,92,939	Govt. of India's Scheme of Library Research Unit at A.K. Tibbiya College	23,602	—
Miscellaneous Credit Balances—			U.P. Govts., Post-Partum Programme	6,88,617	—
University's contribution towards Provident Fund at the credit of the employees who have opted for pension	97,88,032	—	Income & Expenditure Account—		
National Service Scheme	31,280	—	Excess of expenditure under Development Grant Account	61,80,376	—
Student Aid Fund	32,959	—	Inter Fund Advances	14,47,883	—
Inter Fund Advances	78,70,428	—			1,07,28,714
Grant for revision of scale of pay of staff including Technical Teachers	2,36,882	—			
Compulsory Group Insurance Scheme	6,389	—			
Compulsory Deposit Scheme	6,066	—			
Recoveries Suspense	7,21,164	—			
Revolving Fund for Publication of books in History Department	2,76,474	—			
		1,89,69,674			

Miscellaneous Credit Balances (Contd.)

Excess of Receipt in the Maintenance Grant Account till the end of 1984-85	—	32,79,120
--	---	-----------

Development Grant Account :—

Capitalised value of the Grant received from the University Grants Commission for :—		
Buildings	—	10,80,18,118
Books	—	1,28,54,777
Equipment	—	7,84,43,796
Furniture	—	50,63,288

Deposit Account of the Grants received from Indian Council of Agricultural Research	—	7,87,222
---	---	----------

Deposit Account of the grants received from ICAR	—	7,86,437
--	---	----------

Deposit Account of the grant received from the Govt. of India for Post-Graduate course in Ilmul Advia, A.K. Tibbiya College	—	2,30,613
---	---	----------

U.P. Govt., Grant for :—

Purchase of Equipment and furniture for Schools	—	4,467
Mobile care unit	—	33,528
Recoveries Suspenses (As per Annexure to Statement No. 4)	—	6,55,378
Suspense Account	—	1,93,469

Deposit Account :—

Capitalised value of the grants and donations received from :—		
Ford Foundation	21,94,321	—
Kuwait Govt.	1,00,000	—
Islamic Republic of Iran	1,13,000	—
Shah Saud	2,57,018	—

Libyan Government—

(i) Construction of Union Building	20,000	—
(ii) Construction of 100 Rooms Libyan Hostel	6,19,798	—

M. U. Deposit Account—

Travel Grants	21,367	—
Miscellaneous Debit Balance	1,22,815	—
Loan and Advances as per Statement No. 4	19,55,471	—
		20,99,653

Provident Fund Account

House Building Advances	—	38,22,576
-------------------------	---	-----------

Medical College Fund—

Inter Fund Advances	1,93,563	—
Advances for Medical Studies	7,404	—
		2,00,603

Golden Jubilee Fund—

Excess of expenditure over receipt	—	3,891
------------------------------------	---	-------

Closing Balances—

General Fund	—	69,33,398
--------------	---	-----------

AMU Development Grant Account—

S.B.I., A.M.U., Branch, Aligarh	—	13,14,649
---------------------------------	---	-----------

A.M.U. Deposit Account—

S.B.I., M.U. Branch Aligarh	—	22,56,318
Syndicate Bank, AMU Extension Counter	—	4,971

AMU Provident Fund Account—

State Bank of India (Current A/c)	1,80,968	—
State Bank of India Saving Bank Account	6,99,723	—
Allahabad Bank (Saving Bank Account)	42,372	—
Post office saving Bank	1,140	—
		9,24,203

BALANCE SHEET AS ON 31 st MARCH, 1985

Liabilities	Amount	Amount	Assets	Amount	Amount
	Rs.				Rs.
Haji Saud Abdul Aziz Al Babbain (for construction of School) .	10,37,624	—	AMU Revolving Fund for House Build- ing Advances Medical College Fund—	—	29,40,407
Sheikh Shah Kamal and Sheikh Husain Ali-Al-Harithy (for Modernisation of press) .	3,991	—	S.B.I., M.U. Branch Aligarh .	—	13,391
Dr. Hasan Kamal (for modi- fication and construction of Union School Building)	10,17,440	—	Dr. Wali Mohd. Waqf—		
Mr. Safah Uddin Parvez for purchase of an Ambulance)	1,03,388	—	S.B.I., M.U. Branch Aligarh .	—	31,118
Mumtaz Yarudawalla Waqf .	25,000	—	Permanent Islamic Solidarity Fund—		
Member of the Court . . .	80,800	—	Syndicate Bank A.M.U. Extension Counter	—	54,216
Bi-Amma Scholarship . . .	8,830	—			
Jammu & Kashmir Government	6,96,820	—	Golden Jubilee Fund—		
N.I.H. Malaria Scheme in Colla- boration with University of Hawaii (USA)	4,290	—	S.B.I., M.U. Branch Aligarh .	—	4,347
	—	62,82,320			
Miscellaneous Grants and Depists—			Bibi Fatima Waqf—		
(i) Grants under P.L. 480 and other programmes	7,889		S.B.I. M.U. Branch, Aligarh .	—	32,972
(ii) Security Deposits . . .	17,20,133		State Bank of India . . .		
(iii) Miscellaneous credit balances as per Annexure to State- ment No. 4	13,29,075	—	Chair in Rural Economics—		
Vice-Chancellor Fund . . .	37,86,668	—	S.B.I., A.M.U. Branch . . .	—	85,253
Saving Bank Account with . .	70,000	—			
Syndicate Bank	84,971	—	Sheikh Zayed Institute of Petroleum & Technology—		
S.S. Hall Canteen	55,444	—	Syndicate Bank, A.M.U. . . .	—	10,532
	—	70,54,180			
Provident Fund Account—			Scholarship Account—		
Provident Fund	3,86,05,038	—	Closing Cash Balance with Allaha- bad Bank	—	11,09,624
Refundable Receipts	24,811	—			
Inter Fund Advances	9,05,907	—			
	—	3,95,35,756			

Medical College Fund—		
Capitalised value of donations	—	61,26,824
Dr. Wali Mohd. Waqf Fund—		
Capitalised value of donations	2,36,138	—
Excess of receipt over Expenditure	65,967	—
		3,02,105
Golden Jubilee Fund—		
Capitalised value of the donation	—	1,28,492
Sheikh Zayed Institute of petroleum & Technology—		
Capitalised value of the donations received	22,40,599	—
Excess of receipt over expenditure	6,85,155	29,25,754
Permanent Islamic Solidarity Fund—		
Capitalised value of the donations	1,62,205	—
Excess receipt over expenditure	54,216	—
		2,164,22
Bibi Fatima Waqf—		
Capitalised value of donations	—	85,061
State Bank of India Endowment for Sit-ting up a Chair in Rural Economics—		
Capitalised value of	5,40,000	—
Excess of receipts over expenditure	85,253	—
		6,25,253
AMU Revolving Fund for House Build-ing Advances :—		
Capitalised value of the amount re-ceived from UGC/transferred from Deposit Account	36,04,388	—
Excess receipt over expenditure	4,57,324	40,61,712
Scholarship Account —		
Capitalised value of the scholar-ships received	9,43,761	—
	1,65 863	—
		11,09,624
	32,11,54,108	Grand Total
		32,11,54,108
Sd/Asstt. Finance Officer (Accounts)	Sd/-Dy. Finance Officer (Accounts)	Sd/- L.M. Joshi Finance Officer

AUDIT CERTIFICATE

I have examined the accounts and Balance Sheet of the Aligarh Muslim University, Aligarh for the year ending 31st March, 1985. I have obtained all the information and explanations that I have required and subject to the observations in the appended Audit Report, I certify, as a result of my audit, that in my opinion these accounts and Balance Sheet are properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of the State of affairs of the Aligarh Muslim University, Aligarh according to the best of my information and explanations given to me and as shown by the books of the organisation.

Sd/-

Place : Allahabad.

(V. S. VERMA)

ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I

Dated : January 21, 1986

UTTAR PRADESH,
ALLAHABAD

ANNEXURE 'A' TO THE BALANCE SHEET STATEMENT SHOWING THE DETAILS OF VARIOUS FUNDS AS ON 31st March, 1985

Head of Accounts	Investment	Building	Books	Equipment	Furniture	Loans and Advances	Inter Fund Advances	Miscellaneous Advances and Debit Balance	Cash Balance	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
I. M.U. General Fund Account—										
Permanent Endowment	30,00,000	30,00,000
Permanent Reserve Fund	18,86,122	1,13,878	21,53,136	41,53,136
Special Floating Reserve Fund	30,532	10,03,296	5,225	10,39,052
Floating Reserve Fund	15,424	3,61,130	3,76,554
Trust Fund	7,59,912	1,50,802
Depreciation Fund	1,40,102	58,014	9,68,728

[illegible]

VIII. Golden Jubilee Fund	35,973	84,461	3,891	4,347	1,28,492
IX. Provident Fund	3,02,88,977	83,22,576	9,24,203	3,95,35,756
X. Bibi Fatima Waqf	52,089	32,972	85,061
XI. AMU Campus Development	1,62,206	54,126	2,16,422
XII. AMU Revolving Fund	11,21,305	29,40,407	40,61,712
XIII. M.U. Scholarship Account	—	—	—	—	11,09,624	11,09,624
Total	6,19,31,962	12,99,43,686	1,27,99,632	7,43,58,036	49,20,049	19,55,471	16,41,451	1,78,38,422	1,57,65,399	32,11,54,108	

Sd/- (S. Fazal Abbas Naqvi)
Asstt. Finance Officer, (Accounts)

ANNEXURE 'B' TO BALANCE SHEET

STATEMENT SHOWING THE DETAILS OF VARIOUS FUNDS AND INVESTMENTS AS ON
31st MARCH, 1985

Head of Account	Amount	Amount	Head of Account	Amount	Amount
1	Rs. 2	Rs. 3		Rs.	Rs.
I. Liabilities—			Special Floating Reserve Fund		
Permanent Endowment	30,00,000	Grants from Ex-Princely States—		
Permanent Reserve Fund	10,05,831	..	Bhopal Estate Grant—		
H.E. Nizam's Donation	(i) Science College	2,48,479	..
Prince of Wales Science School Account	2,78,578	..	(ii) Flying Club	50,000	..
Sir Syed Ahmad Memorial Fund	1,39,027	..	Bhawalpur Estate Grant for General Building	65,000	..
Capital of M.A.O. College	55,333	..	Mohmoodabad State Govt.	38,000	..
Transfers from :—					
Floating Reserve Fund	4,51,147	..	Grant for General Building Endowments	4,01,479	
Current Expenses Fund	70,084	..			
Maintenance Account Grant	21,53,136	41,53,136			

1	2	3	1	2	3
	Rs.	Rs.		Rs.	Rs.
Liabilities—contd.			Trust Fund—		
Shahjahanpur Waqf	1,150	..	Details given in separate State- ment (Annexure to Statement No. 4)		9,68,728
Fazle Haq Waqf	4,500	..	Medical College Fund—		
Badaun Waqf	550	..	Donation from—		
	6,200		States	16,05,000	
Capital Grant from UGC for Purchase of evacuee Property donation for—	1,89,000	..	Individuals	22,99,649	
Art Gallery by Prof. Moinuddin	21,376	..	His Majesty the King of Saudi Arabia	10,00,000	
General Buildings	500	..	Rusi Ministry of Bombay	39,680	
Books	15,877	..	Miss. E.G. Everest of England	13,723	
Construction of 50 beds Ward at Tibbiya College			Income and Expenditure Account	11,68,772	
(i) Dawakhana Tibbiya College	50,000	..		61,26,826	61,26,284
(ii) U.P. Government	50,000	..	Dr. Wali Mohd. Waqf—		
	1,37,753		Al-Aulad Capital Fund		3,02,105
Miscellaneous—			Golden Jubilee Fund—		
Interest on Investment for Art Gallery	2,400		Donation for—		
Cost of Waqf House of Nasirud- din Khan of Shahjahanpur	1,600		Renovation of Sir Syed House Establishment of Sir Syed Aca- demy	59,117	
Auchinlek Memorial Fund	99,754		Jubilee Scholarships	62	
Polytechnic Account	1,50,415		Establishment of School	18,934	
Miscellaneous Receipts	50,451			50,379	1,28,492
		10,39,052	Capitalised value of—		
Floating Reserve Fund	3,51,784		(i) Donation from Shaikh Zaid for establishment of Insti- tute of Petroleum & Tech- nology		29,25,754
Capitalised Fund—			(ii) Permanent Islamic Solidari- ty Fund for A.M.U. Cam- pus Development		2,16,422
Donation for—			(iii) Bibi Fatima Waqf (Loan from central Waqf Board) Income & Expenditure A/c.		85,061
Completion of A.M.U. History	300		(iv) State Bank Endowment for sitting up of a chair in Rural Economics		6,25,253
Amir Khusro Fund	434		(v) A.M.U. Revolving Fund		
Qanooni Masoodi Fund	3,436				
General Purpose	7,000				
Compensation of Land	13,600				
		3,76,554			

II. Assets—**Investments—****(a) Government Securities—**

Permanent Endowment	30,00,000
Permanent Reserve Fund	17,45,321
Special Floating Reserve Fund	30,531
Trust Fund	81,216
Depreciation Fund	2,000
Deposit Account	20,00,386

50,59,454
(b) Fixed Deposit—

Permanent Reserve Fund	1,40,801
Floating Reserve Fund	15,424
Trust Fund	6,78,696
Current Expenses Fund	97,10,129
Depreciation Fund	1,38,102
Maintenance Grant Deposit Account	81,69,942
Shah Saud Donation	2,53,070
Vice-Chancellor's Fund	20,05,420
FDR in Saving Bank Syndicate Bank A/c No. 1845	1,50,000
Mumtaz Yaruddaula Waqf	25,000
S.S. Hall Canteen	55,444
Dr. Wali Mohd. Waqf Alal Aulad	2,20,987
Bi-Amma Scholarship	8,830
Golden Jubilee Fund	35,793
Provident Fund Account	30,28,977
Donation from Sheikh Shah Kamal
Donation from Hasan Kamal	8,08,395
Donation form Salahuddin Pervaiz	1,03,388

Sheikh Zaid Institute of Petroleum & Tech.	22,40,599
Permanent Islamic Solidarity Fund	1,62,206
State Bank Endowment (Chair in Rural Economics)	5,40,000
M.U. Revolving Fund	11,21,305
Total Investments	6,19,31,962

Buildings—

Permanent Reserve Fund	1,13,878
Special Floating Reserve Fund	10,03,296
Floating Reserve Fund	3,61,130
Trust Fund	1,50,802
Building Fund	1,23,25,534
Engineering College Fund	9,43,845
Women's College Fund	23,560
	1,49,22,045

Development Grant Account 10,32,33,966
Deposit Account—

Ford Foundation Grant	20,19,168
Jammu & Kashmir Government Grant	6,86,820
Kuwait Govt. Grant	72,475
Kuwait School	8,11,272
General Balances	94,382
Construction of Hostel (Libyan Embassy)	3,21,922
Mohd. Ali Johar Hall (V.C. Fund)	10,57,633
	50,63,672
Medical College Fund	59,12,830
Golden Jubilee Fund	84,461
Sheikh Zaid Institute of Petroleum	6,74,623
Bibi Fatima Waqf	52,089
Grand Totals Buildings	1,29,94,686

1	2	3	1	2	3
Books—	Rs.	Rs.	Equipment—	Rs.	Rs.
Development Grant Account .	..	1,26,49,346	Development Grant Account (including Vehicles)	..	7,49,28,709
M.U. Deposit Account—					
(i) Ford Foundation Grant .	..	39,956			
(ii) Shah of Iran Govt., Grant	1,10,330			
Total		1,27,99,632	M. U. Deposit Account—		
Furniture—			Ford Foundation Grant	..	1,14,113
Development Grant Account .	..	48,97,709	Kuwait Govt. Grant	..	5,214
M.U. Deposit Account—			J. & K Govt. Grant	..	1-,000
Ford Foundation Grant .	..	21,005	Total	..	7,43,58,036
Kuwait Govt. Grant	1,335			
Total : Furniture	..	49,20,049			

Sd/- (S. Fazal Abbas Nagvi)
Asstt. Finance Officer (Accounts)

BANK RECONCILIATION STATEMENT AS ON 31ST, MARCH 1985

	M.U. Fund Account	M.U. Dev. Grant Account	M.U. Deposit Account	M.U. P.F. Account	M.C. Fund Account
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Balance as per Accounts	+69,33,398	+13,14,649	+22,56,318	+1,80,968	+13,391
Deduct—					
Remittance in Transits	—2,26,430	—53,47,831	—9,23,401	—7,00,145	—
Erroneous/Unclassified Debits by the Bank	—2,62,104	—24,588	—2,38,081	—30,760	—
Total	+64,44,864	—40,57,770	+10,94,836	—5,49,937	+13,391
Add—					
Uncashed Cheques	+1,50,24,451	+83,14,052	+5,56,830	+5,22,493	—
Erroneous/Unclassified Credits by the Bank	+31,301	+1,948	+77,304	+30,795	—
Balance as per Bank Statement and Pass Books of I.P.OS/ Savings Bank A/c.	+2,15,00,616	+42,58,230	+17,28,970	+3,351	+13,391

Sd/- (S. Fazal Abbas Nagvi)
Asstt. Finance Officer (Accounts)

AUDIT REPORT ON ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY
for THE year 1984-85

1. Introductory—

The University was financed during 1984-85 mainly by the University Grants Commission (U.G.C.). It also received grants aggregating Rs. 349.63 lakhs from the Government of India and the U.G.C. for the implementation of specific schemes. A grant of Rs. 0.50 lakh was also received from the Government of Uttar Pradesh. Revenue receipts from permanent endowments and investments, buildings and land, academic and hostel receipts and miscellaneous receipts totalled Rs. 115.29 lakhs. A broad analysis of receipts and expenditure during 1984-85, with corresponding figures for 1983-84 is given below :—

I. Receipts—

	1983-84 (Rs. in lakhs)	1984-85 (Rs. in lakhs)
1. Grants received from :		
(i) U.G.C.	1,301.00	1,478.10
(ii) State Government	2.62	0.50
	1,303.62	1,478.60
2. Grants received from Government of India and the U.G.C. for various specific schemes.		
(i) Recurring	45.48	40.28
(ii) Non-Recurring :	187.87	309.35
	233.35	349.63
3. Income from :		
(i) Endowments and investments	2.70	8.71
(ii) Buildings and Land	7.39	6.98
4. Academic receipts	26.68	27.36
5. Hostel receipts	9.21	4.29
6. Medical College receipts	1.83	2.62
7. Miscellaneous receipts	48.80	65.33
	96.61	115.29

1983-84 (Rs. in lakhs) 1984-85 (Rs. in lakhs)

8. Excess of expenditure over receipts :

(i) Capital	8.15	24.15
(ii) Development	10.17	36.63
(iii) Maintenance	—	—
	<u>18.32</u>	<u>60.78</u>
Total	1,651.90	2,004.30

II. Expenditure —

1. Capital

(i) Buildings	119.58	124.56
(ii) Equipment	63.79	185.78
(iii) Books	10.28	22.29
(iv) Furniture	2.37	0.87
	<u>196.02</u>	<u>333.50</u>

2. Revenue expenditure (Pay and allowances and common services)

740.06 848.70

3. Academic expenditure

143.28 152.86

4. Hostels

93.13 117.24

5. Medical College Hospital

87.87 96.50

6. Fellowships and Scholarships

16.64 11.73

7. Development grants

55.65 76.91

8. Miscellaneous expenditure

280.69 288.61

9. Contributions to Provident Fund and Pensions

38.23 45.79

1,455.55 1,638.34

10. Excess of receipts over expenditure :

(i) Capital	—	—
(ii) Development	—	—
(iii) Maintenance	0.33	32.46
	<u>0.33</u>	<u>32.46</u>

Total

1,651.90 2,004.30

2. Accounts—

(i) Unadjusted advances

Advances (4130 cases aggregating to Rs. 390.20 lakhs as paid during 1961-62 to 1984-85 to supplier for making supplies and to various departments of the University for meeting contingent expenditure, personal advances, etc., had been awaiting adjustment. The period-wise break-up (September 1985) was as under:—

Period (years)	No. of cases	Amount (Rs. in lakhs)
10 to 23	960	24.10
4 to 9	1348	60.87
1 to 3	626	72.13
Up to one year	1196	233.10
Total :	<u>4130</u>	<u>390.20</u>

Adjustment accounts for Rs. 11.05 lakhs were untraceable (September, 1985) in the Building department/Central accounts Office of the University.

The University stated (September, 1985) that reminders were issued and that Gratuity, Provident Fund etc. of the concerned chairmen/officers of the department had been withheld.

(ii) Recoveries—

(a) A net credit balance of Rs. 7.21 lakhs comprising credit and debit items had been shown on the liabilities side of the balance-sheet as on 31st March, 1985. Some of the outstanding items depicted adverse closing balances as indicated below :—

		Closing balance as on 31st March, 1985 (Rs. in lakhs)	
		Debit	Credit
Income Tax.		0.06	—
Profession Tax		—	0.38
Life Insurance Corporation		0.50	—
Provident Fund		—	1.53
Festival Advances		0.34	—
Flood Advances		0.02	—
Vice-Chancellor's Fund		0.16	—
Boarding House dues		—	6.53
Salary payable		1.96	—
AMU Thrift and Welfare Society		—	1.12
Vetan Bhogi Sahkari Samiti		0.37	—
Teaching Staff Association		—	0.25
Non-Teaching Staff Association		—	0.12
Post Partum Scheme		—	0.30
Others		—	0.39

The University stated (September, 1985) that the balances would be transferred to the respective heads of account during 1985-86.

(iii) Non-adjustment of recovered advances

Recovery of Advances amounting to Rs. 3.07 lakhs (included in the total figure of Rs. 19.55 lakhs) had been shown under the head "Loans and Advances" in the Balance-Sheet instead of being credited to revenue account of the University.

The University agreed (September, 1985) to do so.

(iv) Irregular maintenance of Depreciation Fund

Mention was made in the Audit Report for the year 1983-84 about irregular maintenance of Depreciation Fund by the University. The University credited to the Fund during 1984-85 (a) Rs. 2.00 lakhs transferred from maintenance grant and (b) Rs. 0.33 lakh on account of sale proceeds and interest on investments. An expenditure of Rs. 0.05 lakh only was incurred out of the fund on repairs/replacements, leaving a balance of Rs. 5.68 lakhs on 31st March, 1985.

As the University received recurring and non-recurring grants for meeting its revenue and capital expenditure for repair and replacement of assets and no depreciation was being charged on the fixed and other assets of the University, the maintenance of Depreciation Fund had no justification.

The University, however, stated (September, 1985) that since it did not have any other grant under Plan and Non-Plan for meeting the expenditure on replacement of machinery etc., the practice of maintaining the Depreciation Fund was continued.

(v) Accumulated Balance

Section 22 of the Aligarh Muslim University Accounts Code stipulated that all money belonging to the University, be kept in banks under A.M.U. Fund Account. The University, however, was operating simultaneously another fund under 'Advance from M.U. Fund Account' which exhibited the following position during 1981-82 to 1984-85:—

Year	Opening Balance	Receipts (Rs. in lakhs)	Disbursement	Closing Balance
1981-82	23.44	25.00	9.00	39.44
1982-83	39.44	12.00	8.00	43.44
1983-84	43.44	..	4.41	39.02
1984-85	39.02	10.00	..	49.02

The accumulated balance of Rs. 49.02 lakhs as available in this fund on 31st March, 1985, which was refundable to the U.G.C. remained outside the maintenance grant account. The University stated (September, 1985), that the head 'Advances from M.U. Fund Account' was opened with a view to facilitating the accounting and smooth running of the activities of the University and that the Fund was intended to serve as a stop gap arrangement for defraying the liabilities when the grants were not received in time. This line of argument was not justified as the University had a surplus of Rs. 32.46 lakhs at the close of March, 1985 in the maintenance grant account alone to meet such contingencies.

3. (a) Utilization of Government of India's Grants—

Against the grant of Rs. 6.50 lakhs as released by the U.G.C. in the year 1977-78 for setting up of training-cum-production centre at the University's Polytechnic, an expenditure of Rs. 5.84 lakhs was incurred on purchase of machinery and for other miscellaneous purposes during the years 1977-78 and 1978-79. The centre started functioning on no profit no loss basis with effect from October, 1981 but the University did not refund the unspent balance of Rs. 0.66 lakh to the U.G.C. (September, 1985).

The University stated (September, 1985) that the unspent balance would be spent on meeting further requirements of machinery for the Centre on receipt of Executive Council's approval, before whom the matter had been pending since 1978.

(b) Non-refund of unutilised grants of the University Grants Commission and the State Government—

(i) The unspent balance of Rs. 2.37 lakhs against the grant received from the U.G.C. during 1973-74 for payment of arrears as a result of revision of scales of pay of staff by the Third Pay Commission remained unrefunded. The University stated (September, 1985) that the amount would be refunded after verifying if any case of pay fixation was not pending.

(ii) The grant of Rs. 0.34 lakh given by the Government of Uttar Pradesh for the scheme of 'Mobile Care Unit under Post Partum Programme in Medical College' during 1976-77, which remained unutilised (September, 1985) was not refunded by the University.

4. Excess of receipt over expenditure under Scholarship Account—

As on 31st, March, 1985 the University was having a cumulative balance of Rs. 11.10 lakhs against the funds received from the Central/State Governments and the U.G.C. and private agencies between the periods from 1975-76 to 1984-85 (year-wise break-up not made available for payment of scholarships. The University stated (September, 1985) that funds were generally received at the fag end of the year and consequently had to be utilised in the next year. But, the amount remaining unspent was not refunded unless the funding agency asked for it. It was also stated that the matter would be reviewed and the unspent balances lying for the last few years might be refunded. The University did not indicate if the funding agencies were informed of the unspent amount enabling them to claim refund.

5. Bank Reconciliation—

As on 31st March, 1985, there was a net difference of Rs. 168.05 lakhs between the cash balances as shown in the Cash Book of the University and that appearing in the bank accounts. The credits aggregating Rs. 71.98 lakhs and debits aggregating Rs. 244.18 lakhs, as appearing in the books of the University, had not been exhibited in the bank accounts whereas credits of Rs. 1.41 lakhs and debits of Rs. 5.56 lakhs reflected in the bank accounts were not appearing in the Cash Book of the University. A period-wise analysis of these differences was as under :—

Particulars of the differences	Period					Total
	Over 10 years	6 to 10 years	4 to 5 years	1 to 3 years	Less than one year	
1	2	3	4	5	6	7
(Rupees in lakhs)						
(i) Credits in Bank Pass Books but not appearing in University Cash Book	0.04	0.42	0.29	0.53	0.13	(+)1.41
(ii) Credits in University Cash Book but not appearing in Bank Pass Books	0.21	0.42	0.39	0.70	70.26	—71.98

	1	2	3	4	5	6	7
(iii) Debits in University Cash Book but not appearing in Bank Pass Books		0.82	2.42	2.40	2.83	235.71	+244.8
(iv) Debits in Bank Pass Books but not appearing in University Cash Book		2.26	1.71	1.14	0.32	0.13	(—)5.56
Net difference		(—)1.61	(+)0.71	(+)1.16	(+)2.34	(+)165.45	(+)168.05

The University stated in January, 1986 that the difference had been brought down to Rs. 4.40 lakhs (30th November, 1985).

6. Diversion of income—

The Executive Council approved (April, 1976) that the entire income of University Admission (Application fees and Competitive Admission Test Fees) from the year 1975-76 onwards be diverted towards the Vice-Chancellor's Fund and a substantial amount be invested so that the Corpus might grow year after year. The fund provided for investment (66 per cent), loan to employees (4 per cent), part time employment to the needy students (20 per cent) and other miscellaneous (10 per cent).

Income from the admissions was of the nature of revenue receipts of the University and was to be accounted for as University's income, in order to reduce the net deficit under the maintenance grant payable by the U.G.C.

During 1980-81 to 1984-85 alone the University diverted Rs. 25.59 lakhs out of the admission fees and credited the same to the Vice-Chancellor's Fund and the University's investments in short/long term deposits were to the extent of Rs. 20.05 lakhs at the end of March, 1985.

The University stated (September, 1985) that the amount transferred to the Vice-Chancellor's Fund related to receipts pertaining to candidates appearing for professional courses like Engineering, Medicine, M.B.A.; etc. and did not qualify for admission. Further, that the budget was presented to Finance Committee comprising the representatives from Government and the U.G.C. and that the amount of the Fund was utilised for providing facilities and amenities to students which could not normally be provided out of the grants paid by the U.G.C.

Transfer of the amount out of the revenues of the University to a separate fund without specific approval of the U.G.C./Government of India was irregular.

7. Misutilisation of Maintenance Grants

During 1968-69 to 1980-81 contractors bills for supply of foodstuff games material etc., to five halls of the residence of the University remained unpaid due to non-realisation of the dues from the beneficiaries. Three of the contractors obtained payment (Amount ; Rs. 79,533) of their bills alongwith interest (Amount : not known) on the strength of the court attachment orders obtained in January, 1981 (Rs. 4,823), April, 1982 (Rs. 58,253) and January, 1983 (Rs. 16,457) : The expenditure was charged to the maintenance grant. In April/May, 1983, Provokes of two of the Halls reported that recoveries could not be made from the student as their personal accounts were incomplete. Position with regard to three other halls was not made available (September, 1985). On suggestion from the Government of India (April, 1984) the Finance Committee of the University passed a resolution (November, 1984) approving the provisions of Rs. 6.06 lakhs in the revised budget estimates of 'Maintenance Grants, for 1984-85, against which a sum of Rs. 5.85 lakhs (Rs. 5.35 lakhs on food account and Rs. 0.50 lakh on account of games and other hall amenities accounts), mostly relating to the period from 1968-69 to 1980-81 to was paid during 1984-85. The action of the of the Finance Committee was approved by the Executive Council on 26th October, 1985.

Thus, a total sum of Rs. 6.65 lakhs which should have been recovered from the beneficiaries and paid to the contractors etc-was charged to the Maintenance Grant received by the University. The University stated (September, 1985) that it was the period of continuous rise in prices, disturbance and students problems and that to realise the dues from the students concerned the Controller of Examination was being informed for withholding the degrees. By 10th December, 1985, an amount of Rs. 0.45 lakh had been recovered.

8. Excess expenditure on fellowships—

The U.G.C. allocated (July, 1977) 80 Junior reserach fellowships of Rs. 525 per month per scholar on the condition that the number of fellowships at any one given time should not exceed 80 during the year.

The expenditure over and above this allocation if any, was to be borne by the University out of its own resources. In November, 1977, the University requested the U.G.C. to waive the limit of 80 fellowships which was not acceded to. But earlier, the U.G.C. had erroneously informed (February, 1978) the University that the number of allocated fellowships for the year 1977-78 was 100. Subsequently, in August, 1978 the U.G.C. conveyed to the University allocation for 80 fellowships for the year 1978-79. In April, 1983, the U.G.C. with reference to the University's letter of January, 1983 clarified that allocation of 100 fellowships as conveyed in February

1978 was through oversight and that the correct number was 80, which was confirmed in November, 1982 also. Despite the clarifications from the U.G.C. the University persisted with awarding of fellowships in excess of 80 per annum during 1977-87 to 1983-84 (due : 560, awarded : 816) which resulted in an excess expenditure of Rs. 19.21 lakhs (actuals : Rs. 73.59 lakhs, less receipt from the U.G.C. Rs. 54.38 lakhs). During 1984-85, the number of fellowships was brought down to 69. The excess expenditure was met partly out of the pooled development grant account (Rs. 17.84 lakhs) and partly from the University's own income (Rs. 1.37 lakhs); instead of being met wholly from the latter as stipulated by the U.G.C.

The University stated (January, 1986) that the U.G.C. had allowed it (November, 1985) to meet the expenditure out of its own funds including Maintenance grant.

9. Idle equipment—

The University purchased equipment worth Rs. 4.94 lakhs (Rs. 2.65 lakhs for A.K. Tibbiya College; Rs. 1.20 lakhs for Z.H. College of Engineering and Technology and Rs. 1.09 lakhs for M.A. Library) in between February, 1980 and August, 1984, which remained idle upto September, 1985 due to some defects therein and non-installation for want of space. The details were as under :—

Equipment	Year Purchase	Amount (Rs. in lakhs)	Reasons
(i) Atomi Absorption Spectrometer	February (1980)	1.13	The equipment had not been installed. Besides its Microprocessor was not in working order.
(ii) Auto Analyser	April 1980	0.44	Not installed due to defects which were not removed by the Indian representative of the supplier.
(iii) Direct current Recording Photograph	March 1984	1.08	Equipment had not been plotting correct graph since installation due to defects therein.
(iv) 75 KVA/60 KW diesel generating set	August 1984	1.20	Some parts of the diesel generating set were found broken which the firm did not replace/repair. Room for housing the set had also not been constructed (September, 1985),
(v) 100 KW/125 KVA diesel generating set.	November 1984	1.09	Not installed for want of space/funds (September, 1985).

10. Unsold stock of journals—

From the year 1948 the Geography department of the University started bringing out a journal under the title "The Geographer" as a priced publication. For every issue (biennial) about 500 copies were printed, excluding 25 offset copies of each volume printed extra for distribution to the subscribers of the articles, etc. The sale price per copy as fixed by the University was Rs. 5 between 1948 and 1974, Rs. 10 between 1975 and 1980 and Rs. 20 thereafter. Actual cost per copy was not known.

Out of total number of 19,944 copies (sale value : Rs. 1.74 lakhs) got printed between 1948 and 1983 only 5,590 copies (28 per cent) were sold (Sale realisation : Rs. 0.56 lakh), leaving an unsold stock of 14,352 copies (sale value : Rs. 1.18 lakhs) (72 per cent). The journal for the year 1984 and 1985 was still under print (September, 1985).

The University stated (September, 1985) that for each issue, 500 copies were printed annually, out of which 60 copies were distributed among post-graduate students free of cost, about 50 copies were given as complimentary/exchange copies to eminent persons in the profession and 150 to 180 copies were sold out and about 200 copies (40 per cent) remained in stock. Further, even if the number of copies to be printed was reduced, the difference in total cost would be nominal. The printing of copies in excess of requirements was not justifiable.

11. Non-incorporation of the accounts of the University Press—

The annual accounts of the University Press had not been incorporated in the 1984-85 accounts of the University, with the result that its financial position could not be ascertained. The irregularity was also pointed out in the Audit Report for the year 1983-84. The University stated (January, 1986) that it would be included in the Annual accounts for the year 1985-86.

Place : Allahabad.

Dated : January 21, 1986

Sd/-
(V. S. Verma)
Accountant General (Audit)—I
Uttar Pradesh